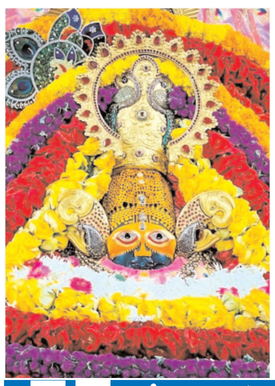

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

वर्ष :16 । अंक: 33। पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 29 सितंबर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन

+91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

करजन के पाछियापुरा में बदहाल सड़क के खिलाफ जनाक्रोश: 'बेसनूं' के बाद अब अनोखी 'सड़क की वर्षी' मनाकर ग्रामीणों का हुंकार!

विधायक की छत्रछाया में धड़ल्ले से जारी रेत खनन और नर्मदा नदी का चीरहरण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

करजन। वडोदरा जिले के करजन तालुका से एक बेहद सनसनीखेज और सरकार की नींद उड़ा देने वाली खबर सामने आ रही है। करजन तालुका के पाछियापुरा में नारेश्वर-पालेज रोड की अत्यंत दयनीय और खस्ताहाल स्थिति को लेकर स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा है। भ्रष्ट तंत्र और निष्क्रिय नेताओं की आंखें खोलने के लिए ग्रामीणों ने अनोखा विरोध दर्ज कराते हुए 'सड़क की वर्षी' का आयोजन किया और सरकार की ढुलमुल नीतियों के खिलाफ उग्र आक्रोश व्यक्त किया।

15 दिन पहले 'बेसनूं' का आयोजन फिर भी तंत्र के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी!

स्थानीय लोगों के अनुसार, इस जर्जर मार्ग की मरम्मत के लिए करीब 15 दिन पहले प्रशासनिक लापरवाही के खिलाफ अनोखे तरीके से 'बेसनूं' (शोक सभा) आयोजित कर विरोध जताया गया था। इसके बावजूद, सरकारी बाबुओं और स्थानीय सत्ताधीशों पर कोई असर नहीं हुआ और सड़क की स्थिति जस की तस बनी रही। नतीजतन, आज ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर सड़क की वर्षी मनाने का आक्रामक रास्ता अपनाया है। विधायक अक्षय पटेल के खिलाफ उग्र प्रदर्शन: रेत खनन और हफ्ताखोरी के गंभीर आरोप इस विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थानीय लोगों ने करजन के विधायक अक्षय पटेल के खिलाफ जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने खुलेआम आरोप लगाया है कि विधायक की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष छत्रछाया में ही नर्मदा नदी के पाट में बेधड़क अवैध रेत खनन चल रहा है। करोड़ों रुपए की रॉयल्टी चोरी की जा रही है, फिर भी गांधीनगर में बैठे खान एवं खनिज विभाग के अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि हर महीने तंत्र द्वारा रिश्वत और हफ्ता लेकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। अनगिनत लिखित शिकायतें करने के बावजूद प्रशासन या पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इतना ही नहीं, ग्रामीणों ने यह गंभीर खुलासा भी किया कि करजन तालुका पुलिस भी खुलेआम इस भ्रष्टाचार में शामिल है और हफ्ता लेकर चुप बैठी है।

तंत्र और पुलिस की हफ्ताखोरी के खिलाफ जनता अब गांधीनगर में बड़ा धमाका करने को तैयार!

अब आर-पार की लड़ाई: गांधीनगर में आंदोलन की चेतावनी

सड़कों की जर्जर हालत और खनन माफियाओं की गतिविधियों से परेशान पाछियापुरा और आसपास के ग्रामीणों ने अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन बना लिया है। स्थानीय लोगों ने सख्त चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द इस मार्ग की मरम्मत नहीं की गई और अवैध खनन करने वालों पर शिकंजा नहीं कसा गया, तो आने वाले दिनों में गांधीनगर में उग्र आंदोलन शुरू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री तक गुहार के बावजूद परिणाम शून्य!

ग्रामीणों ने बताया कि इस गंभीर मुद्दे पर पहले राज्य के मुख्यमंत्री से भी लिखित शिकायत की गई थी, लेकिन अभी तक कोई कानूनी या निवारक कार्रवाई नहीं हुई है। नर्मदा नदी में सक्रिय खनन माफिया इतने बेखौफ हो चुके हैं कि उन्हें कानून या पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है।

एशियन गेम्स में भारत का शानदार प्रदर्शन, 9वें दिन मिले 8 मेडल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के 9वें दिन भारत ने 8 मेडल अपने नाम किए। जेवलिन थ्रो में यशवीर सिंह ने 85.72 मीटर के पर्सनल बेस्ट थ्रो के साथ सिल्वर और रोहित यादव ने 84.35 मीटर के थ्रो के साथ ब्रॉन्ज जीता। इससे पहले श्रीशंकर मुरली ने लॉन्ग जंप में 8.07 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर और गुलवीर सिंह ने 1500 मीटर में 3 मिनट 36.72 सेकेंड के समय के साथ सिल्वर हासिल किया। सोमवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में सिल्वर जीता। फाइनल में ईशा और चीन की जियाओ जियारुइक्सुआन के 38-38 अंक रहे। शूटआउट में चीन की खिलाड़ी ने बाजी मारी। पारुल चौधरी ने 5000 मीटर, वित्या रामराज ने 400 मीटर हर्डल्स और पिंकी बल्हारा ने कुराश के -78 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज जीता।

TMC नाम-सिंबल विवाद: सुप्रीम कोर्ट ने 4 महीने में प्रक्रिया पूरी करने को कहा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के नाम और 'फूल-पत्ती' चुनाव चिह्न से जुड़े विवाद के निपटारे की समय-सीमा तय कर दी है। कोर्ट ने दोनों गुटों को एक महीने में अपनी दलीलें पूरी करने और इसके बाद चुनाव आयोग को तीन महीने के भीतर फैसला लेने का निर्देश दिया। चुनाव आयोग ने प्रक्रिया पूरी करने के लिए छह महीने का समय मांगा था, जिसे कोर्ट ने स्वीकार नहीं किया। यह आदेश ममता बनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। उन्होंने चुनाव आयोग के उस अंतरिम फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें TMC के नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को विवाद के दस्तावेजों की जांच और प्रक्रिया तेज करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों के इस्तेमाल का सुझाव भी दिया। दरअसल, पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होने हैं। दोनों गुटों ने मूल ञस्ष्ट नाम और चुनाव चिह्न पर दावा किया था। 17 सितंबर को सुनवाई के बाद आयोग ने दोनों गुटों के लिए मूल नाम और चिह्न को रोक दिया था। इसके बाद 18 सितंबर को ममता बनर्जी के गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और 'फुटबॉल खिलाड़ी' चुनाव चिह्न दिया गया, जबकि दूसरे गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' और 'लिफाफा' चिह्न आवंटित किया गया।

बेला एस्टेट में लोगों से मिले राहुल; एसडीएम को फोन कर पूछा- मकान होने या न होने का वोट के अधिकार से क्या संबंध

यमुना किनारे झुग्गी में पहुंचे राहुल गांधी, बोले- 728 में सिर्फ एक नाम बचा, 727 वोटर सूची से बाहर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को दिल्ली में यमुना किनारे बसी बेला एस्टेट की झुग्गी बस्ती में पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात की और मतदाता सूची में नामों को लेकर उनकी समस्याएं सुनीं। राहुल गांधी ने दौरे का एक वीडियो अपने एक्स खाते पर साझा करते हुए दावा किया कि बस्ती में 728 लोग रहते हैं, लेकिन स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची में केवल एक व्यक्ति का नाम बचा है, जबकि 727 नाम काट दिए गए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि बस्ती में रहने वाले लोग दशकों से यहां रह रहे हैं। उनके अनुसार, इन लोगों ने 2024 के लोकसभा चुनाव और 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान किया था। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2023 में इन लोगों के घर तोड़ दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद वे बस्ती छोड़कर कहीं नहीं गए और अब भी वहीं रह रहे हैं। बस्ती में लोगों के बीच बैठकर राहुल गांधी ने एसडीएम को फोन किया। बातचीत के दौरान उन्होंने सवाल उठाया कि किसी व्यक्ति के पास मकान है या नहीं, इसका उसके मतदान के अधिकार से क्या संबंध है। उन्होंने मतदाता सूची में नाम हटाए जाने की प्रक्रिया और प्रभावित लोगों की स्थिति को लेकर अधिकारियों से जानकारी मांगी। दिल्ली में एसआईआर के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है। 97 लाख से अधिक मतदाताओं वाली ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी होने के बाद दावे और आपत्तियां दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसी दौरान इसकी समय-सीमा बढ़ाई गई। जानकारी के अनुसार, 33 लाख से अधिक मतदाताओं को उनके एन्यूमरेशन फॉर्म में गड़बड़ियों के

कारण नोटिस जारी किए गए हैं। इनमें ऐसे मामले भी शामिल हैं, जिनमें मतदाताओं के विवरण का वर्ष 2002 में हुए पिछले एसआईआर के दौरान तैयार मतदाता सूची से मिलान नहीं हो पाया। चुनाव आयोग के अनुसार, बूथ-लेवल अधिकारी उन मतदाताओं के घर जाकर जरूरी दस्तावेज एकत्र करेंगे, जिन्हें मतदाता सूची से जुड़ी गड़बड़ियों को लेकर नोटिस जारी किए गए हैं।

आठवें हफ्ते भी बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 1124 अंक टूटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला लगातार आठवें हफ्ते जारी रहा। सोमवार को सेंसेक्स 1124 अंक यानी 1.52' गिरकर 72,772 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 360 अंक यानी 1.56' टूटकर 22,780 पर पहुंच गया। बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। इससे निवेशकों की संपत्ति 7 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा घट गई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण शुक्रवार के करीब 482 लाख करोड़ रुपए से घटकर सोमवार को करीब 475 लाख करोड़ रुपए रह गया। बाजार में गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिका-ईरान तनाव, महंगा कच्चा तेल और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी रही। ब्रेंट क्रूड 105-106 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बना हुआ है, जबकि 10 साल की अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड 5.11' तक पहुंच गई है। इससे डॉलर में निवेश आकर्षक होने और विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार से बिकवाली बढ़ने की चिंता है। बाजार पूंजीकरण घटने का मतलब यह नहीं कि निवेशकों का पूरा पैसा वास्तव में डूब गया। शेयर के भाव गिरने से संपत्ति की बाजार कीमत कम होती है। उदाहरण के लिए 10 हजार रुपए के शेयरों की कीमत घटकर 8 हजार हो जाए और निवेशक उन्हें बेचे नहीं, तो 2 हजार रुपए का नुकसान कागजी होता है। वास्तविक नुकसान बिक्री के समय तय होता है।

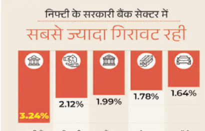

छठी कक्षा के छात्रों को तीन-भाषा नीति से राहत, 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सीबीएसई की छठी कक्षा के छात्रों को तीन-भाषा नीति से छूट देने का निर्देश दिया। आदेश 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा। वहीं, इस साल छठी में पढ़ रहे छात्रों को तीसरी भाषा में पास या फेल नहीं किया जाएगा और उन्हें केवल उपस्थिति प्रमाणपत्र दिया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने कहा कि छठी कक्षा में अचानक भाषा बदलने से छात्रों को परेशानी हो सकती है। केंद्र ने इस साल छूट देने का विरोध किया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार चाहती है कि छात्र इसी साल से तीसरी भाषा पढ़ें। केंद्र के अनुसार करीब 2,800 स्कूलों के आंकड़ों में केवल 1.2' स्कूल प्रभावित हुए हैं और करीब 99' स्कूलों ने तीसरी भाषा नीति लागू कर दी है। सातवीं, आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्रों को पहले ही छूट दी जा चुकी है।

इस्तीफे की मांग के साथ सड़कों पर उतरे कार्यकर्ताओं की पुलिस ने की छीना-झटकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। 'लोकतंत्र के रक्षक ही जब संविधान की सीमाओं और जिम्मेदारियों से भागने लगें, तो जनता और विपक्ष को सड़कों पर उतरकर सरकार की नींद हराम करनी ही पड़ती है! मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग के साथ सूरत में कांग्रेस द्वारा उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया था।' गुजरात की व्यावसायिक राजधानी और डायमंड सिटी के रूप में जाने जाने वाले सूरत शहर से लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता के खिलाफ एक बेहद बड़े और जोरदार विरोध प्रदर्शन की खबर सामने आ रही है। सूरत शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग के साथ शहर के मुख्य मार्गों पर उग्र प्रदर्शन किए गए थे। इस दौरान स्थिति इतनी तनावपूर्ण

हो गई कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस को बल प्रयोग कर कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं को उठाकर हिरासत में लेने की कार्रवाई करनी पड़ी। सूरत की राजनीति में इस घटना को लेकर भारी हलचल मच गई है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर सरकार विरोधी और चुनाव आयोग की निष्क्रियता के खिलाफ आक्रामक नारेबाजी की। जब कार्यकर्ताओं ने रास्ता रोककर अपना विरोध दर्ज कराने का प्रयास किया, तो सूरत पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष पैदा हो गया था।

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग: क्यों भड़की कांग्रेस?

फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी का उद्देश्य किसी खाद्य पदार्थ को पूरी तरह प्रतिबंधित करना नहीं, बल्कि खरीद के समय उपभोक्ता को स्पष्ट जानकारी उपलब्ध करामुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग: क्यों भड़की कांग्रेस? देश की चुनाव प्रक्रिया और उसकी स्वायत्तता पर पिछले कुछ समय से लगातार सवाल उठ रहे हैं। सूरत कांग्रेस के नेताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग जैसी पवित्र और स्वतंत्र संस्था आज सत्ताधारी दल के दबाव में काम कर रही है.

रकुल प्रीत सिंह समेत फिल्म जगत से जुड़े 12 ठिकानों पर आयकर छापे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। आयकर विभाग ने सोमवार को बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, उनके ससुर एवं फिल्म निर्माता वाशु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियो से जुड़े मुंबई के 12 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्रवाई कथित कर चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और फंड में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद की गई है। आयकर विभाग की कई टीमों ने एक साथ अलग-अलग ठिकानों पर पहुंचकर वित्तीय दस्तावेज, रिकॉर्ड और विदेशी लेनदेन से जुड़ी जानकारी खंगाली। अधिकारियों को कथित तौर पर आशंका है कि फिल्म परियोजनाओं, विदेशी वितरण और शूटिंग से जुड़े लेनदेन के जरिए बड़ी रकम विदेश भेजी जा रही थी। जांच के दौरान विभाग की टीमें वित्तीय रिकॉर्ड और विदेशों में हुए लेनदेन की जानकारी की पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल जांच जारी है और कथित कर संबंधी अनियमितताओं का आकलन किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद आयकर विभाग की ओर से आधिकारिक बयान जारी किए जाने की संभावना है।

इथियोपिया पहुंचते ही 3 गुजरातियों का अपहरण, 1 करोड़ की फिरौती देने के बाद भी सुराग नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महेसाणा। अमेरिका जाने की कोशिश में गुजरात से निकले तीन भारतीयों के इथियोपिया पहुंचते ही अपहरण किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इनमें दो युवतियां और एक युवक शामिल हैं। अपहरणकर्ताओं ने तीनों की रिहाई के बदले परिवारों से करीब एक करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। परिवारों ने बताई गई रकम का भुगतान भी कर दिया, लेकिन इसके बावजूद पिछले तीन दिनों से तीनों से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। मोबाइल फोन बंद हैं और उनका कोई सुराग नहीं मिला है। परेशान परिवारों ने अब स्थानीय पुलिस के साथ भारत सरकार से भी तीनों की सुरक्षित वापसी की गुहार लगाई है। पूरा मामला तब सामने आया, जब इनके साथ अमेरिका जाने के लिए निकला एक अन्य युवक फिरौती की रकम देने के बाद गुजरात लौट आया। उसके मुताबिक चारों युवक-युवतियों को इथियोपिया पहुंचने के बाद ही बंधक बना लिया गया था। उसके परिवार से भी 70 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई थी।

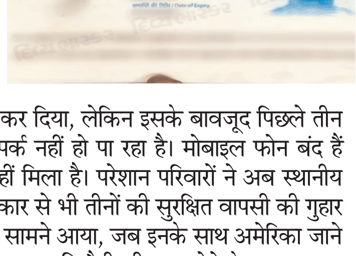

स्टारशिप ने रचा इतिहास, पहली बार पृथ्वी की कक्षा में पहुंचा दुनिया का ताकतवर रॉकेट

26 स्टारलिंक वी3 उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे; करीब 10 घंटे के मिशन में पृथ्वी के लगाएगा छह चक्कर, चिली के पास प्रशांत महासागर में होगा स्प्लैशडाउन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। अंतरिक्ष की दुनिया में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी का विशाल और ताकतवर स्टारशिप रॉकेट 28 सितंबर को अपनी 14वीं परीक्षण उड़ान के दौरान पहली बार पृथ्वी की कक्षा में पहुंच गया। इस मिशन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि स्टारशिप ने पहली बार केवल उप-कक्षीय उड़ान भरने के बजाय पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश किया। साथ ही इसके जरिए 26 नई पीढ़ी के स्टारलिंक वी3 उपग्रह भी अंतरिक्ष में भेजे गए। स्पेसएक्स के मुताबिक यह मिशन करीब 10 घंटे चलने के लिए तैयार किया गया है। स्टारशिप लगभग 275 किलोमीटर की ऊंचाई पर उड़ते हुए पृथ्वी के करीब छह चक्कर लगाएगा। मिशन के अंतिम चरण में स्टारशिप को पृथ्वी के वायुमंडल में वापस लाया जाएगा और चिली के पश्चिम में प्रशांत महासागर में नियंत्रित स्प्लैशडाउन कराया जाएगा। इस उड़ान में दोनों हिस्सों को वापस पकड़ने की कोशिश नहीं की जा रही है। इस मिशन में स्टारलिंक वी3 उपग्रहों की तैनाती भी अहम है। स्पेसएक्स ने पहली बार 26 वी3 उपग्रहों को परिचालन कक्षा में भेजा है। कंपनी के अनुसार प्रत्येक वी3 उपग्रह करीब 1 टेराबिट प्रति सेकंड की क्षमता जोड़ सकता है। यानी इस एक मिशन से स्टारलिंक नेटवर्क में लगभग 26 टेराबिट प्रति सेकंड की क्षमता जुड़ने का लक्ष्य है। स्पेसएक्स का कहना है कि यह क्षमता फाल्कन-9 से भेजे जाने वाले वी2 मिनी उपग्रहों की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक है। मिशन का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा स्टारशिप की हीटशील्ड की जांच है। 26 उपग्रहों में से तीन को अतिरिक्त कैमरों से लैस किया गया है। ये कैमरे अंतरिक्ष में स्टारशिप की हीटशील्ड टाइल्स की तस्वीरें और वीडियो लेने में मदद करेंगे। इन तस्वीरों से वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि अंतरिक्ष से

पृथ्वी की ओर लौटते समय स्टारशिप की गर्मी से बचाने वाली बाहरी परत किस तरह काम करती है। स्टारशिप दो प्रमुख हिस्सों से मिलकर बना है—ऊपरी हिस्सा स्टारशिप और निचला हिस्सा सुपर हैवी बूस्टर। करीब 124 मीटर ऊंचा यह विशाल वाहन स्पेसएक्स के भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैंक हड़ताल टली, 28 से 30 सितंबर तक खुले रहेंगे बैंक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देशभर के बैंक ग्राहकों के लिए राहत की खबर है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) ने 28 से 30 सितंबर के बीच प्रस्तावित तीन दिवसीय बैंक हड़ताल को टालने का फैसला किया है। ऐसे में इन तीन दिनों में देशभर के बैंक आम दिनों की तरह खुले रहेंगे और बैंकिंग से जुड़े कामकाज सामान्य रूप से जारी रहेंगे। रविवार देर रात हुई बैठक में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) की ओर से पांच दिन कामकाज की व्यवस्था लागू करने की मांग पर कमेटी गठित करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही बैंक कर्मचारियों की अन्य मांगों को लेकर भी भरोसा दिया गया। इन आश्वासनों के बाद यूएफबीयू ने प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल को स्थगित करने का निर्णय लिया। हड़ताल टलने का सीधा असर इस सप्ताह बैंकों के कामकाज पर पड़ेगा। 28, 29 और 30 सितंबर को बैंक खुले रहेंगे। इसके बाद 1 अक्टूबर को भी बैंकिंग सेवाएं सामान्य रहेंगी। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे। यानी इस सप्ताह ग्राहकों को बैंकिंग कामकाज के लिए पांच दिन बैंक खुले मिलेंगे और केवल गांधी जयंती के दिन अवकाश रहेगा।

गुजरात हाईकोर्ट सहित अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी अहमदाबाद की निचली अदालतें सुरक्षा के नाम पर 'भगवान भरोसे'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राज्यभर की अदालतों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। खुद गुजरात हाईकोर्ट सहित राज्य की बेहद महत्वपूर्ण अदालतों को निशाना बनाने वाले धमकी भरे संदेश सामने आ रहे हैं। एक तरफ बम की धमकी के कारण तंत्र में हड़कंप मचा हुआ है, तो दूसरी तरफ जमीनी हकीकत बेहद चिंताजनक और डरावनी तस्वीर पेश कर रही है। गुजरात हाईकोर्ट को छोड़कर अहमदाबाद की हृदयस्थली और सबसे अधिक व्यस्त रहने वाली अदालतें सुरक्षा के नाम पर पूरी तरह से 'भगवान भरोसे' होने का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। अहमदाबाद शहर की सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली तीनों प्रमुख अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर खामियां देखने को मिल रही हैं घीकांटा स्थित मेट्रोपॉलिटन कोटः रोजाना हजारों याचिकाकर्ताओं और वकीलों की आवाजाही के बावजूद सघन चेकिंग का भारी अभाव। इन्कम टैक्स स्थित ग्रामीण कोर्ट सुरक्षा निगरानी और उपकरणों की भयानक कमी के बीच चलती अदालत। लाल दरवाजा स्थित सिटी सिविल एंड सेशन कोटः प्रवेश द्वार पर उचित स्क्रीनिंग के बिना ही लोगों की बेरोकटोक आवाजाही। इन सभी अदालतों में रोजाना न केवल वकील, बल्कि हजारों की संख्या में पक्षकार, मुवक्किल, गवाह और आम नागरिक न्याय की उम्मीद से आते हैं। ऐसे संवेदनशील ठिकानों पर सुरक्षा चेकिंग और स्कैनिंग के नाम पर सिर्फ औपचारिकताएं पूरी किए जाने के आरोप लग रहे हैं। यदि कोई असामाजिक या संदिग्ध तत्व किसी बड़ी दुर्घटना को अंजाम देने के इरादे से प्रवेश कर जाए, तो उसे रोकने के लिए कोई मजबूत सुरक्षा कवच नहीं है।

थैलेसीमियाग्रस्त बच्चों के लिए आयोजित महा रक्तदान शिविर में 800 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र करने का भव्य संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर पुलिस और रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा मानवता की महक बिखेरता हुआ एक बेहद प्रेरणादायक और भव्य आयोजन किया गया है। थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मासूम बच्चों के जीवन की रक्षा के लिए अहमदाबाद शहर पुलिस द्वारा एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। इस अभियान के तहत जोन-6 डीसीपी के अंतर्गत आने वाले सभी पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर रक्तदान किया। इस सेवाभावी शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए रक्त की कमी न हो और उन्हें समय पर रक्त मिल सके, यह सुनिश्चित करना है। इस शिविर में अनुमानित 800 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है, जिसे प्राप्त करने के लिए पुलिस जवान और नागरिक आगे आ रहे हैं। इस गरिमामय और मानवतावादी कार्यक्रम में अहमदाबाद शहर पुलिस कमिश्नर श्री अनुपम सिंह गहलोत विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने रक्तदान करने वाले पुलिसकर्मियों और नागरिकों के इस जज्बे की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। पुलिस प्रशासन की इस पहल से यह साबित होता है कि खाकी वर्दी केवल कानून और व्यवस्था ही नहीं, बल्कि जरूरत पड़ने पर जनता की सेवा के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है। रदान महादान के इस पवित्र अवसर पर शिविर के दौरान एक खास पल देखने को मिला। जीवन में 100 या उससे अधिक बार रक्तदान करके अनगिनत लोगों की जान बचाने वाले प्रेरणादायक रक्तदाता महानुभावों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इन दाताओं का सम्मान वहां उपस्थित सभी लोगों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बना।

डेढ़ साल से फरार चोरी का आरोपी 'ध्रुव उर्फ भगो' आखिरकार सलाखों के पीछे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद / वडोदरा। पूरे गुजरात में असामाजिक तत्वों और वांटेड अपराधियों के खिलाफ पुलिस द्वारा शिकंजा और अधिक कस दिया गया है।

इसी क्रम में खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच की टीम ने सटीक सूचना के आधार पर एक बेहद सनसनीखेज और लंबे समय से वांटेड कुख्यात चोर को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। वडोदरा ग्रामीण जिले के डभोई पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के गंभीर मामले में पिछले डेढ़ साल से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। मिली जानकारी के अनुसार, नडियाद के मलारपुरा इलाके में आमली वाले फलिया में रहने वाला ध्रुव उर्फ भगो रजनीकांत रावल लंबे समय से कानून की पकड़ से दूर भागता फिर रहा था। वडोदरा ग्रामीण के डभोई पुलिस स्टेशन क्षेत्र में किए गए चोरी के अपराध में उसकी लंबे समय से सघन तलाश जारी थी। इस अपराध में पकड़ने के लिए पुलिस उसके पीछे पड़ी थी, लेकिन वह बार-बार अपने ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा देने में सफल रहता था। खेड़ा-नडियाद क्राइम ब्रांच की टीम को पुख्ता और भरोसेमंद सूचना मिली थी कि डेढ़ साल से भूमिगत हुआ यह वांटेड आरोपी अपने घर या नडियाद के इलाके में वापस लौटा है। इस सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने पैनी नजर रखते हुए पीएसआई और स्टाफ की संयुक्त टीम के साथ मिलकर जाल बिछाया। पुलिस की आक्रामक और त्वरित कार्रवाई के कारण आरोपी ध्रुव उर्फ भगो रजनीकांत रावल को भागने या छिपने का कोई मौका नहीं मिला और पुलिस ने उसे दबोच लिया। लंबे समय से पुलिस को मात दे रहे इस कुख्यात चोर के पकड़े जाने से कई अनसुलझे रहस्यों के खुलने की संभावनाएं जताई जा रही हैं।

धंधुका से 4 लाख से अधिक की अवैध शराब बरामद, क्रेटा कार से 1,390 बोतलें जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में शराबबंदी के कड़े दावों के बीच बूटलेगरों के नए-नए तौर-तरीकों का पर्दाफाश हुआ है। अहमदाबाद जिले के धंधुका इलाके में स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने पुख्ता सूचना के आधार पर बेहद आक्रामक और त्वरित कार्रवाई करते हुए बूटलेगरों के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। पुलिस ने एक हुंडई क्रेटा कार से विदेशी शराब का भारी जखीरा पकड़कर राजस्थान के एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि इस काले कारोबार के मुख्य सूत्रधार–शराब मंगाने और भेजने वाले अन्य आरोपी अभी पुलिस की पकड़ से दूर फरार हैं। मिली जानकारी के अनुसार, स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम को सटीक और भरोसेमंद सूचना मिली थी कि धंधुका क्षेत्र से एक संदिग्ध कार के जरिए अवैध रूप से विदेशी शराब की बड़ी खेप ले जाई जा रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने जाल बिछाकर धंधुका इलाके से एक हुंडई क्रेटा कार को रोका। जब पुलिस ने गाड़ी के अंदर तलाशी ली तो अधिकारियों की आंखें फटी रह गईं। गाड़ी के अंदर कोई मामूली मात्रा नहीं, बल्कि विदेशी शराब की बोतलों का बड़ा खजाना भरा हुआ था। पुलिस ने गाड़ी से लगभग 1,390 नग विदेशी शराब की बोतलें जब्त की हैं, जिनकी बाजार कीमत लाखों रुपए में आंकी जा रही है। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से शराब की तस्करी कर रहे राजस्थान के रहने वाले किशोरसिंह राठौड़ नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उससे की जा रही सघन पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे होने की संभावना है। शुरुआती जांच में यह बात सामने आई है कि यह शराब का जखीरा किसने मंगवाया था और राजस्थान से किसने भेजा था ये दोनों मुख्य माफिया फिलहाल पुलिस के हाथ नहीं आए हैं और फरार चल रहे हैं।

AMC को अब कैसी गाली दूँ, यह समझ नहीं आ रहा

विकसित गुजरात और स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के दावों के बीच मकरबा की सड़कों पर निकलना यानी मौत को दावत देने के समान है!

मकरबा की जर्जर सड़कों पर त्रस्त वाहन चालक का बेकाबू आक्रोश!

गड्ढों से भरी इन सड़कों की दयनीय स्थिति को देखकर अब आम जनता और वाहन चालकों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक और व्यावसायिक राजधानी माने जाने वाले अहमदाबाद शहर में म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करती एक घटना सामने आई है। शहर के मकरबा इलाके में सड़कों की बेहद खराब और जर्जर हालत को लेकर एक वाहन चालक ने कैमरे के सामने अपना भारी आक्रोश व्यक्त किया था।

वाहन चालक ने गुस्से में कहा कि, AMC को अब कैसी गाली दूँ, यह समझ नहीं आ रहा!'

वाहन चालक के इस बयान से सड़क की स्थिति को लेकर लोगों में मौजूद रोष स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है।

मकरबा की सड़कें या गड्डों के पानी से भरे तालाब?

मकरबा क्षेत्र से रोजाना गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए सड़क की स्थिति एक बड़ी परेशानी बनती जा रही है। मार्ग पर दिखने वाल गड्डों के कारण वाहन चालकों को वाहन चलाते समय लगातार सावधानी रखनी पड़ती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क की खराब स्थिति के कारण वाहनों को भी नुकसान होने की समस्या उत्पन्न होती है। खासकर बाइक चालकों और छोटे वाहनों के लिए गड्डों बेहद खतरनाक साबित हो सकते हैं।

'स्मार्ट सिटी' के दावों के सामने जमीनी हकीकत का सवाल

अहमदाबाद को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के दावों के बीच मकरबा क्षेत्र की सड़कों की स्थिति को लेकर अब स्थानीय स्तर पर सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का सवाल है कि यदि शहर में विकास के कार्य हो रहे हैं तो मकरबा जैसे इलाकों की सड़कों की स्थिति में स्थायी सुधार कब आएगा? सड़कों की मरम्मत के बाद दोबारा सड़कें टूटने को लेकर भी स्थानीय स्तर पर शिकायतें और सवाल उठते रहे हैं। हालांकि, इन सड़कों की वास्तविक स्थिति और पहले हुए काम को लेकर AMC का आधिकारिक पक्ष भी महत्वपूर्ण रहेगा।

टैक्स चुकाने वाली जनता का सवाल – सुविधाएं कब मिलेंगी?

अहमदाबाद के नागरिक विभिन्न प्रकार के टैक्स और चार्ज चुकाते हैं। ऐसे में आम नागरिकों को उचित और सुरक्षित सड़कें मिलनी ही चाहिए, यह उनकी स्वाभाविक मांग है।

मकरबा के रहवासियों और वाहन चालकों की मांग है कि AMC तत्काल स्थल निरीक्षण करे, गड्डों की मरम्मत करे और आवश्यकता पड़ने पर गुणवत्तापूर्ण री-कार्पेटिंग का काम शुरू करे।

अब AMC क्या कार्रवाई करती है, इस पर टिकी हैं निगाहें

एक तरफ अहमदाबाद को आधुनिक और स्मार्ट सिटी बनाने की बातें की जा रही हैं, तो दूसरी तरफ शहर के कुछ इलाकों में सड़कों की खस्ताहाल स्थिति को लेकर नागरिकों का गुस्सा साफ दिखाई दे रहा है। मकरबा की इन सड़कों को लेकर अब स्थानीय प्रशासन द्वारा स्थल जांच, जवाबदेही तय करने और स्थायी मरम्मत का काम किया जाता है या नहीं, इस पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी। वाहन चालक का यह बेकाबू आक्रोश केवल एक व्यक्ति का गुस्सा है या फिर मकरबा के कई नागरिकों की पीड़ा – इसका जवाब अब AMC की कार्रवाई ही देगी।

कड़ी जांच की पुरजोर मांग

- सड़क पर बड़े-बड़े गड्डों
- वाहन चलाने में भारी कठिनाई
- वाहनों केपुर्जे (पार्ट्स) खराब होने की शिकायतें
- बारिश का पानी भरने से गड्डों दिखाई न देने की समस्या
- पैदल चलने वालों और टू-व्हीलर चालकों के लिए खतरा

वड़ोदरा के चकली सर्कल पर कांग्रेस का हुंकारः चुनाव आयोग की विफलता और लोकतंत्र के चीरहरण के खिलाफ आक्रामक विरोध प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वड़ोदरा। गुजरात की आर्थिक और सांस्कृतिक राजधानी माने जाने वाले वड़ोदरा शहर से लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक बेहद बड़े और जोरदार विरोध प्रदर्शन की खबर सामने आ रही है। वड़ोदरा शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा शहर के जाने-माने चकली सर्कल पर चुनाव आयोग की संदिग्ध स्वायत्तता, संस्थागत विफलता और मतदाताओं के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए एक विशाल और उग्र विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इस विरोध प्रदर्शन ने वड़ोदरा की राजनीति में भारी हलचल मचा दी है। वड़ोदरा में आयोजित इस आक्रामक विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस के अग्रणी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की भूमिका पर सख्त आपत्ति जताई थी। नेताओं ने आरोप लगाया कि देश की जिन स्वतंत्र और निष्पक्ष संवैधानिक संस्थाओं पर लोकतंत्र की रक्षा का जिम्मा है, आज वे सत्ताधारी दल के दबाव में घुटने टेकती नजर आ रही हैं। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और उसकी स्वायत्तता पर देश भर से उठ रहे गंभीर सवाल अब वड़ोदरा की सड़कों पर गूंज उठे हैं। लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षाः अब चुप नहीं बैठेगी जनता! देश के संविधान ने हर नागरिक को अपना वोट देने और लोकतंत्र को जीवंत रखने का पवित्र अधिकार दिया है। लेकिन पिछले कुछ समय से चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर जो शंकाएं व्यक्त की जा रही हैं, उसने आम जनता और विपक्ष के कान खड़े कर दिए हैं। वड़ोदरा कांग्रेस के नेताओं ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी थी किः चुनाव आयोग को अपनी पवित्रता और निष्पक्षता साबित करनी ही होगी। इधान को बचाने के लिए लड़ रहे हैं। यदि आने वाले दिनों में चुनाव आयोग और शासक अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता नहीं लाते हैं, तो यह विरोध प्रदर्शन आनेस प्रदर्शन ने साबित कर दिया है कि वड़ोदरा की धरती से अब सरकार की दमनकारी और संस्थाओं को कमजोर करने वाली नीतियों के खिलाफ मोर्चा खुल चुका है। बल्कि यह पूरे राज्य और देश के उन जागरूक नागरिकों की आवाज है !

सरखेज पुलिस की बड़ी कार्रवाईः हाई-स्पीड गांजे की खेप के साथ चार आरोपी गिरफ्तार, सिंहभवन रोड पर चल रहा ड्रग्स रैकेट बेनकाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में युवाओं को बर्बाद कर रहे नशीले पदार्थों और ड्रग्स के दूषित कारोबार को नेस्तनाबूद करने के लिए शहर पुलिस द्वारा 'जीरो टॉलरेंस पॉलिसी' अपनाई गई है। पुलिस कमिश्नर और उच्च अधिकारियों के कड़े निर्देशों के तहत सरखेज पुलिस स्टेशन की टीम ने अपराधियों के खिलाफ बेहद आक्रामक और सराहनीय कार्रवाई की है। सरखेज पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर एल.एल. चावड़ा के सीधे मार्गदर्शन में पुलिस ने सूचना और निगरानी के आधार पर हाई-स्पीड गांजे की बड़ी खेप के साथ चार कुख्यात आरोपियों को पकड़ने में बड़ी सफलता हासिल की है। तारीख 27/09/2026 की रात के समय सरखेज पुलिस स्टेशन की टीम रात्रि गश्त और असामाजिक गतिविधियों को रोकने के काम में जुटी थी। इसी दौरान रात करीब 01:30 बजे

एस.पी. रिंग रोड की तरफ से सिंहभवन रोड की ओर एक काले रंग का बजाज चेतक इलेक्ट्रिक वाहन संदिग्ध हालत में गुजर रहा था। इस वाहन पर दो युवक सवार थे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस वाहन को रोका और सघन तलाशी ली। पुलिस ने जब वाहन की डिक्की खोलकर जांच की, तो खाकी वर्दीधारी भी चौंक उठे। वाहन के अंदर से बिना पास-परमिट के अवैध रूप से बिक्री के लिए लाया गया 31 ग्राम 610 मिलीग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कुल कीमत लगभग 15,805 रुपए आंकी गई है। पकड़े गए आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर चौंकाने वाले खुलासे हुए। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने यह गांजे की खेप मृणाल विणभाई पटेल से प्राप्त की थी। और इस जथ्थे को सिंहभवन रोड पर स्थित 'रुचिर चार पान पार्लर' के पास राकेशकुमार वीराराम देवासी नामक शख्स को सौंपना था।इस पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए सरखेज पुलिस स्टेशन ने एन.डी.पी.एस. एक्ट की धारा 8(सी), 20(बी) और 29 के तहत मामला दर्ज कर कानूनी और त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। इस रैकेट में गांजे की आपूर्ति करने या इससे जुड़े अन्य शख्स तौफिक (निवासीः उदयपुर) का नाम भी सामने आया है, जिसके सही पते की अभी तक कोई स्पष्टता नहीं है।

निरोमा यूनिवर्सिटी में NSUI का हंगामाः प्रोफेसर एच.के. पटेल के इस्तीफे की मांग को लेकर स्टूडेंट्स सड़कों पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। मशहूर और प्रतिष्ठित निरोमा यूनिवर्सिटी का कैंपस इस समय विवादों में घिरा हुआ है। यूनिवर्सिटी कैंपस में हस्ढ्ढ की तरफ से बहुत ही आक्रामक और हिंसक विरोध प्रदर्शन किया गया है। स्टूडेंट्स ने खुलकर मांग की है कि विवादित प्रोफेसर एच.के. पटेल तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें। इस विरोध प्रदर्शन की वजह से एकेडमिक दुनिया में भारी हंगामा मच गया है। हस्ढ्ढ के कार्यकर्ता और अनगिनत स्टूडेंट्स बड़ी संख्या में निरोमा यूनिवर्सिटी के बाहर जमा हुए। स्टूडेंट लीडर्स ने नारे लगाए और यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ अपना गुस्सा जाहिर किया। उनका साफ कहना है कि जब तक प्रोफेसर एच.के. पटेल इस्तीफा नहीं देते या उन्हें सस्पेंड नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन तेज किया जाएगा। स्टूडेंट्स की सुरक्षा और यूनिवर्सिटी की गरिमा बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी बताया जा रहा है। एडमिनिस्ट्रेशन के सामने एक गंभीर सवाल स्टूडेंट जगत में इस बात को लेकर गहरा गुस्सा है कि अगर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग विवादों में फंसते हैं और सिस्टम को अनदेखा करते हैं, तो यह यूनिवर्सिटी की रेप्युटेशन पर एक बड़ा दाग है। स्टूडेंट्स और एक्टिविस्ट्स का यह भी आरोप है कि एडमिनिस्ट्रेटिव मशीनरी मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, जिसे स्टूडेंट्स कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस प्रोटेस्ट के बाद एकेडमिक माहौल गरमा गया है।

फ्री लगेज सर्विस के नाम पर 50 से 100 रुपये वसूलने का आरोप, करोड़ों रुपये वसूलने की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। शक्ति पीठ अंबाजी में लगे भद्रवी महा मेले में लाखों श्रद्धालु जुटे। हालांकि सिस्टम ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगेज स्टोरेज सिस्टम को फ्री रखा है, लेकिन लगेज सर्विस कॉन्ट्रैक्टर द्वारा श्रद्धालुओं से 50 से 100 रुपये वसूलने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। फ्री सर्विस के नाम पर श्रद्धालुओं से पैसे वसूलने के आरोपों ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर ये आरोप सच साबित होते हैं, तो बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी वसूली की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

करोड़ों रुपये वसूलने के हिसाब पर सवाल

मेले में आने वाले करीब 43 लाख श्रद्धालुओं के आंकड़ों के मुकाबले अगर सिर्फ 10 परसेंट यानी करीब 4.3 लाख श्रद्धालुओं से 50 रुपये वसूले जाएं, तो यह रकम करीब 2.15 करोड़ रुपये होगी। जबकि अगर ऋ्य. 100 चार्ज

किए जाते, तो यह रकम ऋ्य. 4.30 करोड़ तक पहुँच सकती थी। इसी तरह, अगर यह मान लिया जाए कि 20 परसेंट तीर्थयात्रियों से कलेक्शन किया गया, तो ऋ्य. 50 के हिसाब से यह रकम लगभग ऋ्य. 4.30 करोड़ होगी, जबकि ऋ्य. 100 के हिसाब से यह रकम ऋ्य. 8.60 करोड़ तक होगी। ये आंकड़े सिर्फ़ कैलकुलेशन पर आधारित अनुमान हैं; असल कलेक्शन कितना हुआ, यह तो ऑफिशियल जांच के बाद ही साफ़ हो पाएगा। मुफ़्त बताई गई लगेज सर्विस में यात्रियों से पैसे वसूले जाने के आरोपों के बीच, सवाल उठ रहे हैं कि मुफ़्त सर्विस होने के बावजूद यात्रियों से पैसे क्यों लिए गए? अगर कलेक्शन किया गया, तो कॉन्ट्रैक्टर ने किस मंजूरी या नियम के तहत पैसे लिए? क्या पूरे सिस्टम का सिस्टम द्वारा रेगुलर इंस्पेक्शन और मॉनिटरिंग की गई थी या नहीं? अगर आरोप सही हैं, तो इसके लिए कौन ज़िम्मेदार होगा? पूरे मामले को लेकर यात्रियों में गुस्सा है। मांग है कि लगेज सर्विस के नाम पर की गई वसूली की हाई-लेवल और बिना किसी भेदभाव के जांच की जाए और अगर आरोप सही साबित होते हैं तो नियमों के मुताबिक जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

महिपत्य सिंह चौहान के बेटे पर हमले के बाद मामला गरमायाः क्रॉस FIR से राजनीति और अपराध जगत में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में कानून और व्यवस्था की धज्जियां उड़ाने वाली एक बेहद सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। चौहान परिवार के बेटे पर हुए हमले की झकझोर देने वाली घटना के बाद अब इस प्रकरण में नया और धमाकेदार मोड़ आया है। मामला अब शांत होने के बजाय और अधिक उग्र हो गया है और पुलिस थाने में क्रॉस FIR दर्ज होने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, इस पूरे विवाद की शुरुआत सोशल मीडिया पर भेजी गई एक फ्रेंड रिक्वेस्ट से हुई थी। शिकायतकर्ता महावीर किशोरसिंह चौहान ने पुलिस के समक्ष दिए गए बयान में गंभीर आरोप लगाए हैं कि गांव की एक युवती को सोशल मीडिया पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने के बाद से ही पूरा विवाद गहरा गया था। इस बात को लेकर आरोपियों द्वारा लगातार धमकियां दी जा रही थीं, जिसके कारण दोनों गुटों के बीच तनाव चरम सीमा पर पहुंच गया था। स्थिति इतनी हद तक बिगड़ गई कि गत 26 तारीख की रात गांव के बगीचे में दोनों पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए थे। सामान्य कहासुनी से शुरू हुई यह टक्कर देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई थी। दोनों पक्षों के बीच उग्र झड़प और मारपीट होने से गांव में भारी भगदड़ मच गई थी और भय का माहौल छा गया था। महिपत्य सिंह चौहान के पुत्र कृष्णपाल पर पहले हुए हमले की घटना के बाद अब इस मामले में पलटवार हुआ है। शिकायतकर्ता महावीर किशोरसिंह चौहान की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए कृष्णपाल समेत कुल 5 संदिग्धों के खिलाफ गंभीर आपराधिक धाराओं के तहत FIR दर्ज कर ली है। एक तरफ घायलों का इलाज चल रहा है, तो दूसरी तरफ आमने-सामने हुई क्रॉस FIR के कारण पुलिस तंत्र भी दौड़ पड़ा है।

सोशल मीडिया पर 'रील' और जमीन पर भ्रष्टाचार: जगदीश पंचाल के स्वच्छता अभियान पर सवालों के फव्वारे

'सोशल मीडिया पर फोटो और रील बनाकर वाहवाही लूटना जनसेवा नहीं है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में भाजपा द्वारा समय-समय पर विभिन्न अभियान और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष जगदीश पंचाल द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर 'स्वच्छता अभियान' शुरू किए जाने का दावा किया गया था। हालांकि, इस अभियान के प्रभाव और जमीनी हकीकत को लेकर आड़ंद जिले के वहेराखाड़ी सहित आसपास के इलाकों में सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का सवाल है कि क्या केवल सोशल मीडिया पर पोस्ट और फोटो डालने से वास्तव में लोगों की समस्याओं का समाधान हो जाएगा? क्या कैमरे के सामने झाड़ू पकड़कर फोटो खिंचवाने से स्वच्छता और प्रशासनिक समस्याएं दूर हो जाएंगी?

भाजपा के 'तमाशे' और सोशल मीडिया की कवायद?

आज के डिजिटल युग में राजनीतिक दल और नेता सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। वहेराखाड़ी और आसपास के ग्रामीण इलाकों के कुछ नागरिकों का आरोप है कि ऐसे कार्यक्रम केवल फोटो और रील तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। लोगों का कहना है कि यदि वास्तव में जनसेवा करने का उद्देश्य हो तो गांवों की सफाई, रास्ते, पानी, किसानों की समस्याएं, रोजगार और भ्रष्टाचार जैसे बुनियादी मुद्दों पर भी असरदार काम होना चाहिए।

पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं?

इस पूरे मुद्दे को लेकर लोगों द्वारा कई सवाल उठाए जा रहे हैं

- यदि स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है, तो भ्रष्टाचार के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई कब होगी?
- सरकारी तंत्र में अनियमितताओं के आरोपों की जांच और कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है?
- किसानों को उनकी फसल के उचित दाम और जरूरी सुविधाएं कब मिलेंगी?
- युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सरकार द्वारा अधिक प्रभावी कदम कब उठाए जाएंगे? सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं के लिए सोशल मीडिया

आज के समय में एक महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन केवल वीडियो या फोटो अपलोड करने से महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं या भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों का समाधान नहीं होता। वहेराखाड़ी और आड़ंद जिले के नागरिकों द्वारा उठाए गए ये सवाल अब सरकार और भाजपा नेताओं के लिए चर्चा का विषय बन गए हैं। स्वच्छता अभियान के साथ-साथ लोगों के रोजमर्रा और बुनियादी सवालों पर भी जमीनी स्तर पर काम हो, ऐसी मांग उठ रही है। अब देखना यह होगा कि सोशल मीडिया पर चल रहे स्वच्छता अभियान के बाद सरकार और भाजपा नेताओं द्वारा जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कितने ठोस कदम उठाए जाते हैं।

पेपर पार्टियों और 1700 करोड़ रुपये का संदिग्ध फंड गांधीनगर CID की बड़ी जांच और गहरे खुलासे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। साल 2023-24 के दौरान, गुजरात की छह बहुत छोटी, अनजान और सिर्फ नाम की राजनीतिक पार्टियों को करीब 1700 करोड़ रुपये का संदिग्ध चंदा मिला। हैरानी की बात यह है कि यह रकम भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर देश भर की सभी नेशनल पार्टियों की कुल सालाना इनकम से कई गुना ज्यादा थी। इतनी बड़ी रकम कहां से आई और किस मकसद से दी गई, इसे लेकर कई सवाल उठे थे। इंडियन पीनल कोड के तहत क्राइम रजिस्टर्ड इन गंभीर फाइनेंशियल गड़बड़ियों और संदिग्ध ट्रांज़ैक्शन को देखते हुए, इंडियन पीनल कोड के सेक्शन 173 के तहत ऑफिशियली क्राइम रजिस्टर किया गया है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के बड़े अधिकारियों की दी गई डिटेल्ड शिकायतों और सबूतों के आधार पर, इन छह बड़ी पार्टियों में से कम से कम तीन के खिलाफ सख्त पुलिस एक्शन शुरू किया गया है। BBC हिंदी द्वारा वेरिफाइड FIR की डिटेल्स के अनुसार, इन पार्टियों के ऑफिस बेयरर्स के खिलाफ ऑफिशियल चार्ज फाइल किए गए हैं: इसके अलावा, लोकल गुजराती अखबारों और सोर्स की रिपोर्ट है कि एक चौथी पार्टी, 'सत्यवादी रक्षक पक्ष' के खिलाफ भी FIR फाइल की गई है, हालांकि इसे अभी भी इंडिपेंडेंटली वेरिफाई किया जा रहा है। गांधीनगर CID क्राइम के एक सीनियर ऑफिसर ने मामले की जानकारी देते हुए कहा, 'इस केस में शामिल दो पार्टियां अहमदाबाद में हैं जबकि एक पार्टी गांधीनगर में काम कर रही है।'

गुजरात में 'फ्लाइंग पंजाब' जैसे हालात, भावनगर शराब कांड को एक्सटॉर्शन से हवा मिली है: अमित चावड़ा का सरकार पर तीखा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में कागजों पर शराब बैन के दावों के बीच, कांग्रेस के पुराने नेता और MLA अमित चावड़ा ने राज्य सरकार के खिलाफ बेहद आक्रामक और धमाकेदार बयान देकर सियासत गरमा दी है। भावनगर शराब कांड के मुद्दे पर सरकार पर हमला बोलते हुए अमित चावड़ा ने सीधा आरोप लगाया है कि गुजरात में अब पंजाब जैसे 'फ्लाइंग गुजरात' जैसे भयानक हालात पैदा हो गए हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था की हालत बिगड़ रही है और असामाजिक तत्व बेलगाम हो गए हैं अमित चावड़ा ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि विवादित भावनगर शराब कांड में सरकार या पुलिस सिस्टम ने कोई सख्त या अच्छी कार्रवाई नहीं की है। बड़े लोगों और खास मुखबिरों को बचाया जा रहा है, जिससे अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए हैं। कागजों पर सिर्फ दिखावटी कार्रवाई हो रही है, लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और ही है। शराब के धंधे में किस्तों का नेटवर्क बना मुख्य रुकावट राज्य में शराब के बड़े पैमाने पर धंधे के पीछे असली वजह पुलिस और भ्रष्ट सिस्टम के बीच कमीशनखोरी सामने आई है। अमित चावड़ा ने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि सिर्फ मजबूत किस्तों के नेटवर्क की वजह से ही गैर-कानूनी शराब के धंधे पर कभी काबू नहीं पाया जा सका। जब तक इस किस्तों और भ्रष्टाचार की जड़ें नहीं उखाड़ी जातीं, गुजरात में शराबबंदी सिर्फ एक मज़ाक बनकर रह जाएगी।

गांधीनगर सेंट्रल विस्टा में BJP का 'जन सेवा संकल्प' प्रोग्राम मुख्यमंत्री की मौजूदगी में उपचुनाव के उम्मीदवारों ने शपथ ली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। भारतीय जनता पार्टी की तरफ से गांधीनगर के मशहूर सेंट्रल विस्टा गार्डन में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकरजी की शानदार मूर्ति के सामने नगर निगम के उपचुनाव के उम्मीदवारों के सपोर्ट में एक खास 'जन सेवा संकल्प' प्रोग्राम रखा गया। इस शानदार प्रोग्राम में गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल खास तौर पर मौजूद रहे और उम्मीदवारों का उत्साह बढ़ाया। राज्य के कैबिनेट मंत्री श्री ऋषिकेशभाई पटेल, राज्य मंत्री श्री संजयसिंह महिड़ा, गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी और गांधीनगर मेट्रोपॉलिटन कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट श्री आशीषभाई दवे भी इस अहम प्रोग्राम में मौजूद थे। मशहूर नेताओं की मौजूदगी ने प्रोग्राम में खास जोश और एनर्जी भर दी। प्रोग्राम के दौरान, विकास, पारदर्शी सुशासन और निस्वार्थ सेवा के ज़रिए जनता के भरोसे को और मजबूत करने का पक्का इरादा दोहराया गया। BJP उपचुनाव के उम्मीदवारों ने गांधीनगर के हर नागरिक की ज़िंदगी में खुशहाली, खुशहाली और तरक्की की रोशनी लाने के अपने पक्के वादे को और मज़बूत किया। 'जन सेवा ही सबसे बड़ा लक्ष्य है' के नारे के साथ, मौजूद सभी नेताओं ने गांधीनगर के हर तरफ के विकास के लिए अपना वादा दिखाया।

महानगर मेट्रो स्पेशल: 'फूड माफिया' के खिलाफ 600 किमी की पदयात्रा करने वाले दमित गहलोत दिल्ली में हिरासत में!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। क्या देश के नागरिकों और बच्चों की सेहत की रक्षा की मांग करना अब गुनाह बन गया है? देश की राजधानी दिल्ली से एक बेहद सनसनीखेज और झकझोर देने वाली खबर सामने आ रही है। खाद्य पदार्थों में हो रही खतरनाक मिलावट और कथित 'फूड माफियाओं' के खिलाफ खुली जंग छेड़ने वाले लोकप्रिय सोशल मीडिया पेज 'फूड रियलिटी' के संचालक दमित गहलोत को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इस कार्रवाई के बाद से देशभर के आम नागरिकों और युवाओं में भारी रोष व्याप्त है। मिलावटखोरी के इस काले कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए दमित गहलोत ने कोई आम विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि कड़ा संघर्ष चुना था। उन्होंने खाने में मिलाए जा रहे कथित धीमे जहर और मिलावटखोरों के खिलाफ कड़े से कड़े कानून की मांग को लेकर 600 किलोमीटर से ज्यादा की लंबी पदयात्रा की थी। पूरे 21 दिनों तक लगातार पैदल चलने के बाद, वे अपनी जायज मांगों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण धरने और अनशन पर बैठे थे।

जीएसटी के 'दर्द' से कराह उठे 4500 ब्रास उद्योग, अनिश्चितकालीन बंद का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/जामनगर: गुजरात को देश का (विकास का इंजन) कहा जाता है, लेकिन आज उसी गुजरात के औद्योगिक केंद्रों से सरकार की नीतियों के खिलाफ चीखें और गुस्से की आवाजें गूंज रही हैं। पीतल नगरी के नाम से मशहूर जामनगर से एक बहुत बड़ी और सनसनीखेज खबर सामने आ रही है। कभी कोरोना काल में ताली, थाली और दीये जलाने वाली जनता को आज सरकार की गलत नीतियों और भारी-भरकम टैक्स ने ऐसा असहनीय दर्द दिया है कि पूरा जामनगर सड़क पर उतर आया है। जीएसटी और महंगाई की मार से त्रस्त होकर आज जामनगर के करीब 4500 ब्रास (पीतल) उद्योग इकाइयों ने अपने कारखाने पूरी तरह बंद रखकर सरकार के खिलाफ जोरदार शक्तिप्रदर्शन किया। इसके बाद आक्रोशित उद्योगपतियों और कामगारों ने जिला कलेक्टर को एक तीखा और सख्त आवेदनपत्र सौंपा है। ताली-थाली से लेकर मोबाइल की फ्लैशलाइट तक... और फिर मिला सिर्फ 'दर्द' राजनीतिक विश्लेषकों और स्थानीय लोगों का कहना है कि जामनगर की जनता ने सरकार के हर इशारे पर भरोसा किया–कभी महामारी के वक्त ताली और थाली बजाई, तो कभी घंटी बजाकर और दीये जलाकर समर्थन दिया। यहां तक कि मोबाइल की बत्तियां जलाकर उज्जवल भविष्य की उम्मीद भी जताई। लेकिन इसके बदले में सरकार की तरफ से क्या मिला? कारोबार को तबाह करने वाले टैक्स की मार आज स्थिति यह है कि जामनगर के लघु और मध्यम उद्योग दम तोड़ रहे हैं। 4500 ब्रास इकाइयों का चक्का जाम: यह तो महज एक शुरुआत है!

भ्रष्टाचार के खड्डे धधक रहे हैं: चार दिनों में तीन बड़े सिंकहोल मिलने से जनता में आक्रोश कासैलाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पूर्वी इलाके में स्थित घने और विकसित माने जाने वाले निकोल क्षेत्र से तंत्र की नींद उड़ा देने वाली और भ्रष्टाचार की पोल खोलने वाली बेहद सनसनीखेज खबरें सामने आ रही हैं। निकोल वार्ड में महज चार दिनों के भीतर सड़क पर एक के बाद एक तीन बड़े सिंकहोल उभर आने की घटना ने पूरे इलाके में कोहराम मचा दिया है। जनता की जान को खतरे में डालने वाली इस लापरवाही के खिलाफ अब स्थानीय नागरिकों और कांग्रेस समिति ने प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ने का हुंकार भरा है। निकोल इलाके में विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले नगर निगम के अधिकारियों की पोल अब सरेआम खुल चुकी है। स्थिति इतनी बदतर हो चुकी है कि सड़क पर वाहन चालकों के लिए मौत का तांडव जैसी स्थिति पैदा हो गई है: चार दिन पहले भक्ति सर्कल के पास उभरा अभी तक रिपेयर नहीं किया गया है, जिसके कारण हादसों की बाढ़ आ गई है। सारथी गैलेक्सी के सामने, ओमकारेश्वर सर्कल के पास सड़क धंसने से दूसरा बड़ा बन गया। हाल ही में सरदार पटेल की प्रतिमा के पास, जीवनवाड़ी, निकोल में

तीसरा बनने से वाहन चालकों और राहगीरों में भारी डर और खौफ फैल गया है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि ये सड़कें घटिया सामग्री और भ्रष्टाचार की मिलीभगत से बनाई गई हैं। थोड़े बहुत बारिश या सामान्य दबाव से यदि सड़कें धंस जाती हैं और भारी-भरकम बन जाते हैं, तो जनता की पसीने की कमाई से चुकाए जाने वाले टैक्स के करोड़ों रुपए कहां जाते हैं? यह एक बड़ा सवाल है। कागजों पर डामर और मेटल के आंकड़े दिखाकर करोड़ों रुपए का घोटाला किए जाने की चर्चा जोरों पर है। इस गंभीर मामले को लेकर निकोल वार्ड कांग्रेस समिति और आक्रोशित नागरिकों द्वारा नगर आयुक्त, ईस्ट जोन के डिप्टी म्युनिसिपल कमिश्नर और कार्यकारी अभियंता को ज्ञापन सौंपकर कड़ी मांगें की गई हैं

24 घंटे में मरम्मत: तीनों की तत्काल प्रभाव से 24 घंटे के भीतर वैज्ञानिक पद्धति से मरम्मत की जाए और आसपास बैरिकेड लगाए जाएं।

जिम्मेदारियों की जानकारी सार्वजनिक करें: ये तीनों सड़कें किस ठेकेदार ने, कब बनाईं, कितने खर्च पर बनाईं और इनका गारंटी पीरियड कितना था, इसकी सार्वजनिक घोषणा की जाए। ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करें: भ्रष्टाचार करने वाले जिम्मेदार ठेकेदार को तुरंत ब्लैकलिस्ट किया जाए और उसकी सिक्योरिटी डिपॉजिट जब्त की जाए। अधिकारियों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई: काम की गुणवत्ता की जांच किए बिना आंखें मूंदकर बिल पास करने वाले जिम्मेदार सुपरवाइजर और इंजीनियर/अधिकारियों को तुरंत निलंबित किया जाए। यदि 3 दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो गांधीवादी मार्ग पर उग्र आंदोलन।

पंद्रह सौ रुपये की शराब की बोतल पांच हजार रुपये से ज़्यादा में बेचने का खेल पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के ठक्करबापानगर इलाके में चल रहे एक चौंकाने वाले नकली विदेशी शराब स्कैम का पर्दाफाश किया है। जांच में पता चला है कि महंगे ब्रांड की खाली बोतलों में सस्ती शराब भरकर ग्राहकों से लाखों रुपये ठगे जा रहे थे। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की ज़ोन-5 और ज़ोन-4 की टीमों ने जॉइंट ऑपरेशन चलाकर ठक्करबापानगर में मौजूद एक घर पर अचानक रेड मारी। इस रेड के दौरान पुलिस टीम मौके से एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाब रही। हालांकि, इस स्कैम के बड़े नेटवर्क में शामिल तीन और साजिशकर्ता अभी फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए पुलिस ने काफी कोशिशें की हैं। असली बोतलों में रीफिलिंग करके ग्राहकों को ठगना शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपियों ने पैसे का फायदा उठाने और रातों-रात अमीर बनने के लिए यह जानलेवा साज़िश रची थी। बाज़ार में पंद्रह सौ रुपये की कीमत पर बिकने वाली शराब की बोतलों को

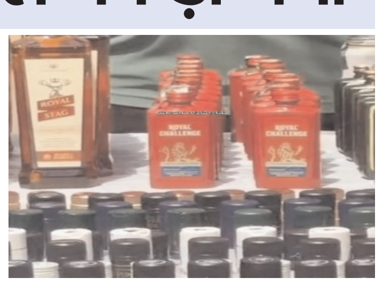

बदलकर असली ब्रांडेड शराब की खाली बोतलें इकट्ठा की जाती थीं।

अहमदाबाद रूरल LCB की बड़ी कार्रवाई: 'जय खोडियार होटल' पर रेड में 10 लाख से ज़्यादा की विदेशी शराब ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद रूरल इलाकों में शराब और जुए जैसी असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस सिस्टम ने एक बड़ा अभियान शुरू किया है। इंस्पेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस श्री राघवेंद्र वत्स और अहमदाबाद रूरल सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस श्री ओम प्रकाश जाट के सख्त निर्देशों के आधार पर, LCB पुलिस इंस्पेक्टर श्री आर.एन. करमतिया के मार्गदर्शन में पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नलसरोवर पुलिस स्टेशन इलाके से भारी मात्रा में विदेशी शराब ज़ब्त करके चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है गश्त के दौरान, LCB ASI जयदीपसिंह वाघेला और हेड कांस्टेबल इस्माइलबेग मिर्ज़ा को खास और पक्की सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर, नलसरोवर पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत मोजे-कुमारखान गाँव से शाहपुर गाँव की ओर जाने वाली सड़क पर 'जय खोडियार होटल' के कंपाउंड में अचानक रेड की गई। पुलिस की इस अचानक रेड से शराब तस्करों में हड़कंप मच गया। मौके पर जांच करते हुए, पुलिस ने संदिग्ध हालत में खड़ी एक हुंडई क्रेटा गाड़ी (नंबर: GJ-08-CC-0891) से बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की, जिसे गैर-कानूनी तरीके से ले जाया जा रहा था। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों का विवरण कुल जब्त सामान (कीमत ?10,02,933/-)इस सराहनीय ऑपरेशन को अंजाम देने वाली पुलिस टीम यह सफल और सराहनीय ऑपरेशन एलसीबी पीआई आर.एन. द्वारा किया गया। करमाटिया में PSI आर.बी. राठौड़ की गाइडेंस में जयदीप सिंह वाघेला, राजूजी ठाकोर, कपिल देव सिंह वाघेला, कुलदीप सिंह झाला, इस्माइल बेग मिर्जा, अनूप सिंह सोलंकी, हिमांशुभाई परमार,

छत्रसिंह सोलंकी, कुलदीप सिंह चौहान और PC चमनभाई जाधव को मिलकर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और आगे की गहरी जांच कर रही है और इस रैकेट के मेन मास्टरमाइंड तक पहुंचने का प्रोसेस शुरू कर दिया है।

मंगलनाथ महादेव की शापित जमीन का खेल खुला: बिल्डर पुरुषोत्तम वाघेल और भाई नवीन भूमिगत, करोड़ों के लैंड स्कैम में सनसनी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा . आसपास के इलाके से एक बेहद चौंकाने वाले, घोटाले से जुड़े और दिल की धड़कनें बढ़ा देने वाली खबर सामने आ रही है। मंजूसर स्थित करोड़ों की जमीन घोटाले में शामिल और दो-दो मजबूत समधियों का संरक्षण पाने वाला कुख्यात बिल्डर पुरुषोत्तम वाघेला अपने बेटे आकाश और बहू विश्वांगी के साथ फिलहाल भूमिगत हो गए हैं। कानून के शिकंजे से बचने के लिए वे इस तरह गायब हो गए हैं कि उनकी मंजूसर स्थित काला पानी की फैक्ट्री पर भी ताले लटक गए हैं। चर्चा ऐसी है कि यह कोई आम घोटाला नहीं, बल्कि खुद मंगलनाथ महादेव का श्राप इस भ्रष्ट परिवार को भुगतना पड़ रहा है! पूरे मामले की जानकारी के मुताबिक, पुरुषोत्तम वाघेला और उसके भाई नवीन वाघेला ने मंगलनाथ महादेव देवस्थान की पवित्र जमीन को निशाना बनाया था। ट्रस्ट के सीधे-सादे कर्ता-धर्ताओं को मूर्ख बनाकर और विश्वासघात करके इन दोनों भाइयों ने महादेव की जमीन के फर्जी और जाली दस्तावेज तैयार करवा लिए थे। इतना ही नहीं, इस अवैध जमीन को 'एनए' (गैर-कृषि) भी करवाकर करोड़ों रुपए की जमीन हड़प जाने का भयानक खेल खेला गया था। भगवान शिव की जगह और जमीन को बचाने के लिए अब साधु-संत और पुजारी आर-पार की लड़ाई लड़ने के लिए मैदान में उतर चुके हैं। बची हुई मंगलनाथ महादेव की जमीन की रखवाली कर रहे ट्रस्टी मगनगिरी गोस्वामी ने हिम्मत दिखाते हुए आगे आकर पुरुषोत्तम और नवीन के इन काले कारनामों की एक-एक काली परत खोल दी है। इस मामले में वकील द्वारा भी कड़ी अपील की गई है कि इन माफियाओं को बख्शा न जाए।दूसरी ओर, इस मामले के मुख्य शिकायतकर्ता सलीम मेमन के फिलहाल दुबई में होने के बावजूद, इस घोटाले के तार दूर-दूर तक हिला देने वाले हैं। फिलहाल पर्वों और त्योहारों की जश्न में व्यस्त पुलिस वडोदरा और मंजूसर क्षेत्र के इस मुख्य सूत्रधार पुरुषोत्तम को सलाखों के पीछे कब धकेलेगी? इस पर कई लोगों की नजरें टिकी हुई हैं। जमीन मालिकों और माफियाओं के बीच फिलहाल 'प्रॉक्सी वॉर' चल रहा है, जिसमें यह देखना बाकी है अपना काम कब करता है।

रकुल प्रीत सिंह और वासु भगनानी समेत 12 जगहों पर IT की रेड, करोड़ों की टैक्स चोरी का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री से अचानक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने फिल्म इंडस्ट्री में करोड़ों की टैक्स चोरी और संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के खिलाफ बहुत सख्ती से कार्रवाई की है। मुंबई IT डिपार्टमेंट की टीमों ने मशहूर एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह, मशहूर प्रोड्यूसर वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियो से जुड़े 12 से ज़्यादा ठिकानों पर एक साथ इंटेंसिव सर्च ऑपरेशन चलाया है। इस अचानक हुई रेड से पूरी फिल्म सिटी में भूकंप जैसा माहौल बन गया है। जांच एजेंसियों और इंटेलिजेंस सोर्स से मिली पक्की जानकारी के मुताबिक, कुछ समय से बॉलीवुड की कुछ बड़ी हस्तियों और प्रोडक्शन हाउस द्वारा फाइनेंशियल गड़बड़ियां की जा रही थीं। इस बात का पक्का शक था कि फिल्मों की ओवरसीज शूटिंग, फॉरेन डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स और प्रोडक्शन के बहाने बड़ी रकम विदेश भेजी जा रही थी और बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी हो रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए IT डिपार्टमेंट ने यह बड़ी कार्रवाई की है। मुंबई में ऑफिस और घरों की सीलबंद हालत में जांच शुरू फिलहाल, IT अधिकारी मुंबई में अलग-अलग हाई-प्रोफाइल ऑफिस, स्टूडियो और संबंधित लोगों के घरों पर डॉक्यूमेंट्स, हार्ड डिस्क, बैंक अकाउंट डिटेल्स और फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की पूरी जांच कर रहे हैं।

खोखला मेडिकल टूरिज्म: कैंसर के इलाज पर हजारों करोड़ खर्च, फिर भी आम परिवारों के घर बिक गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खोखला। ये लाइनें आज गुजरात के अनगिनत आम और मिडिल क्लास परिवारों का असली दर्द बयां करती हैं। हर साल गुजरात के सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में कैंसर के मरीज़ों पर 1 हजार करोड़ से ज़्यादा पानी की तरह खर्च होते हैं, फिर भी बदकिस्मती से ज़्यादातर मरीज़ों को बचाया नहीं जा पाता। ये आंकड़े सिर्फ़ केस नहीं हैं, बल्कि बेबस इंसानी ज़िंदगी की दुखद कहानियां हैं। राज्य सरकार हेल्थ के लिए बड़ा बजट देती है और डेवलपमेंट के बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के बारे में आम लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए फील्ड में कोई ठोस या असरदार काम नहीं हो रहा है। नतीजा यह होता है कि बीमारी शरीर के अंदर फैलती जाती है और जब लक्षण दिखते हैं, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। फ्री इलाज की स्कीम के बावजूद डायग्नोसिस तक पहुंचना नामुमकिन है आज कैंसर का पता चलने के बाद सरकार की तरफ से PMJAY जैसी फ्री इलाज की स्कीम मौजूद हैं, लेकिन सबसे बड़ी और कड़वी सच्चाई यह है कि उस डायग्नोसिस तक पहुंचने के लिए महंगी रिपोर्ट्स लेने में ही आम परिवार पैसे से बर्बाद हो जाता है। बायोप्सी, पेट स्कैन, स्र्क्ष्ढ़ और महंगी जेनेटिक टेस्टिंग जैसी शुरुआती रिपोर्ट्स पर हजारों-लाखों रुपये खर्च हो जाते हैं। गरीब और आम परिवारों के पास ये रिपोर्ट्स करवाने के पैसे नहीं होते, जिससे उन्हें समय पर सही डायग्नोसिस नहीं मिल पाता और बीमारी और बिगड़ जाती है।

बागरा में पीर शांतिनाथ जी महाराज की 14वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। कस्बे में रविवार को पीर शांतिनाथ जी महाराज की 14वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और धार्मिक आस्था के साथ मनाई गई। इस अवसर पर स्टेशन रोड स्थित जलंधर नाथ महादेव मंदिर प्रांगण में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुण्यतिथि समारोह को लेकर मंदिर परिसर को फूलों से सजाया गया, वहीं दिनभर धार्मिक माहौल बना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने भाग लेकर पीर शांतिनाथ जी महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के संबंध में गंगा सिंह राठौड़ ने बताया कि पुण्यतिथि समारोह के तहत शनिवार शाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय कलाकारों ने भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस से सराबोर किया। भजन संध्या के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। इसके बाद आयोजित महाआरती में भी बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और धार्मिक वातावरण के बीच आरती में शामिल होकर आस्था प्रकट की। धार्मिक आयोजन के दौरान पंडित चिराग कुमार और कमलेश कुमार ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न करवाए। रविवार को पुण्यतिथि के मुख्य आयोजन के लिए जलंधर नाथ महादेव मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से फूलों से सजाया गया। श्रद्धालुओं की मौजूदगी में जयकारों के बीच आरती का आयोजन हुआ। इसके बाद धर्मसभा आयोजित की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पुण्यतिथि समारोह के दौरान ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजन में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों और ग्रामीणों ने शिरकत की। इस अवसर पर हस्ती मल अग्रवाल, भबूतसिह राठौड़, लाल सिंह राठौड़, शाकिर खां खोखर, बाबूलाल घांची, खीमसिह सिंधल और ओबसिह भाटी सहित कई लोग मौजूद रहे।

माउंट आबू केंद्रीय विद्यालय में नवाचार की नई पहल, विद्यार्थियों ने खोजे स्थानीय समस्याओं के समाधान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। एम श्री योजना के तहत केंद्रीय विद्यालय माउंट आबू में डीआईसीई (नवाचार एवं उद्यमिता विकास परिषद) कार्यक्रम के पहले चरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मक सोच और उद्यमिता कौशल को बढ़ावा देना रहा। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्थानीय स्तर पर सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं की पहचान कर उनके नए एवं व्यावहारिक समाधान तलाशने से जुड़ी गतिविधियों में रुचि दिखाई। कार्यक्रम के दौरान चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आबू रोड के तीन विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। संस्थान के निदेशक डॉ. राजनीश यादव, नवाचार विशेषज्ञ डॉ. दीपक शर्मा और डीआईसीई समन्वयक डॉ. राहुल शर्मा ने विद्यार्थियों को उद्यमशीलता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी समस्या के समाधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सबसे पहले समस्या को सही तरीके से समझना और उसके मूल कारणों की पहचान करना जरूरी है। डॉ. राजनीश यादव ने विद्यार्थियों को अपने आसपास मौजूद समस्याओं को ध्यान से देखने और उनके समाधान के लिए नए विचार विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को समस्याओं को समझने तथा उनके समाधान की दिशा में नए विचारों पर काम करने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्थानीय समस्याओं को चिन्हित करने, उनके कारणों को समझने और रचनात्मक तरीके से संभावित समाधान तलाशने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। स्कूल के प्रिंसिपल ओम प्रकाश जाखड़ ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

माउंट आबू अस्पताल की बदली सूरत, पालिकाध्यक्ष ने पद संभालते ही करवाई सफाई

कई महीनों से गंदगी और अव्यवस्था से परेशान था सरकारी सामुदायिक केंद्र अस्पताल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर के सरकारी सामुदायिक केंद्र अस्पताल में कई महीनों से बनी गंदगी और अव्यवस्था की समस्या पर सोमवार को आखिरकार तत्काल कार्रवाई हुई। अस्पताल परिसर में लंबे समय से फैली गंदगी, झाड़ियों, सड़कों पर पड़े पत्थरों और खुले चैंबरों के कारण मरीजों के साथ अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ भी परेशान थे। अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर स्टाफ की ओर से तत्कालीन एसडीएम डॉ. अंशु प्रिया, जिला कलेक्टर और चिकित्सा मंत्री को भी जानकारी दी गई थी। इन अधिकारियों की ओर से अस्पताल का दौरा भी किया गया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। पालिकाध्यक्ष सुनील आचार्य ने पदभार संभालने के बाद सोमवार को अस्पताल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी और अन्य अव्यवस्थाएं सामने आने पर उन्होंने संबंधित सफाई टीम को तत्काल मौके पर बुलाया और पूरे अस्पताल परिसर में सफाई अभियान शुरू करवाया। पालिकाध्यक्ष ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जहां तत्काल सफाई की जरूरत थी, वहां बिना देरी किए काम करवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के आसपास सड़कों पर पड़े पत्थरों, जमा गंदगी और उगी हुई झाड़ियों को हटाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही खुले चैंबरों को भी ठीक करवाने के लिए कहा गया। मौके पर जो व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त की जा सकती थीं, उन्हें उसी समय ठीक करवाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। कई महीनों से अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था को लेकर परेशानी झेल रहे मरीजों और अस्पताल स्टाफ के लिए यह कार्रवाई राहत लेकर आई। सफाई अभियान के बाद अस्पताल परिसर पहले की तुलना में साफ-सुथरा नजर आने लगा। इससे अस्पताल में आने वाले मरीजों के साथ डॉक्टरों और कर्मचारियों में भी संतोष देखने को मिला। अस्पताल स्टाफ के अनुसार परिसर में लंबे समय से सफाई और अव्यवस्था की समस्या बनी हुई थी। इसकी जानकारी पहले भी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाई गई थी और अस्पताल का निरीक्षण भी किया गया था, लेकिन अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया था। ऐसे में पालिकाध्यक्ष के पदभार संभालने के तुरंत बाद अस्पताल का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था सुधारने की कार्रवाई किए जाने से स्टाफ ने राहत महसूस की। सोमवार को हुई कार्रवाई के बाद अस्पताल परिसर में सफाई व्यवस्था में सुधार दिखाई दिया। पालिकाध्यक्ष सुनील आचार्य ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर को साफ रखने और शेष अव्यवस्थाओं को भी दूर करने के निर्देश दिए।

बासनी फैक्ट्री ब्लास्ट में एक और फायर फाइटर की मौत, हादसे में अब तक दो ने गंवाई जान

60 प्रतिशत झुलसे सुरेंद्र ने सोमवार सुबह दम तोड़ा, एक मरीज अब भी वेंटिलेटर पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। बासनी स्थित हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में आग के बाद हुए भीषण ब्लास्ट में घायल एक और फायर फाइटर की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। 22 वर्षीय सुरेंद्र ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। हादसे में सुरेंद्र करीब 60 प्रतिशत तक झुलस गए थे और उनकी हालत गंभीर होने के बाद उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। इस हादसे में अब तक दो फायर फाइटर्स की मौत हो चुकी है। महात्मा गांधी हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. फतेह सिंह भाटी ने बताया कि सुरेंद्र को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह करीब 60 प्रतिशत तक झुलसे हुए थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें वेंटिलेटर पर लिया गया था। सोमवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इससे पहले 26 सितंबर को फायर फाइटर प्रीतेश की मौत हुई थी। प्रीतेश हादसे में करीब 90 प्रतिशत तक झुलस गए थे और दो दिन से वेंटिलेटर पर थे। हादसे में घायल एक अन्य मरीज प्रदीप की हालत भी गंभीर बनी हुई है। प्रदीप करीब 80 से 90 प्रतिशत तक झुलसे हैं और फिलहाल वेंटिलेटर पर उनका उपचार चल रहा है। डॉ. भाटी के अनुसार जयपुर में भर्ती छह मरीजों की हालत स्थिर बताई जा रही है। वहीं प्रवीण, कुणाल, दुर्गेश और विनय का इलाज महात्मा गांधी हॉस्पिटल में जारी है। दरअसल, बासनी की गणेश नगर श्रमिक कॉलोनी स्थित एसआर हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में 23 सितंबर की शाम करीब 5:30 बजे आग लगी थी। आग पर काबू पाने के लिए 35 फायर फाइटर्स की टीम मौके पर पहुंची थी। कर्मचारी आग बुझाने में जुटे हुए थे। इसी दौरान छत से एक पत्थर केमिकल से भरे ड्रम पर गिर गया। इसके बाद ड्रम में जोरदार ब्लास्ट हुआ और आसपास मौजूद फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद साथी फायर फाइटर्स घायलों को पिकअप और दमकल वाहनों के जरिए अस्पताल लेकर पहुंचे। गांधी हॉस्पिटल से जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया था।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन चुनाव में बड़ा फेरबदल, पराक्रम सिंह ने गुट के साथ नामांकन लिया वापस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव से पहले सोमवार को बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के बेटे और ऋष्ट अध्यक्ष पद के दावेदार पराक्रम सिंह ने अपने गुट के साथ नामांकन वापस ले लिया। पराक्रम सिंह ने बृजकिशोर उपाध्याय को समर्थन देने का ऐलान किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी दबाव में अपना नामांकन वापस नहीं लिया है। पराक्रम सिंह ने कहा कि जब उन्होंने RCA अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने का निर्णय लिया था, तब उनके पास 32 वोटों का समर्थन था। उनके अनुसार संख्या बल के लिहाज से उनका गुट मजबूत स्थिति में था और वह खुद राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का अध्यक्ष बनना चाहते थे। उनके साथियों ने भी अलग-अलग पदों के लिए नामांकन दाखिल किए थे। पराक्रम सिंह के मुताबिक बाद में सरकार के स्तर पर अलग फैसला हुआ और बृजकिशोर उपाध्याय को अध्यक्ष बनाने तथा उनके साथियों को छह सदस्यीय कार्यकारिणी में जगह देने का निर्णय लिया गया। इसके बाद उन्होंने सरकार के फैसले का समर्थन करते हुए अपने गुट के साथ नामांकन वापस लेने का निर्णय किया। पार्टी के खिलाफ जाने की बात पर पराक्रम सिंह ने कहा कि उनके संस्कार उन्हें पार्टी के खिलाफ जाने की अनुमति नहीं देते। उन्होंने कहा कि मजबूत संख्या बल होने के बावजूद उन्होंने बृजकिशोर उपाध्याय के नेतृत्व में आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें उम्मीद ही नहीं, बल्कि पूरा विश्वास है कि बृजकिशोर उपाध्याय RCA के लिए अच्छा काम करेंगे। पराक्रम सिंह के साथ उनके गुट के कई प्रमुख उम्मीदवारों ने भी नामांकन वापस ले लिया है। अध्यक्ष पद से पराक्रम सिंह, सचिव पद से बृजकिशोर उपाध्याय, कोषाध्यक्ष पद से सुशील जैन और संयुक्त सचिव पद से गोविंद उपाध्याय ने नाम वापस लिया है। हालांकि कार्यकारी सदस्य पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले धर्मवीर शेखावत अभी मैदान में हैं। वहीं RCA चुनाव में कुछ अन्य चर्चित उम्मीदवारों के नामांकन अब तक बरकरार हैं। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह, सांसद घनश्याम तिवाड़ी के बेटे आशीष तिवाड़ी और भाजपा विधायक जसवंत यादव के बेटे मोहित यादव ने नामांकन वापस नहीं लिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे पवन दिलावर पहले ही अपना नामांकन वापस ले चुके हैं। छह सदस्यीय कार्यकारिणी के चुनाव के लिए शनिवार को तीन अलग-अलग गुटों ने नामांकन दाखिल किए थे।

उतरज आंगनवाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम, ग्रामीणों को योजनाओं की दी जानकारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। आंगनवाड़ी केंद्र उतरज में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय उतरज के शिक्षक शामिल हुए। इस दौरान आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं और सेवाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। साथ ही बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं के लिए उपलब्ध पोषण, स्वास्थ्य एवं अन्य सुविधाओं को लेकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लक्ष्मी कुंवर और सहायिका रेखा का सम्मान किया गया। उपस्थित शिक्षकों और ग्रामीणों ने आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। शिक्षकों ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र ग्रामीण क्षेत्र में बच्चों और महिलाओं से जुड़ी आवश्यक सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में ग्रामीणों को बताया गया कि आंगनवाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं के लिए विभिन्न प्रकार की सेवाएं और सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ग्रामीणों को इन सेवाओं और सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। आयोजन के दौरान बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई गई। गर्भवती महिलाओं और माताओं को भी उपलब्ध पोषण एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया।

एक साल के मासूम ने निगलीं 9 मैग्नेटिक बॉल्स, आंतों में हुए 16 छेद; चार घंटे की सर्जरी से बची जान

एक साल के मासूम ने निगलीं 9 मैग्नेटिक बॉल्स, आंतों में हुए 16 छेद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। खेलते समय एक साल के मासूम ने नौ मैग्नेटिक बॉल्स निगल लीं। पेट में पहुंचने के बाद ये चुंबकीय गोलियां आंतों के अलग-अलग हिस्सों में जाकर आपस में चिपक गईं, जिससे बच्चे की आंतों में गंभीर क्षति हुई और 16 छेद हो गए। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां शिशु शल्य विभाग की टीम ने करीब चार घंटे तक जटिल सर्जरी कर बच्चे की जान बचाई। सफल उपचार के बाद सोमवार को बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. अनिल सामरिया ने बताया कि बच्चे ने 14 सितंबर को मैग्नेटिक बॉल निगली थी। इसके बाद उसे स्थानीय स्तर पर चिकित्सा उपचार भी दिया गया, लेकिन समस्या का सही पता नहीं चल सका। धीरे-धीरे बच्चे की स्थिति बिगड़ने लगी और उसका पेट फूलने लगा। 15 सितंबर को परिजन उसे जेएलएन अस्पताल के शिशु शल्य विभाग लेकर पहुंचे। यहां डॉ. गरिमा अरोड़ा ने बच्चे की जांच की। जांच के बाद बच्चे की गंभीर स्थिति सामने आई। डॉक्टरों के अनुसार आंतों में हुए 16 छेदों के कारण गंभीर क्षति, संक्रमण और रुकावट की स्थिति बन गई थी। बच्चे का पेट लगातार फूल रहा था और उसकी हालत अत्यंत गंभीर हो चुकी थी। ऐसे में डॉक्टरों ने तत्काल जटिल सर्जरी करने का निर्णय लिया। 16 सितंबर को शिशु शल्य विभाग की टीम ने करीब चार घंटे तक ऑपरेशन किया। सर्जरी के दौरान आंतों में हुए 16 छेदों और चुंबकीय गोलियों से हुई गंभीर क्षति का उपचार किया गया। ऑपरेशन में डॉ. गरिमा अरोड़ा, डॉ. दिनेश बारोलिया और शिशु शल्य विभाग की टीम के साथ एनेस्थीसिया विभाग के डॉ. अरविंद खरे, डॉ. रतन यादव एवं उनकी टीम शामिल रही। उपचार के बाद बच्चे की हालत में सुधार हुआ और सोमवार को उसे पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉक्टरों के मुताबिक, भारत में इस तरह का यह दूसरा मामला बताया गया है। इससे पहले तेलंगाना में आंत में 15 छेद होने का मामला सामने आया था। डॉ. गरिमा अरोड़ा ने अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चे खेल-खेल में बटन बैटरी, मैग्नेटिक बॉल्स, नुकीली वस्तुएं, सेफ्टी पिन और ऑलपिन जैसी चीजें निगल सकते हैं, जो गंभीर स्थिति पैदा कर सकती हैं और कई बार ऑपरेशन तक की नौबत आ जाती है। उन्होंने बताया कि एक से अधिक मैग्नेटिक बॉल्स या धातु और चुंबकीय वस्तुएं निगलने पर खतरा और बढ़ जाता है। ये वस्तुएं आंत के अलग-अलग हिस्सों में जाकर एक-दूसरे को आकर्षित कर सकती हैं, जिससे इनके बीच फंसी आंत को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है।

तखतगढ़ में रविंद्र सिंह भाटी की ईडब्ल्यूएस सरलीकरण यात्रा का जोरदार स्वागत, जेसीबी से बरसाए फूल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तखतगढ़। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण से जुड़ी विसंगतियों और नियमों के सरलीकरण की मांग को लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी की यात्रा सोमवार को पाली जिले के तखतगढ़ पहुंची। यहां सर्व समाज की ओर से भाटी का जोरदार स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। भाटी के स्वागत में उन्हें ऊंट पर बैठाया गया और जेसीबी मशीनों से फूल बरसाए गए। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 10 बजे रविंद्र सिंह भाटी का करीब 50 लग्जरी गाड़ियों का काफिला एनएच-325 के तखतगढ़ मुख्य चौराहे पर पहुंचा। उनके पहुंचने से पहले ही बड़ी संख्या में सर्व समाज के लोग स्वागत के लिए जुटे हुए थे। स्वागत के लिए दो जेसीबी मशीनें भी मंगवाई गई थीं। भाटी के पहुंचते ही लोगों ने उनका स्वागत किया और जेसीबी से पुष्पवर्षा की गई। इसके साथ ही उन्हें ऊंट पर बैठाकर भी स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान तखतगढ़ पुलिस ने यातायात व्यवस्था को देखते हुए एनएच-325 के मार्ग को डायवर्ट किया। काफिले और स्वागत कार्यक्रम के चलते मुख्य मार्ग पर लोगों की मौजूदगी रही। यात्रा तखतगढ़ के अलावा पाली जिले के बिटिया, बलुपुरा, बांकली और खिवांदी सहित विभिन्न स्थानों से होकर आगे बढ़ी। इन क्षेत्रों में भी भाटी का स्वागत किया गया। रविंद्र सिंह भाटी की यह यात्रा ईडब्ल्यूएस व्यवस्था में बदलाव और सरलीकरण की मांग को लेकर निकाली जा रही है। भाटी ने इस अभियान के तहत ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र, पात्रता नियमों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को उठाने की बात कही है।

तरंग शक्ति-2026 का जोधपुर में आगाज, सात देशों के साथ आसमान में दिखेगा सामरिक शक्ति का संगम

ऑपरेशनल फेज शुरू, F-35 से राफेल तक अत्याधुनिक विमान होंगे अभ्यास का हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। जोधपुर स्थित एयर फोर्स स्टेशन पर रविवार से बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 के ऑपरेशनल फेज की औपचारिक शुरुआत हो गई। एयर मार्शल पीवी शिवानंद ने अभ्यास का औपचारिक उद्घाटन किया और इसमें शामिल विभिन्न दलों के कमांडरों को आधिकारिक एक्सरसाइज पैच प्रदान किए। दिन का समापन राजस्थान की समृद्ध संस्कृति की भव्य प्रस्तुति के साथ हुआ। इस आयोजन ने सैन्य सहयोग, आपसी भाईचारे और हवाई अभियानों में सामरिक समन्वय का संदेश दिया। 6 सितंबर से शुरू हुआ यह युद्धाभ्यास 12 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें भारतीय वायुसेना के साथ सात मित्र देशों की वायु सेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इस बार अभ्यास की मुख्य थीम 'पावर इन पार्टनरशिप' रखी गई है। इसका उद्देश्य भागीदार देशों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने के साथ संयुक्त सैन्य क्षमताओं और ऑपरेशनल अनुभवों को साझा करना है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, अभ्यास में भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका और बांग्लादेश की वायु सेनाएं शामिल हैं। इस तरह कुल आठ देशों की वायु सेनाएं सीधे तौर पर अभ्यास का हिस्सा हैं। इसके अलावा 32 से अधिक देश पर्यवेक्षक के रूप में इसमें शामिल हुए हैं। तरंग शक्ति-2026 में लड़ाकू विमानों के साथ सैन्य परिवहन और हवा में ईंधन भरने वाले विमानों की क्षमताओं का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। अभ्यास में F-35 लाइटनिंग जैसे आधुनिक विमान विभिन्न हवाई अभियानों में भाग ले रहे हैं। अलग-अलग देशों की वायु सेनाएं अपने ऑपरेशनल अनुभव और प्रक्रियाएं भी साझा कर रही हैं। 2024 में हुए पहले संस्करण के बाद जोधपुर एयरबेस पर आयोजित यह दूसरा संस्करण क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति और स्थिरता के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अभ्यास के दौरान विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को भारत के स्वदेशी एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षेत्र से परिचित कराने के लिए डिफेंस एक्सपो और इंडस्ट्री टूर भी आयोजित किए जाएंगे। वायुसेना की ओर से सैन्य गतिविधियों के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी रखे गए हैं।

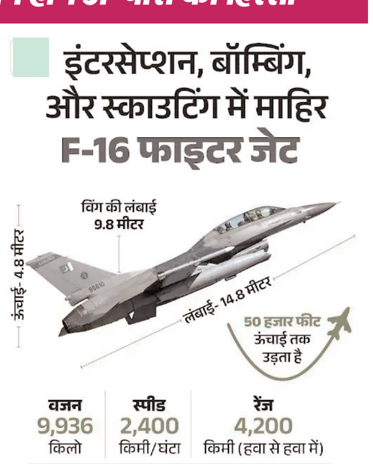

पिंडवाड़ा में खनन परियोजना के विरोध में ग्रामीणों का बड़ा फैसला, पंचायती राज चुनाव बहिष्कार का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। पिंडवाड़ा तहसील क्षेत्र में मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड की प्रस्तावित खनन परियोजना को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार बढ़ता जा रहा है। परियोजना के विरोध में भारजा गांव के ग्रामीणों ने बीती रात आमसभा आयोजित कर आगामी पंचायती राज चुनाव के बहिष्कार का ऐलान किया। आमसभा में ग्रामीणों ने एकमत होकर निर्णय लिया कि जब तक प्रस्तावित खनन परियोजना को रद्द नहीं किया जाता, तब तक वे चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेंगे और मतदान का बहिष्कार करेंगे। आमसभा के दौरान ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि उनका निर्णय केवल किसी एक चुनाव तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक खनन परियोजना को रद्द नहीं किया जाता, वे जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और सरपंच पद के चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। ग्रामीणों के इस सामूहिक निर्णय के बाद प्रस्तावित खनन परियोजना को लेकर चल रहा विरोध अब चुनाव बहिष्कार तक पहुंच गया है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में इस प्रस्तावित परियोजना को लेकर लगातार विरोध और नाराजगी बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर भारजा गांव में आमसभा बुलाई गई, जिसमें ग्रामीणों ने अपनी बात रखते हुए सामूहिक रूप से चुनाव बहिष्कार का फैसला लिया। आमसभा में मौजूद लोगों ने कहा कि परियोजना रद्द होने तक वे अपने निर्णय पर कायम रहेंगे। बताया गया कि मेसर्स कमलेश मेटाकास्ट प्राइवेट लिमिटेड की यह प्रस्तावित खनन परियोजना चार ग्राम पंचायतों के करीब एक दर्जन गांवों में प्रस्तावित है।

सम्पादकीय

निकोले से लेकर दिल्ली तक खड़े होते हैं तीखे सवाल

Presumption और Assumption: क्या संवैधानिक पद पर बैठे लोग कानून से ऊपर हैं?

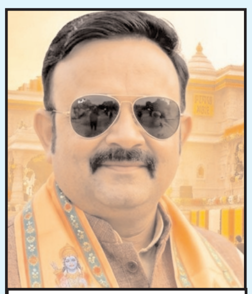

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

कानून के दायरे से बाहर नहीं ले जा सकती!'
देश का संविधान मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार और स्वीकार किया गया था, इसलिए कानूनी मामलों में आज भी कई अंग्रेजी शब्दों का इस्तेमाल होता है। ऐसे ही दो महत्वपूर्ण शब्द हैं– Presumption और ssumption। आम बोलचाल में इन दोनों के लिए 'अनुमान', 'धारणा' या 'मान लेना' जैसे शब्दों का प्रयोग किया जाता है, लेकिन संवैधानिक और कानूनी संदर्भ में इनका अर्थ बेहद गहरा और अलग होता है।

Assumption (पूर्वाधारना): किसी बात को विचार, चर्चा या विश्लेषण के शुरुआती आधार के रूप में स्वीकार कर लेना।

Presumption (कानूनी धारणा): कानून या न्यायिक सिद्धांत किसी तथ्य को शुरुआत में मान्य मानकर आगे बढ़ता है और विशेष परिस्थिति में उसके खिलाफ सबूत पेश करने की जिम्मेदारी दूसरी तरफ डाल देता है।

लेकिन इनमें से किसी भी शब्द का अर्थ यह नहीं है कि 'हम जो मान लें, वही अंतिम सत्य है।' यह फर्क भारतीय लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं को समझने के लिए बेहद जरूरी है।

संवैधानिक संस्था होने का मतलब संवैधानिक प्रतिरक्षा नहीं!
भारतीय संविधान किसी संस्था को असीम शक्तियां जरूर देता है, लेकिन साथ ही उस शक्ति की स्पष्ट सीमाएं भी तय करता है। इसलिए यह अकाट्य नियम समझना होगा: Constitutional institution does not mean constitutional immunity. यानी कोई संस्था संवैधानिक है, इसका अर्थ यह नहीं कि उसकी हर कार्रवाई स्वतः ही कानून और संविधान के दायरे में सही मान ली जाए।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण भारत का चुनाव आयोग है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव प्रक्रिया की देखरेख, दिशा-निर्देशन और नियंत्रण चुनाव आयोग में निहित है। लेकिन अनुच्छेद 324 के तहत शक्ति मिलने मात्र से आयोग का हर फैसला स्वतः ही अकाट्य या कानूनी रूप से त्रुटिहीन नहीं हो जाता। संस्था को शक्ति मिलना और उस शक्ति के उपयोग को कानून की कसौटी से बाहर रखना–दोनों बिलकुल अलग बातें हैं। संविधान पद को नहीं, पदाधिकार को बांधता है

देश के राष्ट्रपति हों या प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री हों या सांसद, विधायक हों, न्यायधीश हों, आईएएस-आईपीएस अधिकारी हों या अन्य कोई लोकसेवक–हर व्यक्ति अपने पद और सत्ता का इस्तेमाल संविधान और मौजूदा कानूनों के दायरे में रहकर करने के लिए बाध्य है। विधायिका , कार्यपालिका और न्यायपालिका –राज्य के तीनों अंगों के लिए संविधान ही सत्ता का स्रोत है और वही उसकी लक्ष्मण रेखा भी है। कोई भी व्यक्ति किसी भी उच्च संवैधानिक या कानूनी पद पर बैठ जाए, तो वह कानून से ऊपर नहीं हो जाता। पद उसे अधिकार और जिम्मेदारी देता है, लेकिन उस अधिकार का इस्तेमाल मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकता। यही 'Rule of Law (कानून का शासन) का मूल आधार है।

चुना हुआ प्रतिनिधि यानी सर्वज्ञानी? डॉ. अंबेडकर का ऐतिहासिक तंज! 17 सितंबर 1949 को संविधान सभा की बहस के दौरान डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने इस धारणा का पुरजोर विरोध किया था .

उस संदर्भ में डॉ. अंबेडकर ने एक बहुत बड़ा सत्य कहा था: 'Power and knowledge do not go together.' यानी सत्ता और ज्ञान कभी भी स्वतः साथ-साथ नहीं चलते। लेकिन वह किसी व्यक्ति को वैचारिक अचूकता या हर नीति पर अंतिम समझ का प्रमाण पत्र नहीं देती। Democratic legitimacy और Constitutional correctness दोनों बिल्कुल अलग चीजें हैं। सुप्रीम कोर्ट का 27 मई 2026 का ऐतिहासिक फैसला और SIR बिहार में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर 27 मई 2026 को सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला सामने आया था। सुप्रीम कोर्ट ने ईसीआई की शक्तियों को अनुच्छेद 324 और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21(3) के साथ जोड़कर देखा और बिहार एसआईआर की कानूनी वैधता को स्वीकार किया था। लेकिन धारा 21(3) में 'कारण दर्ज करने' की स्पष्ट भाषा है। इससे यह साफ होता है कि शक्ति के साथ-साथ जवाबदेही और कारण बताने का दायित्व भी जुड़ा होता है।

निष्कर्ष- लोकतंत्र की असली कसौटी क्या है? नागरिक होने के नाते हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि सामने वाला किस पार्टी या पद पर है। असली और पैना सवाल यह होना चाहिए कि:
1. उस व्यक्ति या संस्था द्वारा इस्तेमाल की जा रही सत्ता का कानूनी स्रोत क्या है?
2. उस सत्ता की सीमाएं क्या हैं?
3. क्या तयशुदा प्रक्रियाओं का पालन हुआ है?
4. क्या प्रभावित व्यक्ति को अपना पक्ष रखने का मौका मिला है?
5. और सबसे अहम बात–क्या यही पैमाना हम अपनी पसंद की संस्थाओं और नेताओं पर भी लागू करते हैं? लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति, कोई भी पद, कोई भी पार्टी और कोई भी संवैधानिक संस्था संविधान से ऊपर नहीं है। संस्था की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए सत्ता के उपयोग पर सवाल उठाना ही एक जीवंत, प्रबुद्ध और जागरूक लोकतंत्र की असली पहचान है।

(मंगलवार) 29 सितंबर 2026

राशि		राशि	
मेष	मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और नए कामों में सफलता के अवसर बनेंगे	वृषभ	दिन सकारात्मक और उत्साह से भरा रहेगा। रुके हुए कार्यों में तेजी आएगी और परिवार से जुड़ी कोई अच्छी खबर मन प्रसन्न कर सकती है
मिथुन	आर्थिक मामलों में दिन सामान्य से बेहतर रहेगा। रुके हुए काम पूरे होने के साथ धन लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं	कर्क	करियर में बदलाव या नई जिम्मेदारी का अवसर मिल सकता है। कोई भी बड़ा फैसला लेने से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार जरूर करें।
सिंह	नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा और इसका लाभ भविष्य में मिल सकता है। करियर से जुड़े मामलों में सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं	कन्या	काम की जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आप अपनी मेहनत से उन्हें आसानी से संभाल लेंगे। धैर्य बनाए रखने से सफलता मिलेगी।
तुला	परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा और घर का माहौल सुखद रहेगा। महत्वपूर्ण फैसले जल्दबाजी के बजाय सोच-समझकर लेना लाभदायक रहेगा	वृश्चिक	नई जगह की यात्रा या किसी महत्वपूर्ण काम के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है। नए अवसर भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकते हैं।
धनु	मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी और मान-सम्मान भी बढ़ सकता है।	मकर	कार्यक्षेत्र में सफलता के अवसर मिलेंगे, लेकिन विरोधियों से सतर्क रहना जरूरी होगा। महत्वपूर्ण मामलों में अपनी रणनीति गोपनीय रखें।
कुंभ	योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए दिन अनुकूल रहेगा। आर्थिक मामलों में लाभ मिल सकता है और पुराने कामों में भी गति आने की संभावना है।	मीन	रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी और किसी खास व्यक्ति से अच्छी बातचीत हो सकती है। नई योजना शुरू करने के लिए समय अनुकूल रहेगा

लद्दाख फिर उबाल की ओर? 2 अक्टूबर की डेडलाइन ने बढ़ाई दिल्ली की परीक्षा

राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग पर सोनम वांगचुक का अल्टीमेटम; सवाल सिर्फ सत्ता का नहीं, जमीन, पहचान और भविष्य के फैसलों में स्थानीय लोगों की हिस्सेदारी का भी

लद्दाख की पहाड़ियों से उठी आवाज एक बार फिर दिल्ली के दरवाजे तक पहुंच गई है। राज्य का दर्जा और संविधान की छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा की मांग को लेकर सोनम वांगचुक ने 2 अक्टूबर तक की समय-सीमा तय की है। उनका कहना है कि अब तक बातचीत और बैठकों के बावजूद जमीन पर अपेक्षित प्रगति दिखाई नहीं दे रही है। यदि 2 अक्टूबर तक ठोस निर्णय नहीं हुआ तो शांतिपूर्ण प्रदर्शन और आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब लेह में पिछले साल हुई हिंसा और उसके बाद की कार्रवाई को एक वर्ष पूरा हो चुका है। वांगचुक का सवाल सिर्फ राज्य के दर्जे तक सीमित नहीं है। वह उस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, जिसमें लद्दाख के भविष्य से जुड़े फैसले लिए जा रहे हैं। उनका आरोप है कि जमीन, औद्योगिक नीति, पर्यटन और स्थानीय शासन जैसे विषयों पर नीतिगत फैसले स्थानीय लोगों से पर्याप्त सलाह-मशविरा किए बिना आगे बढ़ाए जा रहे हैं। उनका तर्क है कि यदि नीतियां पहले ही तय कर दी जाएंगी तो भविष्य में बनने वाली लोकतांत्रिक संस्थाओं के पास निर्णय लेने के लिए बचेगा क्या? यही वह बिंदु है जहां लद्दाख का सवाल महज प्रशासनिक मांग नहीं रह जाता। सवाल यह है कि जिस क्षेत्र की जमीन, संस्कृति, पर्यावरण और संसाधनों का सीधा असर वहां रहने वाली आबादी पर पड़ता है, उन पर अंतिम निर्णय लेने में स्थानीय लोगों की भूमिका कितनी होगी? 24 सितंबर 2025 को लेह में प्रदर्शन के दौरान चार लोगों की मौत हुई थी। इसके दो दिन बाद वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था। बाद में उन्हें जोधपुर जेल ले जाया गया और मार्च 2026 में रिहा किया गया। अब एक साल बाद वांगचुक पूछ रहे हैं कि उस हिंसा की जांच के लिए गठित आयोग की रिपोर्ट का क्या हुआ और कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से जवाबदेही कब तय होगी। यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन, पुलिस कार्रवाई, मौत और उसके बाद की जांच केवल राजनीतिक बहस का विषय नहीं होते। इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच और उसके निष्कर्षों की पारदर्शिता जनता के विश्वास से जुड़ी होती है। रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है या नहीं, किन निष्कर्षों तक पहुंचा गया और जिम्मेदारी किसकी तय हुई–इन सवालों का जवाब अब भी सार्वजनिक बहस का हिस्सा है। 9 सितंबर को लद्दाख के प्रतिनिधियों और केंद्रीय गृह मंत्रालय के बीच हुई बैठक में बातचीत का एक नया रास्ता सामने आया। रिपोर्टों के मुताबिक केंद्र ने लद्दाख के लिए संविधान के अनुच्छेद 371 के तहत विशेष संवैधानिक व्यवस्था का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत एक निर्वाचित केंद्रशासित प्रदेश स्तर की संस्था बनाने और जमीन, रोजगार, संस्कृति, पर्यावरण तथा स्थानीय हितों के लिए संवैधानिक सुरक्षा देने पर चर्चा हुई है। हालांकि यह व्यवस्था पूर्ण राज्य का दर्जा या विधानसभा वाला केंद्रशासित प्रदेश नहीं होगी। प्रस्ताव का स्वरूप और अधिकारों का अंतिम निर्धारण अभी चर्चा का विषय है यहीं केंद्र और लद्दाख के प्रतिनिधियों की मांग के बीच सबसे बड़ा अंतर दिखाई देता है। एक तरफ राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग है, दूसरी तरफ केंद्र की ओर से अलग संवैधानिक मॉडल पर बातचीत आगे बढ़ रही है। इसलिए असली सवाल यह है कि क्या दोनों पक्ष किसी ऐसे रास्ते पर पहुंच पाएंगे, जिसमें स्थानीय अधिकारों की सुरक्षा और राष्ट्रीय प्रशासनिक हितों के बीच सहमति बन सके? लद्दाख के स्थानीय संगठन लंबे समय से छठी अनुसूची की मांग कर रहे हैं। इसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों को जमीन, संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय प्रशासन से जुड़े मामलों में विशेष सुरक्षा देना है। स्वायत्त जिला परिषदों की व्यवस्था के जरिए स्थानीय समुदायों को विकास और संसाधनों से जुड़े निर्णयों में अधिक अधिकार मिल सकते हैं। लद्दाख के लिए यह मांग केवल संवैधानिक प्रावधान का सवाल नहीं, बल्कि पहचान और भविष्य की सुरक्षा से जुड़ी मांग के रूप में सामने रखी जा रही है। स्थानीय संगठनों का तर्क है कि तेज विकास, पर्यटन, उद्योग और बाहरी निवेश के दौर में जमीन और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए मजबूत स्थानीय अधिकार जरूरी हैं। लद्दाख का मुद्दा जितना लंबा खिंच रहा है, उतना ही यह सवाल बड़ा होता जा रहा है कि समाधान बातचीत से निकलेगा या आंदोलन के अगले चरण से। केंद्र ने बातचीत का रास्ता बंद नहीं किया है और एक विशेष संवैधानिक मॉडल पर चर्चा भी आगे बढ़ी है। लेकिन लद्दाख के प्रतिनिधि अभी भी अपनी मूल मांगों–राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची–पर स्पष्ट प्रगति चाहते हैं। 2 अक्टूबर की तारीख इसलिए महज एक डेडलाइन नहीं है। यह उस भरोसे की भी परीक्षा है जो पिछले कई दौर की बातचीत से बना या कमजोर हुआ है। लद्दाख को क्या मिलेगा, यह आने वाला समय तय करेगा; लेकिन एक बात साफ है–अब वहां के लोग केवल घोषणाएं नहीं, अपने भविष्य से जुड़े फैसलों में स्पष्ट अधिकार और वास्तविक भागीदारी की मांग कर रहे हैं। लोकतंत्र की ताकत इसी में है समाधान ऐसा हो, जिसमें क्षेत्र की जनता को लगे कि उसके भविष्य का फैसला उसके साथ मिलकर किया जा रहा है।

भाजपा सरकार की दोहरी नीति का पर्दाफाश: एक हाथ से 'प्राकृतिक खेती' के पाठ, तो दूसरे हाथ से केमिकल युक्त जहर की बिक्री

इस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है?' गुजरात में शासक दल द्वारा पिछले कुछ समय से 'प्राकृतिक खेती', 'गाय आधारित खेती', 'जैविक खेती' और 'जहर मुक्त खेती' के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। राज्य को देश का 'प्राकृतिक खेती मॉडल स्टेट' बनाने की लंबी-लंबी बातें करने वाली सरकार की आंतरिक और दोहरी नीतियां अब खुलकर सामने आ रही हैं। सवाल यह उठता है कि क्या सचमुच भाजपा सरकार के कृषि मंत्री भटके हुए हैं या फिर अपनी ही जनविरोधी नीतियों से अपनी सुध खो बैठे हैं? कृषि मंत्री की खुद की स्वीकारोक्ति के बावजूद केमिकल का लॉन्च!

एक बेहद विरोधाभासी और चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहाँ खुद कृषि मंत्री इस बात को स्वीकार करते हैं कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों के अंधाधुंध इस्तेमाल के कारण गुजरात और देश भर में कैंसर के मरीजों की संख्या में चिंताजनक बढ़ोतरी हो रही है और रोज अनगिनत लोग इस गंभीर बीमारी का शिकार बन रहे हैं। लेकिन, सबसे बड़ा कलयुगी विरोधाभास यह है कि एक तरफ इन गंभीर खतरों की सरेआम कबूलियत दी जाती है और दूसरी तरफ सरकारी कंपनी GSFC (गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स) द्वारा सात-सात खतरनाक केमिकल युक्त कीटनाशक दवाओं का भव्य लॉन्चिंग कराया जाता है! इतना ही नहीं, खुद सरकार द्वारा किसानों को यह आह्वान किया जाता है कि इन केमिकल युक्त दवाओं के इस्तेमाल से फसल सुरक्षा और उत्पादन बढ़ेगा। करोड़ों के टैक्स के लिए किसानों की जान के साथ खेल? इस दोहरी चाल के पीछे असली खेल करोड़ों रुपए की कमाई और टैक्स का है। सरकार यह सब अच्छी तरह जानती है कि केमिकल युक्त खेती मानव जाति और धरती दोनों के लिए जानलेवा है, फिर भी केवल आर्थिक स्वार्थ और टैक्स के लालच में उत्पादकों से लाखों टन कीटनाशक का उत्पादन कराया जाता है। सरकार इन केमिकल की बिक्री से करोड़ों रुपए का टैक्स वसूलती है और दूसरी तरफ सार्वजनिक रूप से किसानों को 'प्राकृतिक खेती' अपनाने की बड़ी-बड़ी अपीलें कर वाहवाही लूटती है अन्नदाता किसान कभी भी जहर बेचने या धरती को बंजर बनाने की इच्छा नहीं रखता।

दाउद का अपमान यानी मौत का आमंत्रण? फिल्म 'धुरंधर' में क्यों बदलना पड़ा अंडरवर्ल्ड डॉन का नाम?

बॉलीवुड में आपराधिक दुनिया और अंडरवर्ल्ड पर पहले भी कई फिल्में बन चुकी हैं, लेकिन आदित्य धर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' और इसकी सीक्वल 'धुरंधर 2' इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर सिनेमाघरों तक चर्चा के केंद्र में हैं। इन फिल्मों में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के कुख्यात 'डी कंपनी' नेटवर्क और उसके काले कारोबार को बेहद आक्रामक तरीके से दिखाया गया है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि यह फिल्म दाऊद की जिंदगी पर आधारित है, तो फिल्म में उसका असली नाम क्यों नहीं इस्तेमाल किया गया? इस सवाल का खुलासा जाने-माने क्राइम राइटर और रिसर्च जर्नलिस्ट विवेक अग्रवाल ने एक इंटरव्यू में किया है, जिसने सभी को चौंका दिया है।

दाउद के नाम से क्यों कांपते थे फिल्म निर्माता?
विवेक अग्रवाल ने दावा किया है कि एक समय ऐसा था जब बॉलीवुड के बड़े-बड़े निर्माता और निर्देशक अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का असली नाम खुलेआम लेने से भारी डरते थे। यह डर केवल कयासों पर आधारित नहीं था, बल्कि निर्माता अच्छी तरह जानते थे कि यदि पर्दे पर दाऊद का नाम लेकर उसकी छवि के साथ छेड़छाड़ की गई या उसका अपमान किया गया, तो उसका परिणाम कितना भयानक हो सकता है। दाऊद भले ही कितना भी छिपा हुआ हो या आपराधिक गतिविधियों से दूर होने के दावे करता हो, लेकिन एक बात पक्की है–दाऊद इब्राहिम कभी अपना अपमान सहन नहीं करता और उसे अपमानित करने वाले या चुनौती देने वाले को वह कभी जिंदा नहीं छोड़ता!

फिल्म में दाऊद जैसे पात्र को बनाया गया लाचार और कमजोर
'धुरंधर' फिल्मों में दाऊद इब्राहिम से समानता रखने वाले इस पात्र को 'मोटा साहब' (बड़े साहब) नाम दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्मी पटकथा में इस पात्र को बेहद कमजोर, लाचार, बीमार और मरणसैया पर पड़ा हुआ दिखाया गया है। अंडरवर्ल्ड के एक समय के सबसे खतरनाक और सर्वसर्वा डॉन को पर्दे पर इतनी लाचार हालत में दिखाना खुद दाऊद और उसके दूर-दूर तक फैले सिंडिकेट के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। शायद यही वजह है कि फिल्म निर्माताओं ने कानूनी अड़चनों और अंडरवर्ल्ड के संभावित खतरे से बचने के लिए नाम बदलने का सुरक्षित रास्ता अपनाया।

अंडरवर्ल्ड का डर और बॉलीवुड का पुराना इतिहास
भारतीय सिनेमा और अंडरवर्ल्ड के बीच का संबंध हमेशा डर और उत्सुकता से भरा रहा है। नब्बे के दशक में बॉलीवुड पर डी कंपनी का सीधा आतंक था। फिल्मों के लिए फाइनेंसिंग से लेकर कलाकारों के चयन तक अंडरवर्ल्ड फोन पर ही तय करता था। समय बदला है, सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हुई हैं और सरकार की सख्ती बढ़ी है, लेकिन अंडरवर्ल्ड के भय की मानसिकता आज भी फिल्म उद्योग के कुछ हलकों में देखने को मिलती है। 'धुरंधर' जैसी फिल्में भले ही हिम्मत दिखाकर वास्तविकता दर्शाने का प्रयास करती हों, लेकिन डर के कारण नाम बदलने की यह मजबूरी दर्शाती है कि अंडरवर्ल्ड की परछाई आज भी कहीं न कहीं मंडरा रही है। क्राइम राइटर विवेक अग्रवाल के इस खुलासे के बाद 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' को लेकर दर्शकों की उत्सुकता दोगुनी हो गई है। एक तरफ जहां फिल्म की कहानी और एक्शन सीन्स की चर्चा हो रही है, तो दूसरी तरफ रील लाइफ के 'बड़े साहब' और रियल लाइफ के डॉन के बीच की यह असली कहानी अब चर्चा का सबसे गर्म विषय बन गया है। क्या दाऊद इस फिल्म की रिलीज और इसमें अपनी खिल्ली उड़ाए जाने पर कोई प्रतिक्रिया देगा या फिर समय बदलने के साथ अब अंडरवर्ल्ड की धाक केवल कागजों तक ही सिमट कर रह गई है? ये तमाम सवाल इन दिनों देश और दुनिया के सिनेमा प्रेमियों की जुबान पर हैं।

आरटीआई पर फैसला, फिर यू-टर्न...
और सवालों के घेरे में सत्ता का पारदर्शिता दावा

कानून-व्यवस्था विभाग को आरटीआई से बाहर करने का आदेश घंटों में वापस

चेन्नई। सत्ता में आने के बाद पारदर्शिता और जवाबदेही की बात करना आसान है, लेकिन असली परीक्षा तब होती है जब सरकार के अपने फैसले सार्वजनिक जांच के दायरे में आते हैं। तमिलनाडु में आरटीआई को लेकर रविवार को जो घटनाक्रम सामने आया, उसने इसी सवाल को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। सरकार ने 21 सितंबर के आदेश के जरिए पब्लिक (लॉ एंड ऑर्डर) विभाग को आरटीआई कानून के दायरे से बाहर करने की व्यवस्था की, लेकिन राजनीतिक दलों, सहयोगियों और पारदर्शिता से जुड़े कार्यकर्ताओं की आपत्तियों के बाद कुछ ही समय में आदेश वापस ले लिया गया।

सवाल सिर्फ आदेश वापस लेने का नहीं है। सवाल यह है कि ऐसा आदेश जारी करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? जिस विभाग का काम कानून-व्यवस्था, पुलिस कार्रवाई, हिरासत में मौत, पुलिस फायरिंग, मानवाधिकार से जुड़ी शिकायतों, राजनीतिक और सामाजिक प्रदर्शनों जैसे संवेदनशील मामलों से जुड़ा है, उसे आरटीआई से बाहर करने का फैसला स्वाभाविक रूप से सार्वजनिक निगरानी और जवाबदेही के सवाल खड़े करता है। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक मूल आदेश में इस विभाग को सरकार की ओर से स्थापित 'इंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी ऑर्गनाइजेशन' के रूप में अधिसूचित किया गया था। यहीं से विवाद गहराया। सीपीआई(एम) सांसद सु वेंकटेशन समेत राजनीतिक आवाजों ने फैसले पर सवाल उठाए। भ्रष्टाचार-विरोधी संगठन अरप्पोर इयक्कम ने भी इसे चौंकाने वाला बताया और सवाल किया कि कानून-व्यवस्था विभाग के पास मौजूद हर सूचना को खुफिया सूचना कैसे माना जा सकता है। विरोध बढ़ने के बाद सरकार ने आदेश रद्द कर दिया। आरटीआई का मूल उद्देश्य ही सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और नागरिकों को सूचना तक पहुंच देना है। कानून में खुफिया और सुरक्षा संगठनों को कुछ परिस्थितियों में छूट का प्रावधान है, लेकिन मानवाधिकार उल्लंघन और भ्रष्टाचार से जुड़ी सूचनाओं को लेकर कानून में अपवाद भी मौजूद हैं। ऐसे में किसी पूरे विभाग को व्यापक छूट देने का सवाल महज प्रशासनिक आदेश नहीं, बल्कि नागरिकों के सूचना के अधिकार से जुड़ा मुद्दा बन जाता है। इसी बीच मुख्यमंत्री विजय से जुड़े एक अन्य फैसले ने भी सरकार की कार्यशैली पर चर्चा बढ़ाई। मई में उनके ज्योतिषी राधन पंडित वेट्रिवेल को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजनीतिक ओएसडी नियुक्त किया गया था। रिपोर्टों के मुताबिक विजय के शपथ ग्रहण का समय भी उनकी सलाह पर बदला गया था। हालांकि आरटीआई विवाद से अलग यह घटनाक्रम सरकार में फैसलों और सलाहकारों की भूमिका को लेकर राजनीतिक बहस का हिस्सा बना। लोकतंत्र में सरकार का फैसला लेना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है उसका कारण स्पष्ट करना। आरटीआई छूट का आदेश जारी होना, विरोध होना और फिर उसी दिन उसका वापस लिया जाना यही सवाल छोड़ता है–फैसला पहले क्यों हुआ और वापस लेने की नौबत क्यों आई? सरकार यदि पारदर्शिता को अपनी कार्यशैली का आधार मानती है तो ऐसे फैसलों की प्रक्रिया और कारण भी उतने ही स्पष्ट होने चाहिए। क्योंकि जनता के सवालों का जवाब केवल आदेश वापस लेने से नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में विश्वास पैदा करने से मिलता है।

सितारों की चमक के पीछे का अकेलापन : विनोद कांबली की कहानी हमें क्या सिखाती है?

क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसा खिलाड़ी आता है, जो अपनी प्रतिभा से केवल रन ही नहीं बनाता, बल्कि करोड़ों प्रशंसकों के दिलों में भी अपनी जगह बना लेता है। विनोद कांबली भी भारतीय क्रिकेट के ऐसे ही प्रतिभाशाली नामों में से एक हैं। बचपन के मित्र और महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर के साथ क्रिकेट की शुरुआत करने वाले कांबली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी एक अलग पहचान बनाई थी। लेकिन समय की गति कितनी निर्मम होती है! कभी जिस नाम की गूंज स्टेडियम की तालियों और नारों के बीच सुनाई देती थी, वही नाम एक दिन जीवन की शांति और एकांत के बीच सुनाई दे–यह विचार मन को भीतर तक झकझोर देता है। प्रस्तुत समाचार-कटिंग में विनोद कांबली के वृद्धाश्रम में रहने का उल्लेख किया गया है और उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट में उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर के आंकड़ों का भी उल्लेख है। कांबली ने टेस्ट क्रिकेट के 17 मैचों में 1,084 रन और वनडे क्रिकेट के 104 मैचों में 2,477 रन बनाए थे। उनके करियर के ये आंकड़े दर्शाते हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब क्रिकेट जगत में उनका नाम विशेष सम्मान के साथ लिया जाता था। लेकिन जीवन केवल सफलता के आंकड़ों का नाम नहीं है। जीवन रिश्तों, भावनाओं, साथ और संवेदनाओं का भी नाम है। विनोद कांबली की कहानी हमारे सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न रखती है–क्या किसी व्यक्ति की सफलता जीवन के अंतिम पड़ाव तक उसके साथ रह सकती है? धन, प्रसिद्धि, तालियां और ख्याति जीवन के कुछ पड़ावों को सुंदर बना सकती हैं, लेकिन वृद्धावस्था में इंसान को सबसे अधिक आवश्यकता अपने लोगों के साथ की होती है। एक ऐसे हाथ की, जो कठिन समय में कंधे पर आकर यह कहे– 'चिंता मत कीजिए, मैं आपके साथ हूं। ' आज के समय में हम अपने माता-पिता के लिए बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं, लेकिन कई बार उनके पास बैठकर दो आत्मीय शब्द बोलना भूल जाते हैं। महंगी दवाइयां दी जा सकती हैं, सुंदर घर दिया जा सकता है और हर भौतिक सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है; लेकिन अपनापन। वृद्धावस्था कोई बोझ नहीं है; यह तो जीवनभर की मेहनत, त्याग और संघर्ष के बाद मिलने वाले सम्मानपूर्ण विश्राम का अधिकार है।

यूपी के 5 जिलों में सपा-कांग्रेस के बीच सीटों पर घमासान, कौन करेगा समझौता?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सपा और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर खींचतान बढ़ गई है। दोनों दल भाजपा के खिलाफ गठबंधन में साथ हैं, लेकिन सीटों की संख्या के साथ-साथ किन सीटों पर कौन चुनाव लड़ेगा, इसे लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस 105 से 115 सीटों पर दावा कर रही है,

जबकि सपा करीब 85 से 90 सीटें देने के पक्ष में बताई जा रही है। कांग्रेस उन सीटों पर ज्यादा दावेदारी कर रही है, जहां उसका लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन मजबूत रहा है, वहीं सपा अपने प्रभाव और मौजूदा विधायकों वाली सीटें छोड़ने के पक्ष में नहीं है। सहारनपुर में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद लगातार सीट बंटवारे को लेकर मुखर हैं। जिले की 7 विधानसभा सीटों में कांग्रेस कई सीटों पर दावा कर रही है, जबकि सपा अपने कब्जे वाली सीटें बनाए रखना चाहती है। रायबरेली और अमेठी में भी दोनों दलों के बीच सीटों को लेकर खींचतान है। इसी तरह बाराबंकी और सीतापुर में कांग्रेस लोकसभा प्रदर्शन के आधार पर ज्यादा सीटें चाहती है, जबकि सपा विधानसभा स्तर पर अपने संगठन और पुराने प्रभाव का हवाला दे रही है। अब दोनों दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती संख्या से ज्यादा सीटों के चयन को लेकर है। चुनाव से पहले यह देखना अहम होगा कि गठबंधन को बनाए रखने के लिए दोनों पार्टियां किन सीटों पर समझौता करती हैं।

प्रेम विवाह से नाराज परिवार ने किया प्रतीकात्मक अंतिम संस्कार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के जेठवारा थाना क्षेत्र में प्रेम विवाह से नाराज परिजनों ने अपनी बालिग बेटी का प्रतीकात्मक पुतला बनाकर शवयात्रा निकाली और दाह संस्कार कर दिया। बताया गया कि युवती ने दूसरी बिरादरी के युवक विनोद के साथ रहने की इच्छा जताई थी। करीब एक महीने पहले

युवती के लापता होने पर परिजनों ने पुलिस में शिकायत की थी। दो दिन पहले पुलिस ने उसे उसके प्रेमी के साथ बरामद किया। थाने में युवती ने बालिग होने की बात कहते हुए प्रेमी के साथ रहने की इच्छा जताई। इससे नाराज परिजनों ने बेटी से नाता तोड़ने की बात कही। इसके बाद रविवार दोपहर गांव लौटकर परिजनों ने युवती का पुतला बनाकर प्रतीकात्मक शवयात्रा निकाली और अंतिम संस्कार कर दिया। अब परिवार की ओर से तेरहवीं की तैयारी किए जाने की बात सामने आई है। वहीं युवती ने कहा कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से पति के साथ रहना चाहती है। उसने अपने पति और खुद को परेशान नहीं किए जाने की अपील करते हुए कहा कि दोनों अपनी जिंदगी अपनी इच्छा से जीना चाहते हैं।

गाजियाबाद में आंबेडकर प्रतिमा से छेड़छाड लोगों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। नवयुग मार्केट स्थित आंबेडकर पार्क में डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। सोमवार सुबह लोगों को प्रतिमा के चेहरे पर गंदा पदार्थ लगाए जाने और मालाओं से छेड़छाड़ की जानकारी मिली। घटना की सूचना फैलते ही आसपास के लोग पार्क में पहुंचने लगे और नाराजगी जताई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस तरह की हरकत कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई है। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाह पर भरोसा नहीं करने की अपील की। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों से घटना के संबंध में जानकारी ली। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि प्रतिमा के साथ छेड़छाड़ कब और किस समय की गई। आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि घटना में शामिल लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस का प्रयास है कि मामले की जांच जल्द पूरी कर आरोपियों की पहचान की जाए और किसी भी तरह की स्थिति को बिगड़ने से रोका जा सके।

गाजियाबाद में वकील को बच्चों के सामने दुकान से घसीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। साहिबाबाद के राजेंद्र नगर सेक्टर-3 में दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले सीनियर एडवोकेट आशीष पन्नू के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कुछ युवकों ने उन्हें किराना दुकान से बाहर खींचकर लाठी-डंडों से पीटा। पति को बचाने पहुंची उनकी पत्नी प्रेषिका के साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट किए जाने का आरोप है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। आशीष पन्नू के मुताबिक, वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सामान लेने के लिए दुकान पर पहुंचे थे। कार सड़क किनारे

खड़ी करने के बाद वह दुकान के अंदर गए। इसी दौरान 5-6 युवक कथित तौर पर लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंचे और उन्हें दुकान से खींचकर सड़क पर ले आए। आरोप है कि सड़क पर गिराने के बाद युवकों ने लात-घूंसों और डंडों से उनकी पिटाई शुरू कर दी। वकील का आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें करीब 17 डंडे मारे। शोर सुनकर उनकी पत्नी उन्हें बचाने के लिए पहुंचीं तो आरोपियों ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की की। आसपास मौजूद दुकानदारों और लोगों ने किसी तरह दोनों को हमलावरों से बचाया। आशीष पन्नू ने मारपीट के पीछे मकान से जुड़े विवाद को कारण बताया है। उनका कहना है कि उनके मकान से सटी एक बिल्डिंग में बेसमेंट बनाए जाने से घर में दरारें आने की शिकायत उन्होंने पुलिस और लखनऊ में शासन स्तर के अधिकारियों से की थी। आरोप है कि इसी शिकायत से नाराज होकर उनके साथ मारपीट की गई। वकील के मुताबिक, मारपीट के दौरान आरोपी शिकायत को लेकर सवाल कर रहे थे और दोबारा शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद उन्होंने साहिबाबाद थाने में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। शिकायत के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि हमलावरों की पहचान कर मामले में आगे की कार्रवाई की जा सके।

अंतिम संस्कार स्थल जलमग्न होने और सूखी लकड़ी नहीं मिलने पर परिजनों को उठाना पड़ा यह कदम

हरदोई में हादसे ने छीनीं तीन जिंदगियां, बारिश के बीच सड़क किनारे दफनाए मां-बेटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसे ने एक परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। सवायजपुर मार्ग पर समुदा के पास कार और बाइक की आमने-सामने हुई टक्कर में मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई। तीनों एक प्रसव पीड़िता को अस्पताल ले जाने के लिए घर से निकले थे। हादसे के बाद परिवार पर एक साथ तीन मौतों का पहाड़ टूट पड़ा। लोनार क्षेत्र के भुवनपुरवा निवासी सुहेल अपनी बहन कामिनी को प्रसव पीड़ा होने के बाद अस्पताल पहुंचाने के लिए अपनी मां विद्यावती और बहनोई रमेश के साथ बाइक से जा रहे थे। रास्ते में शहर कोतवाली

क्षेत्र के समुदा के पास उनकी बाइक सामने से आ रही कार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुहेल, उनकी मां विद्यावती और बहनोई रमेश की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। पोस्टमार्टम के बाद रविवार को तीनों के शव घर पहुंचे तो परिवार के सामने अंतिम संस्कार की चुनौती खड़ी हो गई। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण अंतिम संस्कार स्थल पर पानी भर गया था। इसके अलावा दाह संस्कार के लिए जरूरी सूखी लकड़ी भी उपलब्ध नहीं हो सकी। बारिश के कारण हालात ऐसे बन गए कि परिजन मां-बेटे का अंतिम संस्कार नहीं कर सके। मजबूरी में परिजनों ने विद्यावती और उनके बेटे सुहेल के शवों को सड़क किनारे दफना दिया। बताया गया कि सुहेल अविवाहित थे, जबकि उनके बहनोई रमेश का अंतिम संस्कार उनके गांव रामपुर चैया में किया गया। एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से गांव और आसपास के इलाके में भी शोक का माहौल है। इस दर्दनाक घटना के बीच परिवार में एक नवजात के जन्म की खुशी भी थी। रविवार सुबह कामिनी ने ऑपरेशन के जरिए बेटे को जन्म दिया। जिस समय घर में बच्चे की किलकारी गूंजनी थी, उसी समय परिवार पति रमेश, मां विद्यावती और भाई सुहेल की मौत के गम में डूबा था। नवजात को देखकर कामिनी की आंखों से आंसू निकल पड़े। एक तरफ बेटे के जन्म की खुशी और दूसरी तरफ पति, मां और भाई को खोने का दर्द परिवार के लिए बेहद मुश्किल स्थिति बन गया। परिजनों ने किसी तरह उसे संभाला। हादसे ने पूरे परिवार की जिंदगी को एक ही दिन में बदलकर रख दिया।

सड़क चौड़ीकरण के लिए मस्जिद के हिस्से को हटाने की कार्रवाई के दौरान पुलिस से झड़प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में शाही मस्जिद के सड़क चौड़ीकरण की जद में आ रहे हिस्से को हटाने की कार्रवाई के दौरान सोमवार को तनाव फैल गया। कार्रवाई का विरोध कर रही भीड़ और पुलिस के बीच झड़प हो गई। पुलिस के अनुसार, इस दौरान पथराव भी हुआ, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए और हल्का बल प्रयोग किया गया। पुलिस के मुताबिक, मामले में अब तक 10 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें 5 लोगों पर सोशल मीडिया के जरिए अफवाह फैलाने और माहौल खराब करने का आरोप है, जबकि 5 अन्य लोगों को बाहर से उज्जैन में आने के दौरान पकड़े जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है और संवेदनशील क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर निगरानी बढ़ाई गई है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी तरह की अफवाह या तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस लगातार गश्त कर रही है। पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान महिलाओं समेत लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई थी। इसी दौरान पुलिस टीम पर पथराव होने की बात कही गई है। पथराव में कुछ पुलिसकर्मियों के घायल होने की जानकारी भी सामने आई है। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। बाद में मुस्लिम समुदाय की महिलाएं भी मौके पर पहुंचीं और मस्जिद के हिस्से को हटाने की कार्रवाई का विरोध किया। शाही मस्जिद प्रबंधन की ओर से मस्जिद को 100 साल से अधिक पुराना बताया गया है। जिला प्रशासन के अनुसार, सड़क चौड़ीकरण की योजना के तहत मस्जिद का करीब 9 फीट लंबा और 4 फीट चौड़ा हिस्सा प्रभावित हो रहा है। यह काम

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत सड़क को चौड़ा करने की योजना का हिस्सा है। कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण का काम प्रस्तावित है। प्रशासन और पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने तथा सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली अपुष्ट सूचनाओं पर भरोसा नहीं करने की अपील की है। मामले को लेकर सोमवार को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में सुनवाई भी निर्धारित थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में सुरक्षा व्यवस्था लगातार जारी रहेगी।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक बने शिकार; नगर पालिका की टीम ने कुत्ते को पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी शहर में एक काले कुत्ते ने शनिवार से रविवार के बीच जमकर आतंक मचा दिया। करीब 24 घंटे के दौरान कुत्ते ने अलग-अलग इलाकों में करीब 35 लोगों को काटकर घायल कर दिया। लगातार सामने आ रही डॉग बाइट की घटनाओं से लोगों में दहशत फैल गई। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कई लोग कुत्ते के हमले का शिकार हुए। स्थिति यह बन गई कि लोग जरूरी काम से भी घर से बाहर निकलने में सावधानी बरतने लगे। जानकारी के मुताबिक, काले कुत्ते ने सबसे पहले शहर के मनियर इलाके में लोगों को निशाना बनाया। यहां कई लोगों को काटने के बाद कुत्ता राजेश्वरी रोड की तरफ पहुंच गया। इसके बाद पुरानी शिवपुरी इलाके में भी उसके हमले की घटनाएं सामने आईं। एक के बाद एक लोगों के घायल होने की सूचना मिलने से स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। कुत्ते के हमले अचानक होने के कारण लोगों

को संभलने का मौका भी नहीं मिला। कई लोगों के घायल होने के बाद स्थानीय स्तर पर इसकी सूचना नगर पालिका और स्वास्थ्य विभाग तक पहुंची। इसके बाद नगर पालिका की टीम ने कुत्ते को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद टीम काले कुत्ते को पकड़ने में सफल रही। कुत्ते के पकड़े जाने के बाद प्रभावित इलाकों के लोगों ने राहत की सांस ली। शिवपुरी के सिविल सर्जन डॉ. रामप्रताप चौहान ने बताया कि शनिवार से रविवार के बीच डॉग बाइट के 35 मामले सामने आए हैं। इन सभी लोगों का उपचार किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से घायलों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवपुरी में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार चिंता का कारण बना हुआ है। शहर के कई इलाकों में आवारा कुत्तों के झुंड देखे जाते हैं। लोगों का कहना है कि जब भी कुत्तों के हमले की बड़ी घटना सामने आती है, तब नगर पालिका की टीम कार्रवाई करती है, लेकिन कुछ समय बाद समस्या फिर सामने आ जाती है। कुछ दिन पहले भी शिवपुरी में एक कुत्ते के हमले में करीब 100 लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी। अब एक बार फिर 24 घंटे में 35 लोगों के कुत्ते के काटने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। खासकर बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर परिवार ज्यादा सतर्क हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने नगर पालिका से आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

सड़क पार करते समय खंभा पकड़ते ही लगा जोरदार झटका; पत्नी भी आईं चपेट में, पुलिस ने सीपीआर देकर अस्पताल पहुंचाया

भाजपा युवा मोर्चा नेता की तड़पकर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के एमपी नगर इलाके में रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री दिव्यऋषि तिवारी की करंट लगने से मौत हो गई। वह अपने परिवार के साथ डीबी मॉल में खरीदारी करने पहुंचे थे। खरीदारी के बाद परिवार के साथ सड़क पार करते समय उन्होंने सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइट के खंभे को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि खंभे में करंट दौड़ रहा था। जैसे ही उन्होंने खंभे को हाथ लगाया, उन्हें जोरदार बिजली का झटका लगा और वह मौके पर ही गिर पड़े। जानकारी के मुताबिक, दिव्यऋषि तिवारी रविवार रात परिवार के साथ डीबी मॉल पहुंचे थे। परिवार का वाहन सड़क की दूसरी तरफ खड़ा था। खरीदारी करने के बाद दिव्यऋषि, उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य सड़क पार कर वाहन की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार, खंभे से एक तार बाहर निकला हुआ था और इसी तार के कारण खंभे में करंट आने की बात सामने आई है। करंट की चपेट में दिव्यऋषि की पत्नी भी आ गईं। हालांकि, वह किसी तरह खुद को बिजली के संपर्क से अलग करने में कामयाब रहीं। वहीं दिव्यऋषि को करंट का तेज झटका लगा और वह सड़क पर गिर गए। हादसा होते ही आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल पुलिस

को सूचना दी। मौके पर मौजूद ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने तुरंत स्थिति संभालने की कोशिश की। ट्रैफिक हेड कांस्टेबल जगदीश दांगी के मुताबिक, पुलिसकर्मियों ने दिव्यऋषि को मौके पर सीपीआर देने की कोशिश की। इसके बाद उन्हें बिना देर किए नर्मदा अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए एम्स ले जाने की सलाह दी। इसके बाद पुलिसकर्मी दिव्यऋषि को लेकर एम्स पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के साथ सामान्य खरीदारी के लिए निकले दिव्यऋषि के साथ हुए हादसे ने सभी को झकझोर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर मौजूद खंभे और उससे निकले तार की स्थिति की जानकारी जुटाई। सुरक्षा को देखते हुए खंभे से बाहर निकले तार को अलग कराया गया, ताकि वहां से गुजरने वाले अन्य लोगों के साथ कोई और हादसा न हो। शुरुआती जानकारी में यह खंभा मेट्रो या पीडब्ल्यूडी से जुड़ा बताया जा रहा है, हालांकि इसकी आधिकारिक जिम्मेदारी जांच के बाद स्पष्ट होगी। घटना के बाद सड़क किनारे लगे स्ट्रीट लाइट के खंभों और खुले तारों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। परिजनों की ओर से आरोप लगाया गया है कि यदि खंभे और बिजली के तारों की स्थिति ठीक होती तो इस तरह का हादसा नहीं होता। उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अब हादसे के हर पहलू की जांच कर रही है। यह पता लगाया जा रहा है कि खंभे में करंट कैसे पहुंचा, वहां तार किस वजह से बाहर निकला हुआ था और उसकी देखरेख की जिम्मेदारी किस विभाग की थी। पुलिस मौके से संबंधित जानकारी और परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। जांच में यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि खंभे और बिजली व्यवस्था के रखरखाव में किसी स्तर पर लापरवाही हुई थी या नहीं। संबंधित विभाग की भूमिका और जिम्मेदारी भी जांच के बाद सामने आएगी। फिलहाल पुलिस ने खुले तार को अलग कराकर मौके पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की कार्रवाई की है। इस हादसे ने शहर में सार्वजनिक स्थानों पर बिजली के खंभों और खुले तारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। डीबी मॉल जैसे व्यस्त इलाके में परिवार के साथ पहुंचे व्यक्ति की करंट लगने से मौत होने के बाद लोगों के बीच भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की वास्तविक वजह और जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी।

खुद को नारकोटिक्स टीआई बताकर प्रॉपर्टी ब्रोकर से 4.75 करोड़ की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम में खुद को नारकोटिक्स विभाग की टीआई बताकर एक प्रॉपर्टी ब्रोकर से करोड़ों रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला ने पहले पीड़ित को हुंडी में फंसे 11 लाख रुपये वापस दिलाने का भरोसा दिया और बाद में अलग-अलग बहाने बनाकर उससे करोड़ों रुपये ऐंठ लिए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी महिला सपना ठाकुर को गिरफ्तार किया है। कोर्ट ने उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। माणक

चौक थाना पुलिस के अनुसार, तेजा नगर निवासी 48 वर्षीय प्रॉपर्टी ब्रोकर रूपेश चपरोट ने शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक दिसंबर 2025 में उसके पास सपना ठाकुर नाम की महिला का फोन आया था। महिला ने खुद को मंदसौर नारकोटिक्स विभाग में टीआई बताया और दावा किया कि वह हुंडी दलाल के पास फंसे उसके 11 लाख रुपये वापस दिलवा सकती है। शिकायत के मुताबिक, शुरुआत में महिला ने पीड़ित को अपनी पहचान और प्रभाव का भरोसा दिलाया। इसके बाद हाईकोर्ट में मामला मजबूत करने, संपत्ति कुर्क होने और अन्य कानूनी कार्रवाई का डर दिखाकर उससे अलग-अलग किस्तों में रकम लेने का सिलसिला शुरू किया गया। पीड़ित का आरोप है कि इस तरह उससे कुल 3 करोड़ 45 लाख रुपये लिए गए। मामला यहीं नहीं रुका। आरोप है कि महिला ने तेजा नगर स्थित करीब 1.30 करोड़ रुपये कीमत का मकान भी अपने नाम करवा लिया। इसके अलावा पीड़ित से जेवर और अन्य संपत्ति भी लेने का आरोप है। शिकायत में कुल नुकसान करीब 4.75 करोड़ रुपये बताया गया है। पैसे और मकान की मांग वापस करने पर विवाद बढ़ गया। पीड़ित का आरोप है कि जब उसने आगे रकम देने से इनकार किया और अपने मकान की रजिस्ट्री वापस करने की मांग की तो महिला ने उसे डराना शुरू कर दिया। कथित तौर पर एनकाउंटर कराने, एमडी ड्रग्स रखकर एनडीपीएस के झूठे मामले में फंसाने और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकियां दी गईं। पीड़ित के मुताबिक, धमकियों के कारण वह काफी समय तक डर में रहा और अपनी संपत्ति, जेवर तथा अन्य संसाधनों से रकम जुटाकर महिला को देता रहा। आरोप है कि महिला ने पीड़ित की बेटी की सगाई तुड़वाने की धमकी भी दी।बी शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि महिला ने मामले से जुड़े सबूत मिटाने के लिए पीड़ित का मोबाइल फोन फॉर्मेट करवा दिया। उसके नाम से दो फर्जी सिम लिए जाने की बात भी सामने आई है। जब पीड़ित ने दोबारा अपना मकान वापस लेने की मांग की तो उसे कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी गई। लगातार धमकियों और आर्थिक नुकसान के बाद पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर माणक चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी महिला के खिलाफ धोखाधड़ी समेत संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी महिला से पूछताछ कर रही है। उसके मोबाइल फोन, कॉल डिटेल और अन्य रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला ने खुद को नारकोटिक्स विभाग की अधिकारी बताकर यह पूरा खेल अकेले चलाया या इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भी भूमिका है। फिलहाल पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी से पूछताछ के आधार पर मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और संभावित सहयोगियों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट होगी।

16 सेकंड में लोहे के पाइप से सिर पर 14 वार... लोगों ने रोका, फिर भी नहीं रुका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। मध्यप्रदेश के सागर में पैराडाइज होटल के सामने दिनदहाड़े 28 वर्षीय युवक अंकित पटेल की लोहे के पाइप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें आरोपी युवक पर लगातार पाइप से हमला करता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि दोपहर करीब 3 बजे अंकित और आरोपी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद आरोपी ने लोहे का पाइप उठाकर अंकित पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। लोगों ने आरोपी को रोकने की कोशिश की, लेकिन वह हमला करता रहा। बाद में एक युवक ने आरोपी को पकड़कर अंकित से अलग किया, जिसके बाद वह मौके से भाग गया। हमले के बाद अंकित को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मानस नगर मकरोनिया निवासी अंकित पटेल, पिता रामलाल पटेल के रूप में हुई है। घटना के दौरान आसपास की दुकानों में भी दहशत फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लिया है। पुलिस आरोपी की पहचान और तलाश में जुटी है। विवाद किस बात को लेकर हुआ और हत्या के पीछे पुरानी रंजिश थी या अचानक हुआ विवाद हिंसक हो गया, इसकी जांच की जा रही है।

तुगलकाबाद के जंगल में मिली थी सड़ी-गली लाश, पुलिस के मुताबिक पारिवारिक रंजिश में हुई थी हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के तुगलकाबाद इलाके के जंगल में करीब 24 साल पहले हुई हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी की पहचान पश्चिम चंपारण, बिहार निवासी फिरोज के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने 2002 में कलाम अंसारी की पत्थरों से सिर कुचलकर हत्या की थी। वारदात के बाद से वह लगातार अपनी पहचान और ठिकाना बदलकर पुलिस से बचता रहा। आखिरकार क्राइम ब्रांच ने उसे गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर स्थित एक रेडीमेड कपड़ा फैक्ट्री से गिरफ्तार कर लिया, जहां वह पिछले करीब 2 साल से दर्जी का काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार, यह मामला 18 फरवरी 2002 को सामने आया था। तुगलकाबाद किले के पास डीडीए के जंगल में एक युवक की बेहद सड़ी-गली लाश मिली थी। शव पत्थरों से ढका हुआ था और सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। जांच के बाद मृतक की

पहचान पश्चिम चंपारण निवासी करीब 35 वर्षीय कलाम अंसारी के रूप में हुई। इस संबंध में ओखला इंडस्ट्रियल एरिया थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस को हत्या के पीछे पुरानी पारिवारिक रंजिश का संदेह हुआ। पुलिस के मुताबिक, कलाम अंसारी की बहन की शादी आरोपी फिरोज के भाई साहबजान से हुई थी। दोनों परिवार पश्चिम चंपारण के एक ही गांव में रहते थे। बताया गया कि शादी के बाद साहबजान और उसकी पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। बाद में साहबजान ने अंसारी के घर के सामने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस का दावा है कि फिरोज को शक था कि उसके भाई की मौत के लिए कलाम अंसारी का परिवार जिम्मेदार है। इसी बात को लेकर उसके मन में रंजिश पैदा हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, इसी रंजिश के चलते फिरोज कलाम को तुगलकाबाद के जंगल में ले गया और वहां पत्थरों से सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी बिहार लौट गया। पुलिस के मुताबिक, उसने गांव में कलाम के बारे में गलत जानकारी दी और खुद भी पुलिस की नजरों से बचने के लिए लगातार अपना ठिकाना बदलता रहा। उसने गांव और परिचितों से संपर्क कम कर दिया और अलग-अलग स्थानों पर पहचान छिपाकर रहने लगा। इस वजह से लंबे समय तक पुलिस उसके बारे में कोई ठोस जानकारी हासिल नहीं कर सकी। करीब ढाई दशक बाद क्राइम ब्रांच ने पुराने मामले की फाइल और रिकॉर्ड दोबारा खंगालना शुरू किया। पुलिस टीम ने आरोपी के संभावित ठिकानों और उसके पुराने संपर्कों के बारे में जानकारी जुटाई। इसके बाद बिहार में कई स्थानों पर दबिश दी गई। पुलिस के मुताबिक, करीब 2 महीने के दौरान 30 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की गई। जांच के दौरान पुलिस को सुराग मिला कि आरोपी गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर इलाके में रह रहा है और एक रेडीमेड कपड़ा फैक्ट्री में दर्जी के तौर पर काम कर रहा है। पुलिस टीम ने उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और पहचान की पुष्टि करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के समय फिरोज की उम्र करीब 48 साल है। वह शादीशुदा है और उसके 4 बच्चे हैं। करीब 24 साल तक फरार रहने के दौरान उसने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा अलग-अलग स्थानों पर पहचान छिपाकर बिताया। क्राइम ब्रांच अब आरोपी से पूछताछ कर हत्या की पूरी परिस्थितियों और वारदात में उसकी भूमिका से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। पुलिस पुराने रिकॉर्ड, बयान और उपलब्ध साक्ष्यों को भी दोबारा खंगाल रही है। 24 साल पुराने इस मामले में गिरफ्तारी के बाद अब जांच एजेंसी हत्या से जुड़े बाकी पहलुओं को जोड़ने में जुटी है।

दिल्ली में प्रदूषण पर सख्ती, कंस्ट्रक्शन पर रोक और पार्किंग चार्ज होगा डबल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सर्दियों के दौरान दिल्ली में बढ़ने वाले वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं। सरकार ने प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित करने और सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या कम करने के लिए निर्माण गतिविधियों, पार्किंग शुल्क और दफ्तरों की कार्यप्रणाली में बदलाव करने का फैसला किया है। सरकार के आदेश के मुताबिक 1 नवंबर 2026 से 31 जनवरी 2027 तक धूल पैदा करने वाली डिमोलिशन गतिविधियों और बाहरी सिविल कंस्ट्रक्शन गतिविधियों पर रोक रहेगी। इसके अलावा 10 दिसंबर 2026 से 20 जनवरी 2027 तक निर्माण और डिमोलिशन गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने का फैसला किया गया है। इसका उद्देश्य सर्दियों में प्रदूषण बढ़ने के दौरान धूल और निर्माण कार्यों से होने वाले उत्सर्जन को कम करना है। निजी वाहनों के इस्तेमाल को हतोत्साहित करने के लिए अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क भी बढ़ाया जाएगा। 1 नवंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक मौजूदा पार्किंग शुल्क दोगुना रहेगा। हालांकि दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन यानी डीएमआरसी की ओर से संचालित और प्रबंधित पार्किंग स्थलों को इस व्यवस्था से बाहर रखा गया है। सरकार ने दफ्तरों के समय में भी बदलाव किया है। 1 नवंबर से 28 फरवरी तक एमसीडी के तहत आने वाले कार्यालय सुबह 8:30 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होंगे। वहीं दिल्ली सरकार के तहत आने वाले कार्यालय सुबह 10 बजे से शाम 6:30 बजे तक खुलेंगे। अलग-अलग समय निर्धारित करने का उद्देश्य सड़कों पर एक ही समय में बढ़ने वाले यातायात के दबाव को कम करना है। इसके अलावा सरकारी और निजी दफ्तरों में 50 फीसदी कर्मचारियों के लिए वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था लागू करने का फैसला किया गया है। इसके तहत 50 फीसदी कर्मचारी घर से काम करेंगे, जबकि बाकी 50 फीसदी कर्मचारी कार्यालय में मौजूद रहेंगे। यह व्यवस्था भी 1 नवंबर से 28 फरवरी तक लागू रहेगी। दिल्ली में सर्दियों के दौरान प्रदूषण बढ़ने पर निर्माण गतिविधियों, वाहनों और धूल को प्रमुख प्रदूषण स्रोतों में माना जाता है। ऐसे में सरकार की ओर से किए गए इन फैसलों का फोकस निर्माण से निकलने वाली धूल को नियंत्रित करने, निजी वाहनों का इस्तेमाल कम करने और दफ्तरों के समय में बदलाव के जरिए यातायात का दबाव घटाने पर है। अब इन फैसलों को लागू कराने की जिम्मेदारी संबंधित विभागों और एजेंसियों पर होगी। 1 नवंबर से लागू होने वाली पाबंदियों के दौरान निर्माण स्थलों और पार्किंग व्यवस्था की निगरानी भी महत्वपूर्ण रहेगी।

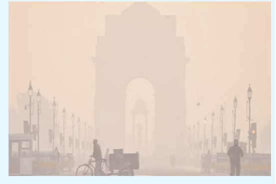

सलीमगढ़ फ्लाईओवर के नीचे भीषण सड़क हादसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सेंट्रल जिले के आईपी स्टेट थाना क्षेत्र में सलीमगढ़ फ्लाईओवर के नीचे हुए सड़क हादसे में बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई। हादसा 26 सितंबर की देर रात करीब 12 बजे एमजी रोड पर गेट नंबर-16, आईजी स्टेडियम के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी और चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां 2 युवक सड़क पर घायल और बेहोशी की हालत में पड़े मिले। पुलिस ने दोनों को तत्काल एलएनजेपी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय मोहित कुमार और 23 वर्षीय शुभम शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनों युवक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते थे और रात में वहीं सो जाते थे। हादसे के बाद पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के इलाके में आरोपी वाहन की तलाश शुरू की। घटनास्थल के पास सीसीटीवी कैमरा नहीं होने के कारण फिलहाल टक्कर मारने वाले वाहन और उसके चालक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के संभावित रास्तों और अन्य स्थानों पर लगे कैमरों की फुटेज खंगालने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, 26 सितंबर की रात करीब 12 बजे आईपी स्टेट थाने में सड़क हादसे में 2 लोगों के घायल होने की सूचना के लिए पीसीआर कॉल मिली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। रविवार को दोनों शवों का मौलाना आजाद अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए।

अंसारी अस्पताल पर फर्जी मेडिकल बिल बनाने का आरोप, 2 दिन इलाज के बावजूद भेजा 4.96 लाख का बिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली के सागरपुर स्थित अंसारी अस्पताल पर पुलिसकर्मी की पत्नी के इलाज का कथित तौर पर फर्जी और बढ़ा-चढ़ाकर मेडिकल बिल तैयार करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अस्पताल ने मरीज को करीब 2 दिन के इलाज के बाद छुट्टी दिए जाने के बावजूद बिल में 2 दिसंबर से 14 दिसंबर 2025 तक भर्ती दिखाया और 4,96,678 रुपये का बिल तैयार कर विभाग को भेज दिया। मामले में विजिलेंस थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के एसीपी (हेडक्वार्टर) धर्मपाल सिंह ने 1 सितंबर को विजिलेंस के डीसीपी को शिकायत भेजी थी। शिकायत में बताया गया कि रंजीत नगर थाने में तैनात हेड कॉन्स्टेबल कैलाश चंद मीणा की पत्नी मंजू को 2 दिसंबर 2025 को सागरपुर के अंसारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिसकर्मी के मुताबिक, उनकी पत्नी को 3 दिसंबर को ही अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। इस संबंध में पुलिस को अस्पताल की डिस्चार्ज समरी भी उपलब्ध कराई गई। इसी दस्तावेज में 3 दिसंबर को मरीज को अस्पताल से छुट्टी दिए जाने की जानकारी दर्ज होने की बात सामने आई है। इसके बावजूद अस्पताल की ओर से तैयार किए गए बिल में मरीज की भर्ती की अवधि 2 दिसंबर से 14 दिसंबर तक दिखाई गई। पुलिस के मुताबिक, बिल नंबर 1551 के जरिए अस्पताल ने कुल 4,96,678 रुपये का बिल तैयार कर विभाग को भेजा। यह बिल 13 जनवरी को सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की अकाउंट्स ब्रांच में प्राप्त हुआ। दस्तावेजों में दर्ज भर्ती अवधि और डिस्चार्ज समरी के बीच अंतर सामने आने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। आरोप है कि डिस्चार्ज समरी में दर्ज तारीख के मुकाबले बिल में मरीज को करीब 11 दिन अधिक भर्ती दिखाया गया। पुलिस का कहना है कि उपलब्ध दस्तावेजों और पुलिसकर्मी के बयान में भी इस अवधि को लेकर अंतर सामने आया है। विजिलेंस पुलिस ने इस मामले के अलावा इसी अस्पताल से जुड़े एक अन्य मेडिकल बिल की जांच के आधार पर भी कार्रवाई की है। फिलहाल पुलिस दस्तावेजों, बिल और अस्पताल के रिकॉर्ड की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बिल में भर्ती की अवधि और इलाज से जुड़ी जानकारी किस आधार पर दर्ज की गई। मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। विजिलेंस पुलिस अब अस्पताल के रिकॉर्ड और संबंधित दस्तावेजों की जांच के साथ यह भी पता लगाने में जुटी है कि कथित तौर पर गलत बिल तैयार करने में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं।

'हम बेच रहे हैं पूरा गांव'... महाराष्ट्र के तुलसी में ग्रामीणों ने लगाया पोस्टर, सिंचाई के पानी को लेकर फूटा गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के तुलसी गांव में सिंचाई के पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा खुलकर सामने आया है। ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक पोस्टर लगा दिया, जिस पर लिखा है- 'यह गांव बिक्री के लिए है।' ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से सिंचाई के पानी का इंतजार करने के बावजूद उनकी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। अब हालात ऐसे हैं कि गांव के जलस्रोत सूखने लगे हैं और ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भी टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि बाहर से देखने पर गांव बेचने का पोस्टर भले ही तंज या मजाक जैसा लगे, लेकिन इसके पीछे उनकी लंबे समय से चली आ रही परेशानी और नाराजगी है। तुलसी के सरपंच शरद मोरे ने कहा कि अगर कोई गांव खरीदना चाहता है तो आगे आ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले करीब 25 साल से ग्रामीणों को सिंचाई के पानी की सुविधा दिलाने के आश्वासन दिए जाते रहे हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। तुलसी गांव सीना-माढ़ा लिफ्ट सिंचाई योजना से करीब 9 किलोमीटर दूर है। यह योजना वर्ष 2000 में शुरू की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि योजना इतनी नजदीक होने के बावजूद तुलसी को इसका

पर्याप्त लाभ नहीं मिल पाया। गांव में बड़ी संख्या में खेती होती है और कई किसान नकदी फसलों पर निर्भर हैं। ऐसे में सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने से खेती लगातार प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों के मुताबिक इस साल भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। जुलाई महीने से गांव में पानी टैंकरों के जरिए पहुंचाया जा रहा है। बारिश पर निर्भर रहने वाले किसानों के सामने अब खरीफ फसल के साथ आगे की खेती को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। सरपंच शरद मोरे के मुताबिक मानसून के बाद करीब 2700 हेक्टेयर कृषि भूमि के बंजर होने का खतरा है। जिले के रिकॉर्ड के अनुसार माढ़ा क्षेत्र के कई गांवों में करीब 45 दिनों से बारिश नहीं हुई है। बारिश की कमी के कारण तुलसी के जलाशयों में पानी बेहद कम रह गया है या कई जगह पूरी तरह सूख चुके हैं। गांव के कुएं और परकोलेशन झीलें भी सूखने की स्थिति में हैं। इसका सीधा असर खेती और ग्रामीणों की रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रहा है। पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने गणेश चतुर्थी के दौरान अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल भी शुरू की थी। ग्रामीणों ने तहसीलदार को ज्ञापन देकर अपनी मांगें रखीं। ज्ञापन में प्रशासन पर दबाव बनाने के लिए आत्मदाह की चेतावनी और चुनाव बहिष्कार की बात भी कही गई थी। बाद में महाराष्ट्र के जल संसाधन मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल से बातचीत के बाद ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन वापस ले लिया। विरोध के बाद प्रशासन की ओर से गांव को सिंचाई के नहर नेटवर्क से जोड़ने का भरोसा दिया गया है। सोलापुर के कलेक्टर एस. कार्तिकेयन ने बताया कि सिंचाई विभाग की ओर से तुलसी गांव का हाइड्रोलॉजिकल सर्वे कराया गया है। सर्वे के परिणामों के आधार पर राज्य सरकार को नहर नेटवर्क से जोड़ने का प्रस्ताव भेजा जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें अब सिर्फ आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर काम शुरू होने का इंतजार है। उनका कहना है कि पानी की स्थायी व्यवस्था होने पर ही खेती बच सकेगी और गांव के लोगों को बार-बार टैंकरों के भरोसे नहीं रहना पड़ेगा। फिलहाल 'गांव बिक्री के लिए है' वाला पोस्टर तुलसी के ग्रामीणों की पानी को लेकर वर्षों पुरानी नाराजगी और प्रशासन के सामने उनकी मांग का प्रतीक बन गया है।

महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को बड़ी रफ्तार, 1405 टन का पहला स्टील ब्रिज सफलतापूर्वक लॉन्च

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर के निर्माण कार्य में महाराष्ट्र से बड़ी प्रगति सामने आई है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत महाराष्ट्र के ठाणे जिले में नासिक हाईवे के ऊपर 100 मीटर लंबा और 1405 मीट्रिक टन वजनी स्टील ब्रिज सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया है। यह महाराष्ट्र में इस परियोजना के तहत पूरा किया गया पहला स्टील ब्रिज है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के अनुसार, यह ब्रिज ठाणे जिले के भिवंडी क्षेत्र में दिवे-अंजुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-3 यानी नासिक हाईवे के ऊपर स्थापित किया गया है। हाईवे पर यातायात को कम से कम प्रभावित करने के लिए ब्रिज को रात के समय निर्धारित ट्रैफिक ब्लॉक के दौरान स्थापित किया गया। इस दौरान इंजीनियरों और तकनीकी टीम ने बेहद सावधानी और सटीकता के साथ भारी स्टील संरचना को निर्धारित स्थान तक पहुंचाया। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की कुल लंबाई करीब 508 किलोमीटर है। इस पूरे कॉरिडोर में हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे लाइन और बड़ी नदियों जैसी जगहों को पार करने के लिए कई स्टील ब्रिज बनाए जा रहे हैं। परियोजना में कुल 28 स्टील ब्रिज प्रस्तावित हैं, जिनमें से 16 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र में लॉन्च किए गए इस ब्रिज की खास बात यह है कि इसका निर्माण साइट पर नहीं, बल्कि तमिलनाडु के त्रिची स्थित

एक वर्कशॉप में किया गया। निर्माण स्थल से करीब 1300 किलोमीटर दूर तैयार की गई स्टील संरचना को विशेष ट्रेलरों के जरिए महाराष्ट्र लाया गया। इसके बाद साइट पर अलग-अलग हिस्सों को असेंबल कर ब्रिज को अंतिम रूप दिया गया और निर्धारित स्थान पर स्थापित किया गया। ब्रिज को जमीन से करीब 17.5 मीटर की ऊंचाई पर अस्थायी ट्रेस्टल्स पर असेंबल किया गया। इसके लिए 22 स्किड अरेंजमेंट और 54,076 टीटीएचएसबी का इस्तेमाल किया गया। संरचना को स्थापित करने के दौरान भारी वजन को नियंत्रित करने और उसे सही स्थिति में पहुंचाने के लिए विशेष तकनीकी व्यवस्था अपनाई गई। ब्रिज की मजबूती और लंबे समय तक टिकाऊ क्षमता को ध्यान में रखते हुए इसमें सी5 प्रोटेक्टिव पेंटिंग सिस्टम और इलास्टोमेरिक बेयरिंग्स का इस्तेमाल किया गया है। असेंबली का काम पूरा होने के बाद ब्रिज को 2 हॉलो जैक्स की मदद से निर्धारित स्थान पर खींचकर स्थापित किया गया। प्रत्येक जैक की क्षमता 150 मीट्रिक टन बताई गई है। इसके साथ प्री-टेंशन किए गए मैकअलॉय बार्स और स्वचालित तकनीक का भी इस्तेमाल किया गया। इस स्टील ब्रिज की लंबाई 100 मीटर, मुख्य संरचना का वजन 1405 मीट्रिक टन, ऊंचाई करीब 14 मीटर और चौड़ाई 14 मीटर है। इतनी भारी संरचना को व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग के ऊपर स्थापित करना परियोजना की इंजीनियरिंग क्षमता और निर्माण तकनीक के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। स्टील ब्रिज का इस्तेमाल उन स्थानों पर किया जाता है जहां लंबे स्पैन की जरूरत होती है। हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे लाइन और बड़ी नदियों के ऊपर बुलेट ट्रेन के ट्रैक को ले जाने के लिए इस तरह की संरचनाएं उपयोगी होती हैं। इनके जरिए नीचे मौजूद यातायात या अन्य बुनियादी ढांचे को प्रभावित किए बिना ऊपर हाई-स्पीड रेल लाइन तैयार की जा सकती है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण में गुजरात के बाद अब महाराष्ट्र में भी काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। परियोजना के गुजरात हिस्से में भी कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार, गुजरात में बुलेट ट्रेन सेवा का संचालन पहले शुरू करने की तैयारी है, जबकि इसके बाद परियोजना के बाकी हिस्सों को आगे बढ़ाया जाएगा। महाराष्ट्र में पहले स्टील ब्रिज की लॉन्चिंग के साथ परियोजना के इस हिस्से में एक और महत्वपूर्ण चरण पूरा हुआ है। अब निर्माण एजेंसियों का फोकस कॉरिडोर के बाकी हिस्सों में पुल, वायाडक्ट, स्टेशन और अन्य हाई-स्पीड रेल ढांचे से जुड़े कार्यों को निर्धारित समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ाने पर है।

महाराष्ट्र में गर्भवती महिला की बेरहमी से हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धुले। महाराष्ट्र के धुले जिले में एक गर्भवती महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने पहले बीड में महिला के साथ मारपीट कर उसे बेहोश किया और बाद में उसे धुले के गरताडबारी इलाके में ले जाकर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस घटना में महिला की मौत हो गई। मामले में 2 आरोपी अब भी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कुछ दिन पहले गरताडबारी इलाके में एक महिला का जला हुआ शव मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए मोहाड़ी पुलिस और स्थानीय अपराध शाखा की टीम ने जांच शुरू की। पुलिस ने हाईवे और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की करीब 11 घंटे तक लगातार जांच की। इसी दौरान एक हुंडई मोबिलियो कार संदिग्ध नजर आई, जिसका

नंबर एमएच 43/एआर 4070 बताया गया है। पुलिस ने कार को जांच का अहम सुराग बनाया और इसके आधार पर धाराशिव तथा अहिल्यानगर में दबिश दी। जांच के दौरान कला केंद्र में काम करने वाली 2 महिलाओं समेत 4 लोगों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरफराज उर्फ शफीक अलीम मोमिन (38), निवासी धाराशिव, आरिफ उर्फ खुज्या आसिफ शेख (31), निवासी धाराशिव, स्वाती उर्फ आरती गणेश कुराडे (28), निवासी अहिल्यानगर और लक्ष्मी बालाजी पवार (30), निवासी धाराशिव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, फारुख शेख, निवासी धाराशिव और रोहिणी जाधव, निवासी छत्रपति संभाजीनगर की तलाश की जा रही है। मृतका की पहचान 31 वर्षीय पिंकी हनुमंत काटकर, निवासी रायगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि कथित तौर पर कला केंद्र से जुड़े अंदरूनी विवाद को लेकर आरोपियों और महिला के बीच विवाद था। पुलिस का कहना है कि इसी विवाद के चलते महिला को निशाना बनाया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने बीड में गर्भवती महिला के साथ मारपीट की और उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद वे उसे लेकर राजस्थान की ओर जा रहे थे। रास्ते में धुले के गरताडबारी इलाके में आरोपियों ने कथित तौर पर महिला पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव की पहचान कराने के साथ आरोपियों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज और वाहन की जानकारी को आधार बनाया।

मुंबई पुलिस से CJP को झटका, शिवाजी पार्क में 2 अक्टूबर के प्रदर्शन की अनुमति नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों को लेकर 2 अक्टूबर यानी गांधी जयंती के दिन मुंबई में प्रदर्शन की तैयारी कर रही कॉकरोच जनता पार्टी को मुंबई पुलिस ने शिवाजी पार्क में प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने संगठन को किसी दूसरे स्थान पर प्रदर्शन के लिए संबंधित थाने या पुलिस मुख्यालय में अनुमति लेने की सलाह दी है। सीजेपी की ओर से 2 अक्टूबर को शाम 3 बजे से 5 बजे तक दादर स्थित शिवाजी पार्क में प्रदर्शन के लिए अनुमति मांगी गई थी। पुलिस की ओर से भेजे गए पत्र में कहा गया कि शिवाजी पार्क में सभा या कार्यक्रम की अनुमति देने का अधिकार मुंबई पुलिस के पास नहीं है। पुलिस ने इस संबंध में उच्च न्यायालय के 4 जनवरी 2013 के आदेश और महाराष्ट्र सरकार के 20 जनवरी 2016 के निर्णय का हवाला दिया है। पुलिस ने शिवाजी पार्क को शांत क्षेत्र बताते हुए प्रदर्शन के दौरान ध्वनि प्रदूषण की आशंका जताई है। इसके अलावा बड़े प्रदर्शन के कारण आसपास की सड़कों पर यातायात प्रभावित होने और अस्पतालों तक आने-जाने वाले लोगों को परेशानी होने की संभावना भी बताई गई है। मुंबई पुलिस ने सीजेपी को सलाह दी है कि वह मुंबई में किसी अन्य स्थान का चयन कर वहां प्रदर्शन के लिए संबंधित पुलिस थाने या पुलिस मुख्यालय में आवेदन करे। वैकल्पिक स्थान के लिए दिए जाने वाले आवेदन पर नियमों के अनुसार विचार किया जाएगा। पुलिस के फैसले के बाद सीजेपी की ओर से अभिजीत दीपके ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यदि संगठन को प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई तो गांधी जयंती के दिन मुंबई में जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने पुलिस के फैसले को नागरिकों की आवाज दबाने की कोशिश बताया। सीजेपी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कई आरोप लगाए गए हैं और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए हैं। संगठन ने इन्हीं मुद्दों को लेकर 2 अक्टूबर को प्रदर्शन की घोषणा की थी। अब शिवाजी पार्क में अनुमति नहीं मिलने के बाद सीजेपी के सामने वैकल्पिक स्थान का विकल्प है। संगठन की ओर से आजाद मैदान में प्रदर्शन के लिए अनुमति मांगे जाने की बात कही जा रही है। फिलहाल प्रशासन की ओर से वैकल्पिक स्थान पर अनुमति को लेकर फैसला सामने आना बाकी है।

एलपीयू में छात्रों के उग्र प्रदर्शन और तोड़फोड़ के बीच प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- महाराष्ट्र के भी बच्चे पढ़ते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में छात्रा के कथित यौन उत्पीड़न की अफवाह के बाद शुरू हुआ छात्रों का प्रदर्शन अब हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी तक पहुंच गया है। रविवार देर रात एक बार फिर परिसर में हालात बिगड़ने के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने मिड सेमेस्टर परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं। यूनिवर्सिटी और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए करीब 2000 पुलिसकर्मियों की तैनाती किए जाने की बात सामने आई है। बिगड़ते हालात के बीच शिवसेना यूबीटी नेता और राज्यसभा की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने छात्रों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी परिसर में जो कुछ हो रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि छात्रों की मांगों को यूनिवर्सिटी प्रशासन को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनकी शिकायतों पर तुरंत तथा उचित तरीके से कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह से प्रदर्शन हिंसक हुआ है, उससे छात्रों और उनके परिवारों में चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। प्रियंका चतुर्वेदी ने महाराष्ट्र से एलपीयू में पढ़ने वाले छात्रों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि पंजाब में पढ़ने वाले महाराष्ट्र के कई विद्यार्थियों के माता-पिता इस समय चिंतित हैं और यह जानना चाहते हैं कि उनके बच्चे सुरक्षित हैं या नहीं। उन्होंने पंजाब सरकार की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने परिसर में हुई हिंसा के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित होने की घटना की भी जांच की जरूरत बताई। उनके मुताबिक, छात्रों की सुरक्षा के साथ-साथ यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि हालात इस स्तर तक कैसे पहुंचे और हिंसा के पीछे वास्तविक घटनाक्रम क्या था। शनिवार रात से शुरू हुआ प्रदर्शन रविवार को और उग्र हो गया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने दिल्ली-अमृतसर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया, जिसके कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। परिसर के भीतर तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं के बाद पुलिस की तैनाती बढ़ाई गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन और पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालात को देखते हुए लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी प्रशासन ने 28 सितंबर 2026 से अगले 10 दिनों के लिए नियमित कक्षाएं निलंबित करने का फैसला किया है। इसके साथ ही निर्धारित मिड सेमेस्टर परीक्षाओं को भी अगले आदेश तक स्थगित कर दिया गया है। प्रशासन ने छात्रों से हॉस्टल खाली करने की अपील भी की है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने छात्रा के कथित यौन उत्पीड़न से जुड़े दावों को पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत बताया है। एलपीयू की रजिस्ट्रार डॉ. मोनिका गुलाटी के अनुसार, इस तरह के दावे यूनिवर्सिटी की छवि खराब करने की जानबूझकर की गई कोशिश हैं। प्रशासन की ओर से छात्रों से अफवाहों पर भरोसा नहीं करने और शांति बनाए रखने की अपील की गई है। वहीं, छात्रों के प्रदर्शन के दौरान सामने आई हिंसा और आगजनी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। विश्वविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अलग-अलग राज्यों से पढ़ने आते हैं।

डीआरडीओ का हल्के 'बुलेटप्रूफ' कांच के लिए सीजीसीआरआई से समझौता

50 करोड़ की परियोजना, बख्तरबंद वाहनों के लिए आयात विकल्प

कोलकाता ।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बख्तरबंद वाहनों के लिए स्वदेशी, उन्नत एवं हल्के बुलेटप्रूफ कांच के विकास हेतु सीएसआईआर-केंद्रीय कांच एवं सिरेमिक अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीजीसीआरआई) के साथ 50 करोड़ रुपये की एक बड़ी परियोजना के लिए हाथ मिलाया है। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य आयातित पारदर्शी कवच का प्रभावी विकल्प तैयार करना और उसके वजन तथा मोटाई को मौजूदा स्तर से 50 प्रतिशत तक कम करना है। चार साल की यह परियोजना वर्तमान में उन्नत चरण में है। इसमें महाराष्ट्र स्थित नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल) और चंडीगढ़ स्थित टीबीआरएल सहित डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाएं भी सहयोग कर रही हैं। परियोजना का अगला चरण प्रयोगशाला स्तर के विकास से बड़े पैमाने पर विनिर्माण तक प्रौद्योगिकी को ले जाने के लिए डीआरडीओ द्वारा चुने गए उद्योग साझेदार के साथ काम करना होगा। सीएसआईआर-सीजीसीआरआई के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि यह परियोजना रक्षा क्षेत्र के लिए उन्नत स्वदेशी बुलेटप्रूफ कांच प्रौद्योगिकी विकसित करेगी, जो भारत की रणनीतिक जरूरतों को सीधे संबोधित करती है। कोलकाता स्थित संस्थान के अधिकारियों ने पुष्टि की कि लक्ष्य ऐसे उन्नत पारदर्शी ग्लास-सिरेमिक विकसित करना है, जो पारंपरिक कवच की तुलना में काफी हल्के और पतले होने के साथ-साथ कई गोलियों से सुरक्षा प्रदान कर सकें।

गोदरेज प्रॉपर्टीज का मुंबई में 6000 करोड़ का मेगा-प्लान!

दक्षिण मुंबई के मरीन लाइंस में 2.5 एकड़ भूमि पर विकसित होगी प्रीमियम आवासीय परियोजना

मुंबई ।

रियल एस्टेट सेक्टर की अग्रणी कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने अपनी विस्तार योजनाओं को गति देते हुए मुंबई के प्रमुख लक्जरी रियल एस्टेट बाजार में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने दक्षिण मुंबई के मरीन लाइंस में 2.5 एकड़ में एक प्रीमियम आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए एक समझौते की घोषणा की है, जिससे उसे अनुमानित 6,000 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि यह परियोजना संयुक्त रूप से विकसित की जाएगी और यह उसके पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। जीपीएल के एक प्रमुख अ धिकारी ने मुंबई को कंपनी के लिए एक प्रमुख बाजार बताया, जहां प्रीमियम और लक्जरी परियोजनाओं को लगातार मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। यह विकास ऐसे समय में आया है जब मुंबई का लक्जरी आवास बाजार मजबूती से बढ़ रहा है। संपत्ति सलाहकार इंडिया सोथबीज इंटरनेशनल रियल्टी और सीआरई मैट्रिक्स के अनुसार, इस साल की पहली छमाही में 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक कीमत वाले लक्जरी मकानों की बिक्री 12 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 18,512 करोड़ रुपये हो गई है।

कटाई से पहले धान की फसल पर मौसम की मार, किसानों को दोहरी चिंता

दयालपुर में तैयार खड़ी फसल खेतों में बिछी, किसान पैदावार घटने और मंडी में रेट कम मिलने से परेशान

फरीदाबाद ।

फरीदाबाद के दयालपुर गांव में पिछले दिनों हुई भारी बारिश और तेज हवाओं ने किसानों की तैयार खड़ी धान की फसल को खेतों में बिछा दिया है।

कटाई से महज 10-15 दिन पहले हुए इस नुकसान से किसान गहरे सदमे में हैं और उन्हें पैदावार में कमी तथा मंडी में फसल का सही दाम न मिलने की दोहरी चिंता सता रही है। किसानों का कहना है कि साल की शुरुआत में गेहूं की फसल को भी आखिरी दौर में मौसम की मार झेलनी पड़ी थी, और अब धान के साथ भी ऐसी ही स्थिति सामने आई है। दयालपुर गांव के एक किसान ने कहा कि रात में तेज बारिश के साथ आंधी चलने से उनकी 4 एकड़ में लगी 1509 किस्म की धान की फसल पूरी तरह खेत में बिछ गई है। वे करीब 40 प्रतिशत नुकसान का अनुमान लगा रहे हैं। धान की खेती में प्रति एकड़ लगभग 20 हजार रुपये की लागत आती है और फसल लगभग पककर तैयार थी। यदि 15 से 20 दिन और मौसम ठीक रहता तो धान की कटाई कर उसे मंडी पहुंचाया जा सकता था। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि खेत में नीचे गिरे दाने ठीक से नहीं पक पाएंगे और कुछ काले भी पड़ सकते हैं। इससे न केवल पैदावार कम होगी, बल्कि मंडी में उचित रेट भी नहीं मिल पाएगा।

शेयर बाजार में हाहाकार! सेंसेक्स 1000 अंक टूटा, निफ्टी 23000 पर

चंद मिनटों में ही निवेशकों के 4.3 लाख करोड़ डूबे

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुरी तरह गिरे। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं बाजार पर हावी रहीं। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। विदेशी पूंजी की निकासी ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान निवेशकों के मनोबल को चोट पहुंचाई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 730 अंक गिरकर 73,170.12 पर आ गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 231.50 अंक टूटकर 22,908.95 पर पहुंच गया। सुबह 10 बजकर 45 मिनट पर सेंसेक्स 1,010.46 अंकों की गिरावट के साथ 72,885.28 के स्तर पर जबकि निफ्टी 309.66 अंकों की गिरावट के साथ 22,830.85 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इस बड़ी गिरावट के चलते निवेशकों को चंद मिनटों में ही लगभग 4.3 लाख करोड़ रुपये का भारी नुकसान उठाना पड़ा। बाजार ट्रंप और कच्चे तेल का खेल बाजार में इस तीव्र गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप का ईरान के साथ हुए सात-दिवसीय समझौते को अस्वीकार करना है। ईरान ने अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी हटाने के बदले महत्वपूर्ण शिपिंग रूट होर्मुज जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने का प्रस्ताव रखा था, जिसे ट्रंप ने ठुकरा दिया। इस फैसले के बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें फिर से बढ़ गईं। इस गिरावट के अन्य कारणों में विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी ब्याज दरों का दबाव भी शामिल है।

सोने-चांदी के दाम धड़ाम, एमसीएक्स पर भारी गिरावट

चांदी हुई 6000 रुपए सस्ती, सोना भी लगभग 1.39 लाख रुपए प्र ति 10 ग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को भारी गिरावट दर्ज की गई है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों कीमती धातुएं बड़ी गिरावट के साथ कारोबार कर रही हैं, जिससे खरीदारों के लिए यह एक अच्छा मौका बन सकता है। एमसीएक्स पर सोने का भाव 2721 रुपये गिरकर 148160 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। वहीं चांदी भी 6000 रुपये से ज्यादा फिसलकर 228700 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं की चमक फीकी पड़ी है। कॉमैक्स पर सोना 2.06 फीसदी गिरकर 4232 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है, जबकि चांदी 3 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ 62 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही है। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब हाल के महीनों में सोने में उतार-चढ़ाव देखा गया है; जुलाई-अगस्त में करीब 11 फीसदी की तेजी के बाद सितंबर में इसकी कीमत लगभग 6 फीसदी गिर चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक कारकों और बाजार के दबाव के चलते इन कीमती धातुओं के दाम प्रभावित हुए हैं। जो लोग सोने-चांदी में निवेश या खरीददारी का मन बना रहे हैं, उनके लिए यह मौजूदा दरें आकर्षक हो सकती हैं।

आईआरडीएआई का बीमा बिक्री पर शिकंजा, ग्राहक हित में बदलेंगे नियम

ऊंचे कमीशन, डार्क पैटर्न और जबरन बंडलिंग पर लगेगी रोक

नई दिल्ली ।

ग्राहकों को गलत बीमा उत्पाद बेचने (मिस-सेलिंग) पर लगाम कसने के लिए बीमा नियामक आईआरडीएआई ने कमर कस ली है। नियामक ने एक कंसल्टेशन पेपर जारी किया है, जिसमें एजेंटों को मिलने वाले भारी शुरुआती कमीशन, ऑनलाइन बिक्री के डार्क पैटर्न और लोन के साथ जबरन बीमा बेचने जैसी कई समस्याओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त बदलावों का प्रस्ताव किया गया है। इसका उद्देश्य ग्राहक हितों की रक्षा और उद्योग में पारदर्शिता बढ़ाना है।

आईआरडीएआई के एक अ धिकारी ने उच्च शुरुआती कमीशन (40-50 फीसदी तक) को मिस-सेलिंग की वजह बताया है। प्रस्तावित व्यवस्था में पहले साल के कमीशन को कम कर इसका एक हिस्सा पॉलिसी के रिन्यू होने पर देने की बात कही गई है। इससे एजेंट ग्राहकों से लंबे समय तक जुड़े रहेंगे। गलत तरीके से बेचने वाले एजेंटों व डिस्ट्रीब्यूटर्स पर नजर रखने को सार्वजनिक इंश्योरेंस रजिस्ट्री का भी प्रस्ताव है। नियामक ने लोन के साथ जबरन बीमा बेचने और ऑनलाइन बीमा खरीदारी में इस्तेमाल होने वाले डार्क पैटर्न (जैसे प्रीमियम जानने के लिए अनिवार्य मोबाइल नंबर) पर भी चिंता जताई है, जिन पर शिकंजा कसा जाएगा। आईआरडीएआई का मानना है कि इन बदलावों से बीमा कंपनियों की लागत में कमी आएगी, जिसका लाभ बेहतर रिटर्न और क्लेम रेशियो के रूप में ग्राहकों तक पहुंचेगा। नए नियम 1 जनवरी या 1 अप्रैल 2027 से लागू हो सकते हैं।

अमेरिका से भारत को राहत, एल्युमिनियम कैन स्टॉक पर आंशिक शुल्क हटे

वॉशिंगटन ।

वाणिज्य विभाग ने भारत समेत कई देशों से आयात होने वाले कुछ खास एल्युमिनियम कैन स्टॉक पर लागू एंटी-डंपिंग और काउंटरवेलिंग ड्यूटी से आंशिक रूप से पाबंदियां हटा दी हैं। विभाग ने बदले हुए हालात की अपनी समीक्षा के अंतिम नतीजों की घोषणा की, जिसके तहत यह फैसला 24 सितंबर से लागू माना जाएगा। यह कदम भारतीय एल्युमिनियम निर्यातकों के लिए एक बड़ी राहत है, जिससे अमेरिकी बाजार में उनकी पहुंच आसान होगी। यह आंशिक छूट उन एल्युमिनियम स्टॉक पर लागू होगी जो विशेष रूप से पेय पदार्थों के कैन, कैन के ढक्कन और कैन खोलने के लिए इस्तेमाल होने वाले टैब बनाने के लिए उपयुक्त हैं। हालांकि, इसका यह मतलब नहीं है कि सभी कॉमन अलॉय एल्युमिनियम शीट पर लगे व्यापारिक शुल्क खत्म कर दिए गए हैं; व्यापक एंटी-डंपिंग और अन्य व्यापारिक शुल्क अभी भी लागू रहेंगे। उत्पाद की पात्रता उसके लिखित तकनीकी विवरण के आधार पर तय की जाएगी, न कि अमेरिकी टैरिफ सिस्टम में उसकी कैटेगरी के आधार पर। यह फैसला भारत के अलावा बहरीन, ब्राजील, क्रोएशिया, मिस्र, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, ओमान, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, ताइवान और तुर्किये से आने वाली एल्युमिनियम शीट से जुड़े मौजूदा आदेशों पर भी असर डालेगा। चीन से आयात होने वाली एल्युमिनियम शीट पर भी अलग से असर होगा। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने यह समीक्षा तब शुरू की थी जब अमेरिका की एल्युमिनियम इंडस्ट्री

के कुछ सदस्यों ने कैन बनाने में इस्तेमाल होने वाले एल्युमिनियम स्टॉक को मिलने वाली छूट के नियमों को स्पष्ट करने की मांग की थी। इंडस्ट्री ने तर्क दिया था कि तय शर्तों को पूरा करने वाले एल्युमिनियम कैन स्टॉक को हमेशा से इन व्यापारिक शुल्कों के दायरे से बाहर रखने का इरादा था। यह राहत न केवल भविष्य के आयात पर लागू होगी, बल्कि उन पुराने योग्य आयातों पर भी लागू होगी जिन पर अमेरिकी कस्टम अधिकारियों ने अभी अंतिम रूप से शुल्क तय नहीं किया है। वाणिज्य विभाग के मुताबिक, आंशिक छूट उस तारीख से लागू होगी जब इन सामानों की अंतिम कस्टम प्रक्रिया को रोकना शुरू किया गया था।

यह भारत जैसे एल्युमिनियम उत्पादकों और निर्यातकों के लिए एक सकारात्मक विकास है, जिनके उत्पाद अमेरिका के मेटल आयात से जुड़ी व्यापार नीतियों से प्रभावित होते रहे हैं।

अक्टूबर में 16 दिन बैंकों में रहेगा कामकाज ठप!

नई दिल्ली ।

अक्टूबर का महीना त्योहारों और छुट्टियों की सौगात लेकर आ रहा है। ऐसे में अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अपनी योजना सावधानी से बनाएं, क्योंकि अक्टूबर में देशभर के बैंकों में कुल 16 दिनों की छुट्टी रहने वाली है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आधिकारिक हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार ये छुट्टियां विभिन्न राज्यों में स्थानीय पर्वों और साप्ताहिक अवकाश के कारण होंगी, जिससे बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। आरबीआई के कैलेंडर के मुताबिक अक्टूबर में कुल 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। इन छुट्टियों में 6 साप्ताहिक अवकाश (रविवार, दूसरे और चौथे शनिवार) शामिल हैं। बाकी 10 छुट्टियां विभिन्न राज्यों और सर्कलों में स्थानीय त्योहारों जैसे महात्मा गांधी जयंती (2 अक्टूबर, पूरे देश में), महालया अमावस्या, दुर्गा पूजा (महा सप्तमी, महा अष्टमी, महानवमी), दशहरा (विजयादशमी), लक्ष्मी पूजा, करवा चौथ और सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के कारण होंगी। उदाहरण के लिए, दुर्गा पूजा और दशहरा के चलते 19 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक अगरतला, कोलकाता, बेंगलुरु, पटना, चेन्नई और गुवाहाटी सहित कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। वहीं 29 अक्टूबर को करवा चौथ के अवसर पर शिमला में और 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर अहमदाबाद में बैंक कामकाज प्रभावित होगा। ग्राहकों को सलाह दी जाती है कि वे बैंक शाखा जाने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर अपने राज्य की छुट्टियों की सूची अवश्य जांच लें, ताकि किसी भी असुविधा से बचा जा सके।

1 अक्टूबर से एलपीजी सब्सिडी के लिए बायोमेट्रिक आधार सत्यापन अनिवार्य

बिना ई-केवाईसी या बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन के नहीं मिलेगी सब्सिडी

नई दिल्ली ।

1 अक्टूबर से घरेलू एलपीजी सिलेंडर के लिए सब्सिडी के नियमों में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अब सब्सिडी का लाभ उठाने के लिए बायोमेट्रिक आधार ऑथेंटिकेशन (बीएए) को अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही, दिल्ली में 14.2 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत 942 रुपये पर स्थिर बनी हुई है। मंत्रालय के नए नियम के अनुसार जिन उपभोक्ताओं ने अभी तक अपनी ई-केवाईसी या बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन पूरा नहीं किया है, उन्हें 1 अक्टूबर से मिलने वाली सरकारी सब्सिडी बंद कर दी जाएगी। हालांकि, आपका गैस कनेक्शन चालू रहेगा और सिलेंडर की डिलीवरी भी होती रहेगी, लेकिन आपको सब्सिडी वाले रेट पर नहीं, बल्कि बाजार भाव पर सिलेंडर खरीदना होगा।

फिलहाल, 28 सितंबर को दिल्ली में 14.2 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 942 रुपये और 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 2747.50 रुपये में बिक रहा है, जो पहले के स्तर पर बरकरार हैं। वहीं दूसरी ओर एशियाई बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में 1 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

स्टॉक मार्केट में यूपीआई भुगतान पर नया एमडीआर, ब्रोकरों पर पड़ेगा बोझ

एनएसई ने सरकार से बातचीत की खबरों को नकारा, ब्रोकरों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में यूपीआई के माध्यम से होने वाले भुगतानों पर अब नया मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होगा। 15 अक्टूबर से प्रभावी होने वाला यह नियम शेयर, सिक्योरिटीज, म्यूचुअल फंड और स्टॉक ब्रोकर से जुड़े लेनदेन पर 0.02 फीसदी एमडीआर लगाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति लेनदेन 300 रुपये होगी। यह शुल्क सीधे ग्राहक से न लेकर भुगतान प्राप्त करने वाले ब्रोकरों और संबंधित कंपनियों पर लागत का बोझ डालेगा। यह एमडीआर भुगतान प्राप्त करने वाले मर्चेंट या ब्रोकर की लागत होती है, जिससे ब्रोकरों के सामने एक अतिरिक्त लागत का सवाल खड़ा हो गया है। विशेष रूप से तब, जब कोई ग्राहक यूपीआई के जरिए पैसे जमा करता है, लेकिन बाद में उन पैसों से कोई शेयर नहीं खरीदता, ऐसी स्थिति में भी ब्रोकर को एमडीआर का खर्च उठाना पड़ सकता है। हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एक प्रमुख अ धिकारी ने स्पष्ट किया है कि एमडीआर को लेकर उनकी सरकार से कोई बातचीत नहीं हुई है। उनके अनुसार इस नए शुल्क

का व्यावहारिक समाधान ब्रोकर और ग्राहकों को मिलकर निकालना होगा। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नियम बाजार प्रतिभागियों और ग्राहकों को किस तरह प्रभावित करता है।

तत्काल पैसों की जरूरत? एफडी तोड़ने से बेहतर है उस पर लोन लेना

नई दिल्ली ।

अचानक वित्तीय जरूरत पड़ने पर फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) मालिकों के सामने एफडी तोड़ने या उसके बदले लोन लेने का विकल्प होता है। वित्तीय विशेषज्ञ एफडी को बरकरार रखते हुए उस पर लोन लेने को एक स्मार्ट वित्तीय निर्णय मानते हैं, जिससे आप पेनल्टी और ब्याज के नुकसान से बचते हैं।

अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर फिक्स्ड डिपॉजिट के मालिक अक्सर दुविधा में होते हैं कि इसे तोड़ें या इसके बदले लोन लें। वित्तीय विशेषज्ञ मानते हैं कि एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से बचने के लिए उस पर लोन लेना एक समझदारी भरा विकल्प है। मान लीजिए आपको 3 लाख रुपये चाहिए और आपके पास 5 लाख रुपये की 7 फीसदी ब्याज वाली एक साल की एफडी है। यदि आप 6 महीने बाद एफडी तोड़ते हैं, तो बैंक पेनल्टी के साथ ब्याज दर घटाकर 5 फीसदी प्रभावी कर सकता है, जिससे आपको लगभग 12,500 रुपये ब्याज मिलेगा। यह पूर्ण अवधि के 35,000 रुपये के संभावित ब्याज से काफी कम है।

ईपीएफओ की नई वेतन सीमा 25,000, समझें पीएफ कटौती के असली नियम

भ्रम में न रहें: ईपीएफ कटौती नए नियमों में कैसे होगी, समझें बारीकी

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ, पेंशन और बीमा के लिए अनिवार्य वैधानिक वेतन सीमा को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। सितंबर 2014 के बाद हुए इस अहम बदलाव को लेकर कर्मचारियों के बीच बड़े पैमाने पर भ्रम फैल गया है। अधिकांश लोग मान रहे हैं कि 25,000 रुपये तक कमाने वाले हर व्यक्ति के मूल वेतन से 12 फीसदी यानी 3,000 रुपये कटने लगेंगे, लेकिन यह सही नहीं है। पीएफ की गणना हमेशा सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत तय वेतन पर होती है, जिसमें मुख्य रूप से मूल वेतन और महंगाई भत्ता (डीए) शामिल होता है। यदि किसी कर्मचारी का वास्तविक वेतन (मूल वेतन+डीए) 15,000 रुपये ही है, तो उसका अंशदान 1,800 रुपये ही कटता रहेगा, भले ही उसकी कुल सैलरी अधिक हो। असली बदलाव उन कर्मचारियों पर आएगा जिनका वास्तविक वेतन 15,000 रुपये से ऊपर और 25,000 रुपये के बीच है। उदाहरण के लिए, 20,000 रुपये के मूल वेतन+डीए पर अब 2,400 रुपये कटेंगे, जो पहले के 1,800 रुपये से अधिक है। नई 25,000 रुपये की सीमा केवल यह तय करने के लिए है कि किसे अनिवार्य पीएफ दायरे में लाना है। इसका मतलब यह नहीं कि 30,000 रुपये या इससे अधिक कमाने वाले कर्मचारी का पूरा पीएफ 25,000 पर कटेगा। 25,000 रुपये से ऊपर के मामलों में कर्मचारियों की पुरानी स्थिति और नियमों को देखा जाएगा। पुराने सदस्य जिनकी सैलरी बढ़ी है, उनकी सदस्यता समाप्त नहीं होगी। कंपनियों के लिए यह एक अतिरिक्त वैधानिक लागत है। उन्हें अपनी पे-रोल प्रणाली तुरंत अपडेट करनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि वे बढ़ी हुई पीएफ देनदारी का बोझ कर्मचारियों की टेक-होम सैलरी घटाकर न थोपें।

देश के 7 शहरों में घरों की बिक्री में उछाल, त्योहारी सीजन से और उम्मीदें

अनारॉक की रिपोर्ट के मुता बिक जुलाई-सितंबर में 3 फीसदी बढ़कर 1 लाख से अधिक हुई बिक्री

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट सलाहकार अनारॉक की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई-सितंबर तिमाही में देश के सात प्रमुख शहरों में मकानों की बिक्री में सालाना आधार पर तीन प्रतिशत का उछाल आया है, जिससे यह आंकड़ा एक लाख इकाई को पार कर गया है। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु और हैदराबाद में मजबूत मांग इस वृद्धि की मुख्य वजह रही। आंकड़ों के मुताबिक, समीक्षाधीन अवधि में कुल 1,00,220 आवासीय इकाइयां बिकीं, जो पिछले साल की 97,080 इकाइयों से अधिक हैं। मूल्य के लिहाज से भी बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपये रही। इन शहरों में आवासीय संपत्तियों की औसत कीमतों में सामूहिक रूप से सात प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। एमएमआर, बेंगलुरु और हैदराबाद में बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जबकि दिल्ली-

एनसीआर, पुणे, चेन्नई और कोलकाता में गिरावट आई। हालांकि, इस बीच एक रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स कंपनी ने इसी तिमाही में कुल बिक्री में छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज करने की बात कही है, जो अनारॉक के आंकड़ों से भिन्न है। इसके बावजूद अनारॉक की रिपोर्ट सकारात्मक है, जिसमें बताया गया है कि नई आवासीय इकाइयों की पेशकश में 18 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 1,14,320 इकाई तक पहुंच गई। अनारॉक के एक अ धिकारी ने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए आवासीय मांग में और तेजी आने की उम्मीद जताई है, जिससे यह सकारात्मक गति बनी रहेगी।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

पर्सनल स्पेस में प्रोफेशनल लाइफ हो रही है हावी तो इन टिप्स को करें फॉलो

वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग मॉडल के चलते प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ खराब होने लगी है। कंपनी को ऐसा लगता है कि वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के कारण वह अपने इंप्लाई को कभी भी फोन कर सकते हैं और उन्हें कभी भी काम करने को कह सकते हैं। ऐसे में मजबूरी में अपनी नौकरी को बचाने के लिए इंप्लाई को ओवरटाइम काम करना पड़ता है। यहीं कारण है जिसके कारण पर्सनल लाइफ के लिए आजकल के युवा को समय नहीं मिलता है और उनकी लाइफ में दिक्कत आने लगती हैं। हालांकि कुछ टिप्स को अपनाकर आप भी अपने पर्सनल और प्रोफेशनल जीवन को अलग रख सकते हैं।

शेड्यूल बनाएं

अगर आप वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग के तौर पर काम कर रहे हैं तो आपको समय पर लॉग इन करना चाहिए और समय पर ही लॉग आउट करना चाहिए। अगर आपका बॉस आपको रोजाना ओवरटाइम काम करने को कह रहा है तो आपको उसकी शिकायत करनी चाहिए।

ब्रेक लें

वर्क-फ्रॉम-होम और हाइब्रिड वर्किंग में आपको काम के साथ बीच- बीच में ब्रेक लेते रहना चाहिए। आधे घंटे का ब्रेक लेकर आप खुद के काम को कर सकते हैं। इससे आपको खुद के लिए भी समय मिलता रहेगा।

परिवार के लिए समय

कई बार ऑफिस का काम होने के बाद लोग अपने फोन यानी सोशल मीडिया में व्यस्त हो जाते हैं। हालांकि आपको स्क्रीन टाइम कम करने पर ध्यान देना चाहिए। बचा हुआ समय आपको परिवार को देना चाहिए या फिर आप नई चीजों को सीखने के लिए भी समय निकाल सकते हैं।

काउंसलिंग लें

अगर आप इन चीजों को फॉलो करने के बाद भी अपनी प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस से अलग नहीं रख पा रहे हैं तो आपको काउंसलिंग लेने की जरूरत है। काउंसलिंग की मदद से आप अपने प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल स्पेस में हावी नहीं होने देगें।

नाश्ते में बनाएं राजस्थानी वड़ा गलगल का अचार और पौष्टिक चीला

गलगल का अचार

क्या चाहिए – गलगल- 2 किलो, हरी मिर्च- 250 ग्राम, अदरक- 250 ग्राम, सरसों का तेल- 200 मि.ली, कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर- 2 बड़े चम्मच, हल्दी पाउडर- 1 बड़ा चम्मच, हींग- 1/2 छोटा चम्मच, अजवाइन- 2 बड़े चम्मच, मेथी दाना- 1 बड़ा चम्मच, काला नमक- 2 बड़े चम्मच, सादा नमक- 1 बड़ा चम्मच, शक्कर- 200 ग्राम।

ऐसे बनाएं – एक बड़े बर्तन में पानी को तेज़ आंच पर गर्म करें। उबाल आने पर साबुत गलगल (नींबू) डालकर 3-4 मिनट उबालें। पानी निथारकर गलगल को पोंछकर सुखा लें। इनको एक इंच के टुकड़ों में काट लें और बीज निकाल दें। हरी मिर्च को एक इंच टुकड़ों में काटें। अदरक के भी एक इंच लंबे कतरे करें। पैन में सरसों का तेल मध्यम से तेज़ आंच पर गर्म करें। जब इसमें से धुआं निकलने लगे तो इसे आंच से हटा दें। तेल को दस मिनट तक ठंडा करें। इसमें लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर, हींग, अजवाइन, मेथी दाने, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर इसमें डालें गलगल, अदरक और हरी मिर्च। अच्छी तरह से मिलाकर जार में भरें। जार को 15-20 दिन के लिए धूप में रखें जब इसका रंग गहरा और नींबू मुलायम न हो जाए। तैयार अचार को पराठों, चीले आदि के साथ परोसें।

राजस्थानी पौष वड़ा

क्या चाहिए – चावली दाल- 1 कप, चना दाल- 1/2 कप, मूंग की धुली दाल- 1/2 कप, मेथी दाने- 2 छोटे चम्मच, साबुत धनिया- 2 छोटे चम्मच, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, गरम मसाला- 1/2 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, लौंग- 4, काली मिर्च- 5, हरी मिर्च- 3 कटी हुई, अदरक- 1/2 छोटा चम्मच कटी हुई, हरा धनिया- थोड़ा-सा कटा हुआ, नमक- स्वादानुसार, तेल- तलने के लिए।

ऐसे बनाएं – सभी दालों को रातभर अलग-अलग पानी में भिगोकर रखें। फिर इन्हें निथारकर दरदरा पीस लें। दालों को पीसते समय अगर पानी कम लगे तो 1-2 बड़े चम्मच पानी डाल सकते हैं। ज़्यादा पानी न डालें क्योंकि इससे घोल पतला हो जाएगा। लौंग, काली मिर्च, मेथी दाने और साबुत धनिया को भी अलग से दरदरा पीस लें। बोल में पीसी हुई दालें, पीसे हुए मसाले समेत सारी सामग्री डालें और अच्छी तरह मिलाएं। कड़ाही में तेल गर्म करें। एक-एक करके घोल के वड़े तेल में डालें। वड़ों को मध्यम आंच पर सुनहरा-भूरा और कुरकुरा होने तक तलें। चाय या हरी चटनी के साथ गर्मागर्म वड़े परोसें।

मेथी पालक चीला

क्या चाहिए – पालक- 1 कप कटी हुई, मेथी- 1/4 कप कटी हुई, हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, पुदीना- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ, हरी मिर्च- 1 कटी हुई, अदरक- 1/4 छोटा चम्मच कटी हुई, बेसन- 1 कप, लाल मिर्च पाउडर- 1 छोटा चम्मच, नमक- स्वादानुसार, धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच, अजवाइन- 1/2 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच, हींग- 1/4 छोटा चम्मच, तेल- सेंकने के लिए।

ऐसे बनाएं – बोल में बेसन, पालक, मेथी, मसाले समेत सारी सामग्री डालें। थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए घोल बनाएं। अब गर्म तवे पर तेल लगाएं और घोल से चीला फैलाएं। चीले पर तेल लगाते हुए दोनों तरफ़ से सेंकें। जब यह सुनहरा हो जाए तो इस पर कीसा हुआ पनीर और पसंदीदा चटनी लगाएं। इसे अचार के साथ भी परोस सकते हैं।

इन चार वजहों से मशीन वॉश करने के बाद कपड़ों पर नजर आते हैं सफेद दाग

कपड़े किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व की पहचान होते हैं। अगर हम साफ-सुथरे कपड़े पहनते हैं तो इससे हमारा फर्स्ट इंप्रेशन काफी अच्छा पड़ता है। यही कारण है कि लोग एक बार पहनने के बाद कपड़ों को मशीन वॉश करना पसंद करते हैं। लेकिन आपने कई बार देखा होगा कि जब आप कपड़ों को मशीन वॉश करते हैं तो अक्सर उनमें सफेद दाग नजर आते हैं। कपड़ों को धोने के बाद भी जब उन पर सफेद धारियां या धब्बे नजर आते है तो यकीनन मन में एक निराशा पैदा होती है। ऐसे में कपड़ों को दोबारा धोने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं बचता है। लेकिन कपड़ों के पूरे बैच को दोबारा धोना यकीनन काफी समय लेने वाला होता है। हालांकि, क्या आपने कभी इस बात पर गौर किया है कि मशीन में कपड़े धोने के बाद भी उनमें सफेद दाग क्यों नजर आते हैं। दरअसल, इसके पीछे कई वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं।

पाउडर डिटर्जेंट का इस्तेमाल करना

कपड़ों को धोने के बाद उन पर सफ़ेद दाग नजर आने का एक मुख्य कारण पाउडर डिटर्जेंट का उपयोग है। अक्सर पाउडर डिटर्जेंट मशीन के पानी में उस तरह से घुलता नहीं है जैसा उसे घुलना चाहिए, जिससे कपड़ों पर धारियां पड़ जाती हैं। इसलिए, अगर आप कपड़ों पर नजर आने वाले इस सफेद दाग की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं तो पाउडर डिटर्जेंट से लिक्विड डिटर्जेंट पर स्विच करने पर विचार करें।

डिटर्जेंट का अधिक इस्तेमाल करना

कपड़ों का धोते समय डिटर्जेंट की मात्रा भी बहुत मायने रखती है। कई बार लोग बेहतर सफाई के चक्कर में जरूरत से ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से अवशेष रह सकते हैं क्योंकि यह पूरी तरह से घुल नहीं सकता या धोने के दौरान बाहर नहीं निकल सकता। इसलिए, आप सीमित मात्रा में ही डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। अगर आपके कपड़ों पर किसी तरह के दाग है तो डिटर्जेंट की मात्रा बढ़ाने के स्थान पर पहले स्पॉट ट्रीटमेंट की मदद से दाग को क्लीन करें।

मशीन ओवरलोड होना

अमूमन लोग एक बैच में ज्यादा से ज्यादा कपड़े धोने की कोशिश करते हैं, जिससे समय की बचत हो सके। लेकिन वास्तव में इसका खामियाजा कपड़ों को भुगतना पड़ता है। ओवरलोड वॉशिंग मशीन पानी के फ्लो और ड्रेनेज को बाधित कर सकती है। इसलिए, डिटर्जेंट पूरे लोड तक नहीं पहुंच पाता है, जिससे कपड़े सही तरह से धुल नहीं पाते हैं। कपड़ों पर बची हुई गंदगी, झाग, धूल के कारण सफेद अवशेष रह जाते हैं। ऐसे में उन कपड़ों को दोबारा धोना पड़ता है। इसलिए, आप अपनी मशीन में बहुत ज़्यादा पानी न भरें, चाहे आपके पास समय की कमी क्यों न हो।

मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर का बंद होना

अक्सर हमारा ध्यान इस ओर नहीं जाता है लेकिन मशीन ड्रेनपाइप फ़िल्टर बंद हो जाने की स्थिति में लिंट, अघुलनशील डिटर्जेंट और गंदगी आपके कपड़ों पर फिर से जम सकती है। इसलिए, नियमित अंतराल पर फ़िल्टर को साफ़ करने का नियम बनाएं। जब आप ऐसा करते हैं तो आपके अधिक बेहतर साफ होते हैं।

खर्चों और सीमित आय के साथ खरीदें अपने सपनों का घर

घर ख़रीदना एक बहुत बड़ा निवेश है। ख़ासतौर पर उनके लिए जिनकी आय सीमित है। अधिकांश युवाओं का मासिक वेतन 15 हज़ार रुपये प्रति माह से शुरू होकर लगभग 3 वर्षों में 25 से 30 हज़ार रुपये प्रति माह तक पहुंचता है। इसी में कई ख़र्चे पूरे करने होते हैं जिसके बाद घर का सपना पूरा कर पाना लगभग नामुमकिन लगने लगता है। इसी वर्ग को ध्यान में रखकर हम एक ऐसी रणनीति तैयार करेंगे ताकि हर कोई अपने घर का सपना साकार कर सके।

बजट से शुरुआत

सबसे पहले अपना बजट बनाएं। इस बात का प्रयास करें कि प्रारंभ में आप ऐसा घर ख़रीदें, जो आपके बजट में आता हो। बाद में उसे बेचकर प्राप्त राशि को डाउन पेमेंट की तरह प्रयोग करते हुए बड़े घर के लिए बड़ा लोन लेने पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र का चयन

आमतौर पर शहर के व्यस्त या विकसित इलाक़ों में घरों की क़ीमतें अधिक होती हैं। इसलिए ऐसे इलाक़ों की खोज करें जहां अभी क़ीमतें कम हैं, लेकिन अगले 5 वर्षों में बढ़ने की संभावनाएं हैं।

ऋण की पात्रता जांच लें

कोई भी बैंक घर या फ्लैट की क़ीमत का शत-प्रतिशत लोन नहीं देता है। लोन की राशि घर की क़ीमत के 80 से 90 फ़ीसदी तक हो सकती है। आपके वेतन से होने वाली कटौतियों को भी ध्यान में रखा जाता है। कुल कटौतियां 60 फ़ीसदी से अधिक न हों, कुछ मामलों में यह 70 फ़ीसदी तक स्वीकार की जा सकती हैं।

डाउन पेमेंट

अब प्रश्न यह है कि घर की क़ीमत और बैंक लोन के अंतर को कैसे पाटा जाए। इस उद्देश्य से इन विकल्पों पर विचार करें-

- यदि आपके पास स्वर्ण आभूषण हैं और वो लॉकर में रखे हैं, तो उन्हें काम पर लगाएं। गोल्ड लोन आसानी से और कम ब्याज पर मिल जाता है, जिससे प्राप्त धनराशि का उपयोग आप डाउनपेमेंट अथवा मार्जिन भरने के लिए कर सकते हैं।
- पोस्ट ऑफिस के एनएससी, बीमा पॉलिसी, बैंक का फिक्स्ड डिपॉज़िट, शेयर और म्यूचुअल फंड के आधार पर भी लोन लेकर आप धन जुटा सकते हैं।

ईएमआई से पहले सिप

यदि लोन लेने के लिए आपके पास कुछ भी उपलब्ध नहीं है, तो कुछ वर्षों के लिए लोन लेने के विचार को स्थगित करें। ईएमआई का तनाव लेने से अच्छा है कि आप हर महीने किसी अच्छे इक्विटी म्यूचुअल फंड में एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट की योजना बनाएं।

आवास योजना भी एक विकल्प है

यह पता लगाएं कि आपके शहर में विकास प्राधिकरण की एलआईजी और एमआईजी आय वर्ग के लिए क्या कोई आवास योजना है। प्राय: सभी बड़े शहरों में निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए आवास योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिन शहरों और क़स्बों में प्राधिकरण नहीं है, वहां हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के विषय में पता करना चाहिए। अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम के अंतर्गत भी सस्ते घर बनाए जा रहे हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत बनाए जा रहे घरों की क़ीमतें काफ़ी किफ़ायती होती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने रचा इतिहास: तोड़ा अपना ही वनडे सीरीज जीत का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट की दुनिया से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहाँ दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे अंतर्राष्ट्रीय सीरीज जीतकर इतिहास रच दिया है। मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज के पहले दो मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा कर लिया है और इस जीत के साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा वनडे सीरीज जीतने का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह दक्षिण अफ्रीका की कंगारुओं के खिलाफ रिकॉर्ड 10वीं वनडे सीरीज जीत है, जिसमें केवल वे ही देश शामिल हैं जिन्होंने तीन या उससे अधिक मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली हैं। इस उपलब्धि के साथ, दक्षिण अफ्रीका 10 वनडे सीरीज जीतने वाला पहला ऐसा देश बन गया है जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह कारनामा किया है।

इस विशिष्ट सूची में, दक्षिण अफ्रीका शीर्ष पर है, जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई कुल 16 सीरीज में से 10 में जीत हासिल की है। दूसरे स्थान पर इंग्लैंड की टीम है, जिसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 सीरीज खेली हैं और उनमें से 8 में जीत दर्ज की है। वहीं, भारत इस सूची में तीसरे नंबर पर है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 15 द्विपक्षीय वनडे सीरीज खेली जा चुकी हैं, जिनमें से भारतीय टीम को 6 बार जीत मिली है। पाकिस्तान 12 सीरीज खेलकर 5 जीत के साथ चौथे स्थान पर है, जबकि श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 सीरीज खेली हैं और 4 में सफलता प्राप्त की है।

रिकॉर्ड बनाने वाली इस सीरीज के दूसरे मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 365 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस पारी में दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर और कप्तान तेम्बा बावुमा दोनों ने शानदार शतक जड़े, जिससे टीम एक मजबूत स्थिति में पहुंच गई। इसके जवाब में, ऑस्ट्रेलियाई टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 49.5 ओवर में 333 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने 32 रनों के अंतर से शानदार जीत दर्ज की, जिसने उन्हें सीरीज में अजेय बढ़त दिलाई और यह ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाने में मदद की। यह उपलब्धि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाती है।

1159 दिन बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने कुलदीप यादव, पर श्रेय विराट-गिल को दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और शुभमन गिल की शानदार शतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे मैच में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। तिरुवनंतपुरम में खेले गए इस मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 295 रन बनाए थे। भारतीय टीम की ओर से गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। उनकी कसी हुई और निर्णायक गेंदबाजी के कारण ही वेस्टइंडीज की टीम 300 रन के आंकड़े को पार नहीं कर सकी, जिसने भारत के लिए लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया। कुलदीप यादव के इस प्रभावशाली प्रदर्शन को देखते हुए मैच खत्म होने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हालांकि, टीम इंडिया का यह प्रतिभाशाली खिलाड़ी इस अवॉर्ड को लेने में थोड़ी झिझक महसूस कर रहा था। कुलदीप ने अवॉर्ड स्वीकार करते हुए यह स्वीकार किया कि उन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें यह अवॉर्ड क्यों मिला, जबकि विराट और गिल ने इतनी असाधारण बल्लेबाजी की थी। कुलदीप ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷सच कहूं तो मुझे मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेते हुए थोड़ा अजीब लग रहा है, क्योंकि जिस तरह से विराट भाई और गिल ने बल्लेबाजी की, वह वाकई शानदार थी। मेरे ख्याल से इसे लेकर फैसला कुछ और भी हो सकता था।÷ यह बयान उनकी विनम्रता और टीम के प्रति उनके सम्मान को दर्शाता है।

यह उल्लेखनीय है कि कुलदीप यादव को बेहतरीन फॉर्म में होने के बावजूद लगातार प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिल रहा था, लेकिन जैसे ही उन्हें मैदान पर उतारा गया, उन्होंने मैच विनिंग परफॉर्मेंस देकर अपनी उपयोगिता साबित की। यही कारण है कि कुलदीप वनडे में पूरे 1159 दिन बाद प्लेयर ऑफ द मैच बने हैं। कुलदीप इससे पहले 27 जुलाई 2023 को वेस्टइंडीज के ही खिलाफ बारबाडोस में 4 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ इस मुकाबले में टीम इंडिया के लिए विराट कोहली ने 88 गेंदों में 10 चौकों और 9 छक्कों की मदद से नाबाद 139 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने 108 गेंदों में 110 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 13 चौके और 1 छक्का शामिल था। विराट और गिल के इस दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने 41.4 ओवर में ही सिर्फ 2 विकेट के नुकसान पर 300 रन बनाकर आसानी से मैच जीत लिया। कुलदीप का प्रदर्शन निश्चित रूप से जीत में अहम था, लेकिन बल्लेबाजों ने उन्हें भी हैरान कर दिया।

लवलीना ने बॉक्सिंग में भारत का चौथा पदक पक्का किया, सेमीफाइनल में प्रवेश

निशियो (एजेंसी)। भारत की स्टार बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को महिला 75 किग्रा वर्ग में अपना दूसरा एशियाई खेल पदक पक्का कर लिया है। उन्होंने निशियो जिम्नेजियम में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कोरिया की सियोंग सुयोन को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पिछले एशियन गेम्स की रजत पदक विजेता लवलीना ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरुआती दौर से ही मुकाबले पर अपनी पकड़ बना ली थी। दोनों खिलाड़ियों ने मुकाबले की शुरुआत रक्षात्मक अंदाज में की, लेकिन भारतीय बॉक्सर ने अपनी पहुंच का फायदा उठाते हुए कुछ सटीक पंच लगाए और पहला राउंड 5-0 से अपने नाम कर लिया। लवलीना बोरगोहेन ने अपने लंबे कद और प्रभावशाली रणनीति का इस्तेमाल करते हुए दूसरे राउंड में भी दबदबा बनाए रखा। उन्होंने प्रभावी काउंटर पंच और जैब लगाए, जिससे वह यह राउंड भी आसानी से जीत गईं। आखिरी राउंड में भी भारतीय बॉक्सर ने अपनी लय बनाए रखी और एशियन गेम्स 2010 की कांस्य पदक विजेता पर जबरदस्त प्रहार किए, जिससे उन्हें यह राउंड भी 5-0 से जीतने में सफलता मिली। सभी जजों ने लवलीना के पक्ष में 30-27 का स्कोर दिया, जो उनकी एकतरफा जीत का प्रमाण था।

यह पदक मौजूदा एशियन गेम्स में मुक्केबाजी में भारत के लिए पक्का होने वाला चौथा पदक है। इससे पहले, नरेंद्र बेरवाल ने पुरुषों के +90 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में अथापोंग सेंगटेप को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश करते हुए देश के लिए तीसरा पदक पक्का किया था। उनसे भी पहले, अंकुश पांघल और परवीन हुड्डा भी अपनी-अपनी कैटेगरी में पदक सुरक्षित कर चुके थे। मौजूदा कॉमनवेल्थ गेम्स चैंपियन अंकुश पांघल ने पुरुषों के 80 किग्रा क्वार्टर फाइनल में ताजिकिस्तान के नेक्रुज सलिमोव को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया था।

एशियन गेम्स 2026: ईशा सिंह ने जीता रजत, मनु भाकर पदक के बिना लौटेंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में 28 सितंबर को भारत के लिए मिश्रित परिणाम रहे, जहां विश्व रिकॉर्ड धारक निशानेबाज ईशा सिंह ने 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में रजत पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। हालांकि, भारत की उम्मीदों को झटका लगा क्योंकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर बिना किसी पदक के ही स्वदेश लौटेंगी, जो इस इवेंट के फाइनल तक में जगह नहीं बना पाईं।

ईशा सिंह ने फाइनल में असाधारण दृढ़ता और कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता की शुरुआत में 7 सीरीज के बाद वह मात्र 26 का स्कोर कर एलिमिनेशन के बेहद करीब थीं, लेकिन उन्होंने अविश्वसनीय वापसी की। पदक सुनिश्चित करने के लिए उनका सामना उत्तरी कोरिया की हयोन सुक किम से हुआ, जहां एक नहीं, बल्कि तीन बार शूटऑफ का रोमांचक दौर चला। सांसें रोक देने वाले इस मुकाबले में ईशा ने किम को मात देकर रजत पदक पक्का किया। स्वर्ण पदक के लिए उनका मुकाबला चीन की शाओ जियारुईशुआन से हुआ। यह मुकाबला भी बेहद कांटेदार रहा और अंतिम सीरीज तक दोनों निशानेबाज 38-38 के स्कोर पर बराबरी पर थीं। विजेता तय करने के लिए शूटऑफ का सहारा लिया गया, जहां ईशा और शाओ के बीच कड़ी टक्कर हुई। शूटऑफ में भी चार शॉट्स तक मुकाबला बराबरी पर चल रहा था, लेकिन दुर्भाग्यवश ईशा अपना आखिरी शॉट चूक गईं, जबकि चीनी एथलीट ने सटीक निशाना साधकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। यह उल्लेखनीय है कि 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट का मौजूदा विश्व रिकॉर्ड ईशा सिंह के नाम ही है।

दूसरी ओर, मनु भाकर के लिए यह एशियन गेम्स निराशाजनक रहा। वह 25 मीटर एयर पिस्टल इवेंट के क्वालीफिकेशन राउंड में 579 के स्कोर के साथ 11वें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं, क्योंकि केवल शीर्ष-8 खिलाड़ी ही फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। ईशा सिंह ने क्वालीफिकेशन में मनु से केवल एक अंक अधिक (580) स्कोर करके फाइनल का टिकट हासिल किया था। इसी इवेंट में भाग लेने वाली भारत की राही सरनोबत ने भी निराश किया और क्वालीफिकेशन में 30वें स्थान पर रहीं। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अब तक कुल 39 पदक जीते हैं, जिनमें 4 स्वर्ण, 17 रजत और 18 कांस्य पदक शामिल हैं। शूटिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 12 पदक हासिल किए हैं, जबकि एथलेटिक्स में भारत ने सर्वाधिक 13 पदक अपने नाम किए हैं, जो देश के लिए पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्वार्टर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्वार्टर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया।

महिला एकदिवसीय में सबसे बड़ी पारी खेलने वालों में भारत की दीप्ति भी शामिल, शीर्ष पर है एमेलिया केर

नई दिल्ली। महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारियां खेलने वाली शीर्ष दस बल्लेबाजों में भारत की दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं। इस सूची में न्यूजीलैंड की एमेलिया केर सबसे आगे हैं। ये खिलाड़ी अपनी इन पारियों से न केवल मैच विजेता रही हैं, बल्कि इन्होंने महिला क्रिकेट के मानकों को भी ऊंचा उठाया है। एमेलिया ने साल 2018 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ नाबाद 232 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाया था। अपनी 145 गेंदों की इस पारी में इस बल्लेबाज ने 31 चौके और दो छक्के लगाए। करीब 195 मिनट तक बल्लेबाजी कर एमेलिया ने 160 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। यह महिला एकदिवसीय क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एमेलिया से पहले, ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क ने साल 1997 में मुंबई में डेनमार्क के खिलाफ 155 गेंदों पर नाबाद 229 रन बनाकर महिला एकदिवसीय में दोहरा शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम की थी। क्लार्क ने अपनी पारी में 22 चौके लगाए और 181 मिनट तक बल्लेबाजी की। वहीं श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने साल 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पॉचेफस्ट्रूम में नाबाद 195 रन की तूफानी पारी खेली। उन्होंने मात्र 139 गेंदों का सामना करते हुए 26 चौके और पांच छक्के जड़े। 140.28 के शानदार स्ट्राइक रेट से खेली गई उनकी इस पारी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका को यादगार जीत दिलाई।

कुराश में पिंकी बल्हारा ने जीता कांस्य, सेमीफाइनल में मिली हार

नगोया (एजेंसी)। भारत की पिंकी बल्हारा ने सोमवार को एशियन गेम्स 2026 में कुराश के -78 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले में जगह बनाने से चूकना पड़ा, क्योंकि सेमीफाइनल में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2018 में जकार्ता में हुए एशियन गेम्स में रजत पदक जीतने वाली पिंकी बल्हारा को एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल मैच में साउथ कोरिया की मो सुमिन से 0-5 से शिकस्त मिली। सेमीफाइनल में मो सुमिन का पिंकी के खिलाफ पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। भारतीय खिलाड़ी को एक डक्की (कुराश में दो चेतावनी) मिली, जबकि सुमिन ने पहले आधा प्वाइंट चाला और बाद में योनबोश (पूरा प्वाइंट) हासिल करके मुकाबला 5-0 से जीत लिया। पिंकी बल्हारा ने इससे पहले क्वार्टर फाइनल में एक और साउथ कोरियाई खिलाड़ी लिम को 3-0 से हराया था। उस मुकाबले में उन्होंने कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ चाला (आधा प्वाइंट) हासिल किया था, जबकि लिम को तानबेख (चेतावनी) मिली थी। पिंकी ने एशियन गेम्स 2018 में रजत पदक जीता था, जब इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में कुराश को पहली बार शामिल किया गया था। वह पहले जूडो खिलाड़ी थीं और उन्होंने एशियाई जूनियर जूडो चैंपियनशिप 2018 में स्वर्ण पदक भी जीता था। हालांकि, वह जूडो इवेंट में भारत की एशियन गेम्स की टीम में जगह नहीं बना पाई थीं, लेकिन बाद में पिंकी ने कुराश इवेंट के लिए क्वालीफाई किया और अपना अनुभव भुनाते हुए रजत पदक जीता।

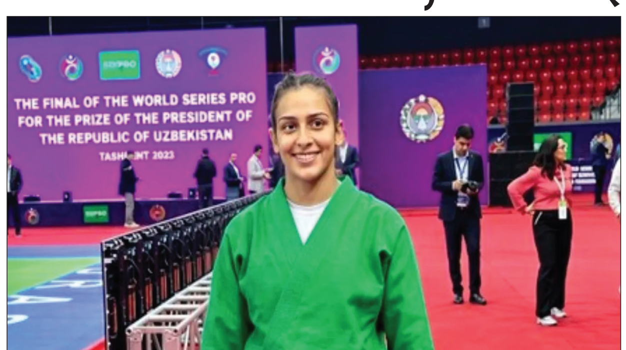

मौजूदा एशियन गेम्स में कुराश मुकाबलों में भारत को पिंकी बल्हारा के रूप में यह पहली सफलता मिली है। रविवार को भारतीय खिलाड़ी एक भी मैच नहीं जीत पाए थे, जो टीम के लिए निराशाजनक था। पुरुषों के 90 प्लस किग्रा वर्ग में विशाल का सफर क्वार्टर फाइनल में ही समाप्त हो गया, जब उन्हें थाईलैंड के कुनाथिप ये-ऑन के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी संगीता बल्हारा महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। उन्हें राउंड ऑफ 32 में फिलीपींस की चारमिया क्रेलिनो के खिलाफ 0-10 से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 में भारती भी प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। उन्हें ईरान की ताहरेह अजरपेइवंद ने हराया। वहीं, पुरुषों के 90 प्लस किग्रा वर्ग में यश कुमार चौहान का सफर भी राउंड ऑफ 16 में खत्म हो गया, जब उन्हें ताजिकिस्तान के शकरममद मिरममदोव के खिलाफ 0-10 से हार मिली। पिंकी का कांस्य पदक भारतीय टीम के लिए एक राहत और प्रेरणा लेकर आया है।

विराट बोले, ये मेरा अंतिम विश्वकप, टीम को खिताबी जीत दिलाना है लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि आगले साल 2027 में होने वाला एकदिवसीय विश्वकप उनके करियर का अंतिम विश्व कप होगा जिसे वह हर हाल में जीतना चाहते हैं। कोहली के अनुसार उनका लक्ष्य विश्वकप में भारतीय टीम को जीत दिलाना है और इसके लिए वह पूरी ताकत लगा देंगे। इसी के साथ ही विराट ने अपने विश्व कप भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर भी अंकुश लगा दिया। अब तक कहा जा रहा था विराट को शायद ही टीम में शामिल किया जाये पर इस बल्लेबाज ने इसमें खेलने की अपनी इच्छा खुलकर जता दी है। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह अंतिम विश्व कप है, जिसमें मैं भारत के लिए खेलने जा रहा हूं। मैं अपना सब कुछ मैदान पर छोड़ना चाहता हूं इसलिए मेरा अंतिम लक्ष्य विश्व कप जीतना है। इसके लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं। इससे साफ है कि विराट अपने करियर का समापन विश्व कप की जीत के साथ करना चाहते हैं। इस बल्लेबाज ने टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले चुके हैं। गौरतलब है कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप अक्टूबर और नवंबर में संयुक्त रुप से दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 12 वेन्यू पर मुकाबले आयोजित किए जाने हैं। भारत ने अपना पिछला एकदिवसीय विश्व कप खिताब 2011 में जीता था, जिसके बाद 2023 में भारतीय टीम फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिताब नहीं जीत पायी थी। कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम 2019 वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे न्यूजीलैंड से हार मिली थी।

तेज बारिश ने रोका मैच, हॉन्गकॉन्ग से खेले बगैर पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचा

टोक्यो। आइची-नागोया एशियन गेम्स 2026 की मेन्स क्रिकेट में पाकिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच खेला जाने वाला पहला क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण रद्द हो गया। निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में लगातार बारिश के चलते मैदान खेलने लायक नहीं था, जिसके कारण मैच नहीं हो सका और एक भी गेंद नहीं फेंकी गई। मुकाबला रद्द होने का फायदा पाकिस्तानी टीम को मिला। आईसीसी की टी20 रैंकिंग में बेहतर टीम होने के कारण पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं हॉन्ग कॉन्ग का टूर्नामेंट में सफर खत्म हो गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच क्वार्टर फाइनल सोमवार को भारतीय समयानुसार सुबह 5-30 बजे शुरू होना था, जबकि टॉस 5 बजे होना था, लेकिन मैच से पहले ही बारिश तेज हो गई। गीली आउटफील्ड के कारण मैच शुरू होने की कोई संभावना नहीं बनी। अधिकारियों ने मुकाबले को रद्द करने का फैसला किया। क्वार्टर फाइनल के लिए रिजर्व डे का प्रावधान नहीं था, इसलिए बेहतर रैंकिंग के आधार पर पाकिस्तान को फायदा हो गया। सेमीफाइनल में पाकिस्तान का मुकाबला बाकी क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के बाद होगा। एशियन गेम्स 2026 के दोनों सेमीफाइनल गुरुवार 1 अक्टूबर को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले जाएंगे। पाकिस्तान को टूर्नामेंट में सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह मिली थी। बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश को नॉकआउट चरण में सीधे प्रवेश दिया गया था। दूसरी ओर हॉन्ग कॉन्ग ने स्टेज में अच्छे प्रदर्शन के जरिए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। हॉन्ग कॉन्ग की टीम को ग्रुप स्टेज में एकमात्र जीत ओमान के खिलाफ मिली थी।

भारतीय शतरंज टीम ने ओलंपियाड में रचा इतिहास, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने 46वें चेस ओलंपियाड 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को गौरव दिलाया है। पुरुष टीम ने प्रतिष्ठित सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों टीमों को हार्दिक बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे शतरंज खिलाड़ियों को बधाई। उनका जुनून और दृढ़ संकल्प मिसाल कायम करने वाला है। उम्मीद है कि ये सफलताएं और भी कई युवाओं को शतरंज खेलने और उसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी।

अंतिम राउंड के रोमांचक मुकाबलों के बाद भारतीय पुरुष ओपन टीम ने सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया। भारत ने हंगरी के खिलाफ 2-2 से मुकाबला ड्रॉ खेला। इस महत्वपूर्ण मैच में, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को ग्लेब डुडिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन अर्जुन एरिगैसी ने पीटर लेको को हराकर भारत को बराबरी दिलाई और सिल्वर मेडल सुनिश्चित किया। पुरुष वर्ग में मेजबान उज्बेकिस्तान ने आखिरी राउंड में यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, मुखिद्दीन मदामिनोव ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उज्बेकिस्तान ने भारत और जर्मनी से दो अंक आगे रहते हुए अपना दूसरा शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता। भारत ने टाई-ब्रेक के आधार पर सिल्वर मेडल प्राप्त किया, जबकि जर्मनी ने नीदरलैंड्स को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया, जिसमें मैथियास ब्लूबाउम की जीत निर्णायक रही।

महिला वर्ग में, भारतीय टीम ने जॉर्जिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर पोडियम पर अपनी जगह पक्की की। सविता श्री ने दबाव में मेरी अराबिद्जे के खिलाफ ड्रॉ खेलकर टीम के लिए महत्वपूर्ण अंक हासिल किए, जिससे भारत तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। महिला वर्ग का गोल्ड मेडल चीन ने वियतनाम को 3-1 से हराकर जीता, वहीं कजाकिस्तान ने पोलैंड के खिलाफ 2-2 की बराबरी के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। चीन ने दो अंकों की बढ़त के साथ अपना सातवां महिला शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता। भारत ने टाई-ब्रेक के नियमों के तहत अमेरिका, पोलैंड, आर्मेनिया और मंगोलिया जैसी मजबूत टीमों को पीछे छोड़ते हुए ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस प्रकार, भारतीय दल ने टूर्नामेंट का समापन एक अविस्मरणीय प्रदर्शन के साथ किया, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमों ने शीर्ष तीन में जगह बनाकर देश को दोहरा पोडियम फिनिश दिलाकर गौरवान्वित किया।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को मिला नया अध्यक्ष : विश्व कप विजेता डेविड बून संभालेंगे कमान

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रशासन में एक बड़ा बदलाव आया है, जहाँ बोर्ड ने सोमवार को पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्व विश्व कप विजेता क्रिकेटर डेविड बून क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अंतरिम अध्यक्ष के रूप में पदभार संभालेंगे। बून ने माइक बेयर्ड का स्थान लिया है, जिन्होंने बिग बैश लीग (बीबीएल) के निजीकरण और उसमें निजी निवेश लाने के विवादास्पद फैसले को लेकर अन्य बोर्ड सदस्यों के भारी दबाव के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। माइक बेयर्ड के इस कदम का न्यू साउथ वेल्स जैसे प्रमुख राज्यों ने भी कड़ा विरोध किया था, जिसके प्रतिनिधि के रूप में वह बोर्ड में आए थे। डेविड बून ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महान खिलाड़ी रहे हैं, जिन्होंने 1984 से 1996 तक कंगारू टीम का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने अपने करियर में 107 टेस्ट मैच और 181 वनडे मैच खेले, जिनमें कुल मिलाकर 13,000 से अधिक रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 7422 रन दर्ज हैं, जिसमें 22 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं, जबकि वनडे में उन्होंने 5 शतक और 37 अर्धशतकों सहित 5964 रन बनाए। बून उस ऑस्ट्रेलियाई टीम का अभिन्न हिस्सा थे जिसने 1987 में विश्व कप जीता था, जहाँ उन्होंने कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए फाइनल में वेस्टइंडीज के खिलाफ 75 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली थी।

अच्छी केमेस्ट्री का मतलब रोमांस नहीं होता

टेलीविजन से अपने करियर की शुरुआत करने वाले रोहित सराफ ने 'स्काई इज पिंक' से पहचान हासिल की और देखते ही देखते अपने क्यूट लुक और 'मिसमैच्ड' में दमदार अभिनय से नैशनल क्रश बन गए। इन दिनों उन्हें सीरीज 'द रिवॉल्यूशनरीज' से काफी तारीफें मिल रही हैं। इस रोल के लिए उन्होंने शारीरिक रूप से ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है। इस खास बातचीत में वे अपनी और साथी कलाकार प्रतिभा रांटा के साथ अफेयर की अफवाहों, अपनी क्रेजी फैंस और माता-पिता के बारे में दिल खोलकर बातें करते हैं।

रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा की डेटिंग की अफवाहें सोशल मीडिया पर काफी समय से चल रही हैं। वेब सीरीज द रिवॉल्यूशनरीज़ में दोनों के लव एंगल को काफी पसंद भी किया गया। मगर रोहित इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहते हैं, 'बिलकुल गलत है, ये महज रूमर्स हैं। देखिए, जब भी आप रोमांस जॉनर में दो एक्टर्स को साथ देखते हैं और वो स्क्रीन पर साथ दिखाई देते हैं, तो मुझे लगता है कि ये अपने आप हो जाता है। ऐसा हर जगह और हर किसी के साथ होता है। मतलब, मैं किसी के साथ भी नजर आऊंगा तो कभी न कभी कोई न कोई ऐसी बात शुरू हो जाएगी। इन सब चीजों को बिल्कुल भी सीरियसली लेने की जरूरत नहीं है।'

दो एक्टर्स एंजॉय करते हैं

उन्होंने आगे कहा, 'मैं सबको बताना चाहूंगा कि यह हमारे लिए थोड़ा दुर्भाग्यपूर्ण भी है, क्योंकि लोग यह सोचते हैं कि हम ही ये सब कर रहे हैं। लेकिन असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है। जब दो एक्टर्स साथ काम करते हैं और उनके बीच एक अच्छी एनर्जी होती है, तो स्क्रीन पर उनकी केमिस्ट्री दिखाई देती है। हमारी भी स्क्रीन पर बहुत अच्छी केमिस्ट्री है, लेकिन केमिस्ट्री का मतलब हमेशा रोमांस नहीं होता। इसका मतलब सिर्फ इतना भी हो सकता है कि दो एक्टर्स साथ में काम करते हुए एक-दूसरे के साथ बहुत अच्छा समय बिता रहे हैं और अपने किरदार को एंजॉय कर रहे हैं।

मॉम के लिए वो किसी सपने जैसा था

दिल्ली में पले-बढ़े रोहित उस वक्त महज 12 साल के थे, जब उनके पिता गुजर गए थे, मगर रोहित अपनी सफलता में पिता का हाथ जरूर मानते हैं। वे कहते हैं, 'मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी जिंदगी में आज जो भी हो रहा है, वो मेरे पापा की वजह से हो रहा है। मैं पिछले 15 साल से यहां हूं और सौभाग्य से मेरे लिए ये सफर बहुत खूबसूरत रहा है। मुझे बहुत ही अच्छे, सपोर्टिव और खूबसूरत लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। इस दौरान मेरे सामने जो भी संघर्ष आए, शायद मेरे अंदर उन्हें झेलने और उनका सामना करने की क्षमता थी। मैं आगे भी इसी तरह उन चुनौतियों का सामना करता रहूंगा और इसके लिए मैं अपनी सारी सफलता का श्रेय अपने पिता को देता हूं। मुझे लगता है कि वही हैं, जिनका हाथ हमेशा मेरे सिर पर रहा है और उन्हीं के आशीर्वाद की वजह से मैं आज यहां हूं।'

मां ने दी सबसे बड़ी सीख

जहां तक मेरी मॉम का सवाल है, तो अपनी फिल्म द स्काई इज पिंक के प्रमोशन के दौरान मैं नोएडा की एमिटी यूनिवर्सिटी में था और वहां हजारों लोग मेरा नाम लेकर चिल्ला रहे थे। उस वक्त प्रियंका चोपड़ा ने मुझे स्टेज पर इंट्रोड्यूज भी करवाया। वो विडियो लाइव था और मेरी मॉम भी उसे देख रही थीं। मेरी मॉम ने बाद में मुझे बताया कि उन्हें ऐसा लगा मानो वे उस सपने को जी रही हों। इन सारे अहसासों को मैं अपने साथ लेकर चलता हूं। जानता हूं कि अभिनय के क्षेत्र में बने रहना कितना मुश्किल होता है।'

तेलुगु इंडस्ट्री में लोग सिनेमा को सेलिब्रेट करते हैं

डांसर से एक्टर बने राघव जुयाल ने करियर में कई तरह के पड़ाव देखे हैं। डांस रियलिटी शो से पहचान बनाने के बाद उन्होंने टीवी होस्ट के तौर पर अलग जगह बनाई और फिर फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। अब राघव अपने करियर का एक और नया चैप्टर शुरू करने जा रहे हैं। वह पहली बार तेलुगु सिनेमा में नजर आने वाले हैं और इस सफर ने उन्हें काफी कुछ नया सीखने का मौका दिया है। उन्हें तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री का काम करने का तरीका काफी पसंद आया। राघव नानी स्टारर फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्देशन श्रीकांत ओडेला कर रहे हैं और राघव इसमें विक्रम मलिक का किरदार निभा रहे हैं। तेलुगु इंडस्ट्री में पहली बार काम करने के अनुभव के बारे में बात करते हुए राघव ने कहा, ''मैंने वहां सिनेमा को लेकर एक अलग ही जुनून देखा। वहां लोग सिर्फ एक प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि इस सिनेमा को सेलिब्रेट करते हैं।'' राघव ने कहा, ''इस फिल्म के दौरान मैंने एक ऐसी चीज महसूस की, जिसे मैं अपने काम में भी शामिल करना चाहता हूं। तेलुगु इंडस्ट्री में लोग सिनेमा की बहुत इज्जत करते हैं। खास तौर पर फिल्म के हर टेक्नीशियन को मिलने वाला सम्मान देखकर मैं भावुक हो गया। एक पल ऐसा आया कि मेरी आंखों में आंसू आ गए, जब मैंने देखा कि वहां फिल्म के साउंड इंजीनियर तक को उतनी ही अहमियत दी जाती है, जितनी किसी बड़े कलाकार को।'' राघव ने कहा, ''वहां दर्शक भी फिल्म से जुड़े लोगों को पहचानते हैं। दर्शकों को पता होता है कि साउंड इंजीनियर कौन हैं। मेरे लिए यह अनुभव काफी खास था, क्योंकि इससे मुझे समझ आया कि फिल्म सिर्फ हीरो या हीरोइन की वजह से नहीं बनती, बल्कि उसके पीछे काम करने वाले हर व्यक्ति का योगदान होता है। वहां लोग सेट पर केवल अपना काम खत्म करने के इरादे से नहीं आते। वह सिनेमा को सेलिब्रेट करने के लिए आते हैं। यही वह चीज है जो मैंने तेलुगु इंडस्ट्री से सीखी और अब मैं चाहता हूं कि मेरे काम में भी यह सोच दिखाई दे।'' राघव ने फिल्म के निर्देशक श्रीकांत ओडेला की भी तारीफ की है। वह उन्हें प्यार से 'श्रीकांत दादा' कहकर बुलाते हैं। राघव ने बताया, ''श्रीकांत का मुझ पर काफी गहरा असर पड़ा है। इस फिल्म के जरिए मैं पहली बार तेलुगु फिल्मों में अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रहा हूं और निर्देशक के साथ काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा।'' 'द पैराडाइज' में राघव और नानी के अलावा मोहन बाबू, सोनाली कुलकर्णी और संपूर्णेश बाबू भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ईश्वर के आशीर्वाद के रूप में मिला 'श्री रामायण कथा' में माता सीता का रोल

अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा आगामी पौराणिक फिल्म 'श्री रामायण कथा' में माता सीता का किरदार निभाने वाली है। अभिनेत्री का मानना है कि यह रोल उन्हें भगवान राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से मिला है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वे हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाती हैं और प्रार्थना करती हैं कि जो चीज उनके हक की है, वही उन्हें मिले। साथ ही अभिनेत्री ने उस पल को भी याद किया जब निर्देशक अभिषेक सिंह उनके पास इस रोल के लिए आए थे और उन्हें माता सीता के रूप में उनकी एआई से बनी तस्वीर दिखाई थी। अभिनेत्री ने कहा, 'जब मेरे लिए यह रोल मेकर्स लेकर आए, तो उन्होंने मुझे मेरी फोटो का एआई वर्जन दिखाया, जिसे देखकर मुझे हंसी आ गई थी। मैं खुद को पहचान भी नहीं पा रही थी। तो सर ने कहा, 'हां ये तुम ही हो।' शुरुआत में तो मैंने सर से कहा भी था कि क्या आपको सच में लगता है कि मैं ये रोल कर पाऊंगी, तो सर ने मुझसे कहा था कि तुम कर सकती हो।' अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने काफी समय लेने और सोचने के बाद ही इस रोल के लिए हामी भरी थी। उन्होंने कहा, 'तो फिर मैंने थोड़ा समय लिया, मैंने सोचा कि अगर मुझे ये चीज मिल रही है तो शायद ये एक आशीर्वाद है। क्योंकि मैं हमेशा हर मंगलवार को हनुमान मंदिर जाती हूं और मैं हमेशा प्रार्थना करती हूं कि मुझे वही मिले जो मेरे हक का है। तो शायद उन्होंने ही आशीर्वाद के रूप में मुझे ये रोल दिया है।' अभिनेत्री का कहना है कि

उन्होंने मां सीता के रोल को पूरी ईमानदारी से निभाने की कोशिश की है। साथ ही, मां सीता से जुड़े गुणों को समझने पर काम किया है। अभिनेत्री ने कहा, 'मैंने इसे पूरी तरह से खुद निभाने की कोशिश की है। सीता माता का हर गुण, उनका धैर्य, त्याग, हर धर्म के पालन को निभाने की कोशिश की है। जब आप मेरे द्वारा निभाए रोल को सिनेमा में देखेंगी, तो आप बता पाएंगी कि कैसी परफॉर्मेंस है। हर एक्टर खुद परफॉर्म करता है और अपना बेस्ट देता है। अब ये दर्शकों के हाथ में है कि वो इसे स्वीकार करते हैं या नहीं, क्योंकि उन्हें ये पसंद आ भी सकता है और नहीं भी। हम एक एक्टर के तौर पर, हमें जो किरदार दिया गया है, हम उसके साथ न्याय कर रहे हैं या नहीं, ये हम पर है।'

ललकारा के बाद 3 इडियट्स के सीक्वल की शूटिंग शुरू करेंगे आमिर

साल 2009 की ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल की शूटिंग अप्रैल 2027 से शुरू हो सकती है। निर्देशक राजकुमार हिरानी इस समय फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, आमिर खान फरवरी में फिल्म की फाइनल स्क्रिप्ट पढ़ेंगे, जिसके बाद प्रोजेक्ट पर आधिकारिक काम आगे बढ़ेगा।

इस सीक्वल में आमिर खान के साथ करीना कपूर खान, आर माधवन और शरमन जोशी की मुख्य स्टारकास्ट के दोबारा साथ आने की उम्मीद है। '3 इडियट्स' का सीक्वल फिलहाल राइटिंग स्टेज में है। राजकुमार हिरानी और उनकी टीम अगले साल की शुरुआत में स्क्रिप्ट का फाइनल ड्राफ्ट तैयार कर लेगी। आमिर खान फरवरी में इस स्क्रीनप्ले को पढ़ेंगे और अपनी सहमति देंगे। आमिर खान की मंजूरी मिलने के तुरंत बाद मेकर्स अप्रैल 2027 में फिल्म को फ्लोर पर ले जाने का प्लान बना रहे हैं।

सीक्वल में 2009 की मूल फिल्म के मुख्य कलाकारों को फिर से एक साथ पर्दे पर लाने की योजना है। फिल्म में आमिर खान (रैंचो), आर माधवन (फरहान) और शरमन जोशी (राजू) की लोकप्रिय तिकड़ी के साथ करीना कपूर खान (पिया) भी अपनी भूमिकाओं में नजर आ सकती हैं। 2009 में रिलीज हुई '3 इडियट्स' ने बॉक्स ऑफिस पर कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाए थे।

अक्टूबर से 'ललकारा' की शूटिंग में बिजी होंगे आमिर खान

'3 इडियट्स' के सीक्वल से पहले आमिर खान निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की स्पोर्ट्स-ड्रामा फिल्म 'ललकारा' की शूटिंग पूरी करेंगे। वे इसी साल अक्टूबर से मार्च 2027 तक 'ललकारा' के शूटिंग शेड्यूल में बिजी रहेंगे। यह फिल्म 1952 में पाकिस्तान के खिलाफ हुई ऐतिहासिक टेस्ट सीरीज और भारतीय क्रिकेट टीम के तत्कालीन कप्तान लाला अमरनाथ की कहानी पर आधारित है।

पूजा मेरी जान

मुसीबत में फंसी मृणाल ठाकुर मदद को आगे आईं हुमा कुरैशी

मृणाल ठाकुर की अदाकारी वाली अपकमिंग फिल्म 'पूजा मेरी जान' इस अक्तूबर ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म एक ड्रामा है। यह दर्शकों को कुछ असहज सच का सामना कराने की कोशिश करती है। इसमें हुमा कुरैशी और विजय राज भी हैं। दो मिनट 18 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि पूजा (मृणाल ठाकुर) अपने एक करीबी दोस्त के रोमांटिक प्रस्ताव को ठुकरा देती है। इसके बाद वह खुदकुशी कर लेता है। इसके बाद परेशान करने वाली घटनाओं का एक सिलसिला शुरू हो जाता है। सारे इल्जाम पूजा पर लगते हैं। उसे ही कटघरे में खड़ा किया जाता है।

ट्रेलर देख कर लगता है कि फिल्म पूजा के साथ होने वाली कुछ परेशान करने वाली घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमेगी। यह रिजेक्शन, जुनून, सहमति और असल में क्या हुआ था, जैसे मुद्दों पर सवाल उठाएगी। ट्रेलर में कोई आसान जवाब नहीं है। इसके बजाय, यह बेचैनी, मकसद और नतीजों पर फोकस करता है।

वकील के किरदार में हुमा कुरैशी

ट्रेलर में हुमा कुरैशी ने वकील सना का किरदार निभाया है, जो पूजा के साथ हुई घटनाओं की कड़ियों को जोड़ने और उससे जुड़े अलग-अलग दावों की सच्चाई जानने की कोशिश करती है। उनका किरदार फिल्म में सस्पेंस पैदा करता है। सना अलग-अलग बयानों के बीच सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करती हैं, जबकि कहानी में सच का पता लगाना मुश्किल बना रहता है।

कब रिलीज होगी फिल्म

'पूजा मेरी जान' का एलान 2022 में हुआ था, लेकिन यह लगभग चार साल तक रिलीज नहीं हो पाई। यह 2 अक्तूबर, 2026 से जी5 पर स्ट्रीम होगी। नवजोत गुलाटी की निर्देशन में बनी फिल्म में चैतन्य वियास, विक्रम चौहान और राजेश जैस भी हैं।

नेपाल में बारिश और भूस्खलन का कहर, पहाड़ का हिस्सा टूटकर कालीगंडकी नदी में गिरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के बीच बाढ़ और भूस्खलन का सिलसिला लगातार गंभीर होता जा रहा है। रविवार को मुस्तांग जिले में भारी बारिश के दौरान पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा टूटकर कालीगंडकी नदी में जा गिरा। इस हादसे में 14 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पहाड़ से चट्टानों और मिट्टी का भारी मलबा कुछ ही सेकेंड में तेजी से नीचे की ओर आता दिखाई दे रहा है। देखते ही देखते मलबे ने नदी का रास्ता भी भर दिया। हादसे के दौरान मौके पर मौजूद लोगों की चीख-पुकार वीडियो में सुनाई दे रही है। नेपाल करीब एक महीने के भीतर दूसरी बार भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ ने भी भारी तबाही मचाई थी। इस घटना में 1453 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 5500 से अधिक लोग अब भी लापता बताए गए हैं। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के मुताबिक, पिछले 24 घंटों के दौरान नेपाल के अलग-अलग जिलों में बाढ़, भूस्खलन और भारी बारिश से जुड़ी 272 घटनाएं दर्ज की गईं। इन हादसों में कुल 21 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4 लोग लापता हैं और 26 लोग घायल हुए हैं। इन घटनाओं में सबसे ज्यादा 97 भूस्खलन की घटनाएं सामने आईं। भूस्खलन की इन घटनाओं में 19 लोगों की मौत हुई, 4 लोग लापता हैं और 4 लोग घायल हुए हैं। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में पहाड़ी मलबा

सड़कों तक पहुंच गया है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हुआ है। चितवन में नारायणी और रिउ नदी खतरे के निशान से ऊपर रविवार सुबह चितवन जिले में नारायणी और रिउ नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया। देवघाट में नारायणी नदी का जलस्तर 9.23 मीटर दर्ज किया गया, जबकि यहां खतरे का निशान 9 मीटर है। वहीं रिउ नदी का जलस्तर 3.92 मीटर तक पहुंच गया, जबकि खतरे का स्तर 3.8 मीटर निर्धारित है।

नेपाल में तबाही का आंकड़ा

- मुस्तांग में पहाड़ का हिस्सा टूटकर कालीगंडकी नदी में गिरा
- हादसे में 14 लोगों की मौत
- 24 घंटे में बाढ़-भूस्खलन के 272 हादसे
- प्राकृतिक आपदाओं में 21 लोगों की मौत, 4 लापता
- भूस्खलन की 97 घटनाएं दर्ज
- चितवन में नारायणी और रिउ नदी खतरे के निशान से ऊपर
- भारी बारिश से कई सड़क मार्ग बाधित

सिंहस्थ की बिजली लाइन शिफ्टिंग में गड़बड़ी के आरोप, 80% पुराने पोल पर सिल्वर पेंट कर दोबारा इस्तेमाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के लिए उज्जैन में करीब 5 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य चल रहे हैं। इनमें बिजली लाइनों की शिफ्टिंग के लिए 250 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की निगरानी में शहर में 75 बिजली लाइनों की शिफ्टिंग का काम चल रहा है। इसी काम में इस्तेमाल की जा रही सामग्री को लेकर गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक, जहां नए बिजली पोल लगाए जाने थे, वहां केवल करीब 20 प्रतिशत नए पोल ही लगाए गए हैं। वहीं करीब 80 प्रतिशत पुराने पोल को सिल्वर पेंट कर दोबारा इस्तेमाल किए जाने का आरोप है। इसके अलावा पुराने केबल, तार और कंडक्टर भी लगाए जाने की बात सामने आई है। जबकि निर्धारित नियमों के मुताबिक इस काम में नई सामग्री का इस्तेमाल किया जाना चाहिए था। बिजली लाइन शिफ्टिंग के काम में पुरानी सामग्री के इस्तेमाल के आरोपों के बावजूद संबंधित फर्मों को 4.51 करोड़ रुपए का भुगतान किए जाने की बात सामने आई है। इससे काम की गुणवत्ता, सामग्री के इस्तेमाल और भुगतान प्रक्रिया को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

छेड़छाड़ के मुख्य आरोपी नंदन यादव को टांगकर कोर्ट लाई पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जमुई। 10वीं कक्षा की 14 वर्षीय छात्रा से छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार के मामले के मुख्य आरोपी नंदन यादव को सोमवार को पॉक्सो की विशेष अदालत में पेश किया गया। नंदन को पुलिसकर्मी टांगकर कोर्ट लेकर पहुंचे। 22 सितंबर को पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ के बाद उसकी गिरफ्तारी की गई थी। पैर में गोली लगने के बाद घायल नंदन को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसका इलाज चल रहा था। गिरफ्तारी के करीब छह दिन बाद उसे अदालत में पेश किया गया। नंदन की पेशी के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। जमुई थाना, झाझा थाना और चकाई थाने की पुलिस को तैनात किया गया था। मामले को लेकर पुलिस की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, 19 सितंबर को जमुई के मड़वा पहाड़ के पास 14 वर्षीय छात्रा के साथ सड़क पर छेड़छाड़ और अभद्र व्यवहार किया गया था। घटना का वीडियो 21 सितंबर को सामने आया। पुलिस को वीडियो की जानकारी मिलने के बाद पीड़िता की पहचान की गई और मामला दर्ज किया गया। जांच के लिए विशेष जांच दल यानी एसआईटी का गठन किया गया। वीडियो में नजर आ रहे तीन नाबालिग आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया। इसके बाद मुख्य आरोपी नंदन यादव को 22 सितंबर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया।

CEC के इस्तीफे की मांग को लेकर यूपी में कांग्रेस का प्रदर्शन, आगरा में घर पर कालिख पोती

लखनऊ में आयोग कार्यालय घेरने पहुंचे कार्यकर्ताओं से पुलिस की धक्का-मुक्की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कई शहरों में प्रदर्शन किया। आगरा, लखनऊ, काशी, मुरादाबाद, गोरखपुर, सहारनपुर, गाजियाबाद और हापुड़ में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन के दौरान कई स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई। हापुड़ में पुलिस ने करीब 50 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के घर पर कालिख पोत दी। घर के बाहर 'ज्ञानेश कुमार गद्दार, वोट चोर' लिखे जाने की बात सामने आई है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग की और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सवाल उठाए। लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ता चुनाव आयोग कार्यालय का घेराव करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए, जिसके बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। पुलिसकर्मियों ने कार्यकर्ताओं को हटाने की कोशिश की तो कुछ प्रदर्शनकारी सड़क पर लेट गए। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उन्हें उठाकर वैन और बसों में बैठाया और ईको गार्डन ले गए। काशी में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अलग तरीके से विरोध जताया। यहां मुख्य चुनाव आयुक्त का पोस्टर लगाकर उसे जूतों से पीटा गया। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में चूड़ियां लेकर प्रदर्शन किया। वहीं मुरादाबाद, गोरखपुर और सहारनपुर में भी प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। गाजियाबाद में कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट के सामने धरना देकर विरोध जताया।

SIR को लेकर क्या है विवाद?

कांग्रेस के प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर उठे सवाल हैं। द इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर की रिपोर्ट के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े मामलों को लेकर कम से कम 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की थी। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें चार आपत्तियां एक ही दिन दर्ज की गई थीं। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन आपत्तियों को सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताया था। आयोग की ओर से कहा गया था कि एसआईआर समेत सभी अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

CEC के इस्तीफे पर कांग्रेस का प्रदर्शन

यूपी के कई शहरों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। आगरा में उनके घर पर कालिख पोती गई और आपत्तिजनक नारे लिखे गए। लखनऊ में आयोग कार्यालय के घेराव के दौरान पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। काशी में पोस्टर पर जूते बरसाए गए, जबकि हापुड़ में करीब 50 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया।

SIR के विरोध में भोपाल में कांग्रेस का हल्लाबोल, CEO कार्यालय घेरने पहुंचे कार्यकर्ता; वाटर कैनन से रोका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी SIR के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को भोपाल में प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अगुआई में कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने SIR के जरिए बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने का आरोप लगाते हुए चुनाव प्रक्रिया और निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाए। कांग्रेस ने आगामी चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग भी दोहराई। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बाद में प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाया गया। जीतू पटवारी को भी पुलिस ने बस में बैठाया, हालांकि वह बाद में बस से उतर गए। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार बस की खिड़की के शीशे के ऊपर चढ़ने की कोशिश करते दिखाई दिए। प्रदर्शन के दौरान पूर्व विधायक तरवर सिंह लोधी के जूते भीड़ में छूट गए और वह नंगे पैर चलते नजर आए। प्रदर्शन में विरोध का अलग तरीका भी देखने को मिला। एक कार्यकर्ता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनकर खुद को जंजीरों से बांधे हुए था। जीतू पटवारी और उमंग सिंघार उस जंजीर को पकड़े नजर आए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगाए। कांग्रेस नेताओं ने SIR के जरिए मतदाता सूची से नाम हटाने और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर सवाल उठाए। संगठन की तरह काम कर रहा है और दावा किया कि SIR के जरिए करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं।

यूपी में बारिश-बाढ़ का कहर, 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर; 46 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार चार दिनों से हो रही बारिश के कारण कई जिलों में हालात बिगड़ गए हैं। भारी बारिश से नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है और प्रदेश की आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। गोंडा और बदायूं में छोटे पुलों के ऊपर से पानी बहने लगा है। आंधी और बारिश से पिछले दो दिनों में 63 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। मौसम विभाग की चेतावनी के बीच राज्य के 46 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भरने और नदियों के उफान पर आने से लोगों की परेशानी बढ़ी है। कुशीनगर में दो गांवों के करीब 1,400 परिवार प्रभावित बताए गए हैं। लगातार बारिश और बढ़ते जलस्तर के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन पर भी असर पड़ा है। छोटे पुलों के ऊपर से पानी बहने के कारण स्थानीय लोगों को आवाजाही में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश में भी बारिश के बीच सोमवार सुबह भूस्खलन की घटना हुई। शिमला जिले में जंगलिख पुल के पास अचानक पहाड़ का बड़ा हिस्सा खिसककर सड़क पर आ गिरा। बताया गया कि 100 फीट से अधिक ऊंचा पहाड़ करीब 25 से 26 सेकेंड तक गिरता रहा।

स्टारकिड से सुपरस्टार तक रणबीर कपूर का सफर, 44वें जन्मदिन पर जानिए जिंदगी और सिनेमा की पूरी कहानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बॉलीवुड के चर्चित अभिनेताओं में शुमार रणबीर कपूर आज 44 साल के हो गए हैं। 2007 में फिल्म 'सांवरिया' से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाले रणबीर ने करीब 19 साल के करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अपनी पहचान बनाई। शुरुआती फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं कर सकी, लेकिन इसके बाद रणबीर ने लगातार ऐसे किरदार चुने, जिन्होंने उन्हें एक स्टारकिड से आगे बढ़ाकर स्थापित अभिनेता की पहचान दिलाई। 'रॉकस्टार' में उन्होंने टूटे दिल और जुनून से जूझते संगीतकार की भूमिका निभाई तो 'बर्फी' में बिना ज्यादा संवादों के भावनाओं को पर्दे पर उतारकर दर्शकों का दिल जीता। 'संजू' में संजय दत्त का किरदार निभाकर उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का एक और अलग रूप दिखाया। इसके बाद 'एनिमल' में उनका किरदार काफी चर्चा में रहा। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए, वहीं रणबीर का किरदार विवादों में भी घिरा। पर्दे के बाहर भी रणबीर की जिंदगी उतार-चढ़ाव से भरी रही है। माता-पिता ऋषि कपूर और नीतू कपूर के तनावपूर्ण रिश्ते, पिता को खोने का दर्द और निजी जिंदगी से जुड़े अनुभव उनकी कहानी का हिस्सा रहे हैं। अब अपने 19 साल के फिल्मी सफर और 21 फिल्मों के बाद रणबीर कपूर 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाने जा रहे हैं।

राज कपूर के पोते और ऋषि कपूर के बेटे हैं रणबीर

रणबीर कपूर का जन्म 28 सितंबर 1982 को मुंबई में हुआ। वह अभिनेता ऋषि कपूर और नीतू कपूर के बेटे हैं, जबकि दादा शोमैन राज कपूर थे। कपूर परिवार की चार पीढ़ियां हिंदी सिनेमा में अपनी पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में रणबीर का बचपन फिल्मी माहौल और ऐशो-आराम के बीच बीता, लेकिन उनके जीवन में निजी संघर्ष भी रहे।रणबीर को नेजल डिविएटेड सेप्टम नाम की समस्या रही, जिसके कारण उन्हें सांस लेने में परेशानी होती है और वह जल्दी-जल्दी बोलते हैं। बचपन में एक बार बाथरूम में फिसलकर गिरने से उनके चेहरे पर गहरा कट लग गया था। चोट का निशान आज भी उनके चेहरे पर दिखाई देता है। बचपन की कुछ घटनाएं भी रणबीर की जिंदगी से जुड़ी रही हैं। एक बार उन्होंने बाथरूम में पिता का आफ्टर शेव लोशन पी लिया था। परिवार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उन्हें उल्टियां करवाई थीं। एक अन्य घटना में दादा राज कपूर रणबीर और उनकी बहन को किताब पढ़कर सुना रहे थे। उस दौरान रणबीर किताब सुनने के बजाय गाना गाने में व्यस्त थे। इस पर राज कपूर ने उन्हें फटकार लगाते हुए पूछा था कि वे सुन भी रहे हैं या सिर्फ अपना गाना गाने में लगे हैं। बचपन की इन यादों से लेकर बड़े पर्दे पर अलग-अलग किरदारों तक रणबीर कपूर का सफर लगातार बदलता रहा है। आज उनका 44वां जन्मदिन उनके इसी लंबे फिल्मी सफर को याद करने का मौका है।

यूपीआई पेमेंट पर 0.4% चार्ज के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट की रोक से इनकार, केंद्र से मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूपीआई पेमेंट पर 0.4 प्रतिशत चार्ज लगाने के केंद्र सरकार के फैसले पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि, अदालत ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर पूछा है कि 2 हजार रुपए से अधिक के मर्चेंट पेमेंट पर शुल्क लगाने के नए नियम का आधार क्या है। यह शुल्क 15 अक्टूबर से लागू होने की बात कही गई है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की तीन सदस्यीय पीठ ने अधिवक्ता अंजन दत्ता की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। याचिका में 2 हजार रुपए की सीमा तय किए जाने के आधार और यूपीआई तथा रुपे कार्ड के लिए अलग-अलग नियम बनाए जाने पर सवाल उठाए गए हैं। याचिकाकर्ता ने नए शुल्क को रद्द करने की मांग की है। याचिका में आरोलगाया गया है कि सरकार ने जनता से चर्चा किए बिना और कोई ठोस नियम बनाए बिना ही यह शुल्क निर्धारित कर दिया। इसके अलावा भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10ए को भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि इस प्रावधान के जरिए सरकार को यह तय करने की छूट मिलती है कि कौन-सा डिजिटल भुगतान मुफ्त रहेगा और किस पर शुल्क लगाया जाएगा। सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन. वेंकटरमण ने अदालत को बताया कि आम लोगों के बीच पैसे भेजने वाले यूपीआई लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि देश में छोटे स्तर पर होने वाले करीब 96 प्रतिशत दुकानदार भुगतान पर नए शुल्क का असर नहीं पड़ेगा। यदि कोई छोटा व्यापारी लगातार तीन महीने तक 1 लाख रुपए से अधिक का यूपीआई कलेक्शन करता हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार चार दोस्तों को कुचला, दो की मौके पर मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। दौलतपुरा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार चार दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में मृत दोनों युवकों के एक-एक पैर घुटने के नीचे से कटकर अलग हो गए और ट्रक के अगले हिस्से में लटकते मिले। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश की जा रही है। दौलतपुरा थाना अधिकारी महावीर यादव ने बताया कि हादसे में अनिकेत (18) पुत्र रामकिशोर और प्रवीण (18) पुत्र प्रकाश की मौत हो गई। वहीं विकास पुत्र जितेंद्र और शिवम पुत्र बबलू हादसे में घायल हुए हैं। दोनों को उपचार के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस के अनुसार चारों दोस्त रविवार रात दौलतपुरा रिंग रोड के पास अनिकेत की बहन के घर गए थे। सुबह उठने के बाद चारों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने घर की ओर रवाना हुए। करीब 6:45 बजे वे दौलतपुरा सर्विस रोड पर खेडवाड़ी पुलिया के नीचे से खेडवाड़ी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही दौलतपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां दो युवक मृत हालत में मिले, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल थे। पुलिस ने टोल एंबुलेंस की मदद से चारों को एसएमएस अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने अनिकेत और प्रवीण को मृत घोषित कर दिया। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोनों मृत युवकों के एक-एक पैर घुटने के नीचे से कटकर अलग हो गए थे। पुलिस को ट्रक के अगले हिस्से में दोनों कटे हुए पैर लटके हुए मिले। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है।

उज्जैन में शाही मस्जिद विवाद पर हाईकोर्ट का फैसला, समझौते के आधार पर याचिका का निपटारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। शाही मस्जिद के एक हिस्से को हटाने को लेकर चल रहे विवाद में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दायर याचिका को रद्द करते हुए मामले का निपटारा कर दिया है। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने जिला प्रशासन और शाही मस्जिद कमेटी के बीच हुए समझौते के आधार पर मामले को डिस्पोज ऑफ किया। याचिकाकर्ता शाही मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता कुलदीप पाठक ने बताया कि समझौते के तहत सड़क के लिए तीन फीट जगह देने और कुछ दुकानों को हटाने पर सहमति बनी है। बड़ी मीनार को दूसरी ओर स्थानांतरित किया जाएगा, जबकि हटाई जाने वाली दुकानों के लिए दूसरी जगह उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पहले सोमवार सुबह मस्जिद का एक हिस्सा तोड़े जाने को लेकर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान पुलिस पर पथराव किया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। भीड़ को हटाने की कार्रवाई के दौरान महिला थाना प्रभारी भी घायल हो गईं। विवाद के बाद इलाके में पुलिस बल तैनात कर दिया गया, लेकिन दोपहर में एक बार फिर पथराव शुरू हो गया। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस का इस्तेमाल किया। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही, हालांकि नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद स्थिति शांत हो गई। पुलिस ने 15 लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी शामिल हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। सिंहस्थ परियोजना के तहत उज्जैन में कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक करीब डेढ़ किलोमीटर क्षेत्र में सड़क को 15 मीटर चौड़ा किया जाना है। इसके लिए 323 मकानों को तोड़ा जाना है। इनमें 15 धर्मस्थल भी सड़क के दायरे में आ रहे हैं। अब तक 12 धर्मस्थल हटाए जा चुके हैं। शाही मस्जिद का करीब नौ फीट लंबा और चार फीट चौड़ा हिस्सा भी प्रस्तावित सड़क के दायरे में आ रहा है। दस्तावेजों में शाही मस्जिद के 100 साल से अधिक पुरानी होने की पुष्टि होती है, जबकि मस्जिद के इमाम का दावा है कि यह 600 साल से भी अधिक पुरानी है। हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि जब तक समझौते का पूरा ब्योरा अदालत के रिकॉर्ड पर नहीं आता, तब तक काम रोका जाए और समझौते में तय शर्तों को पूरा कराया जाए। हफैसला वक्फ बोर्ड को करना है।

शाही मस्जिद विवाद में हाईकोर्ट का फैसला

सड़क चौड़ीकरण के लिए मस्जिद का करीब 9 फीट लंबा और 4 फीट चौड़ा हिस्सा हटाने को लेकर विवाद हुआ था। प्रशासन और शाही मस्जिद कमेटी के बीच समझौते के तहत सड़क के लिए 3 फीट जगह देने, कुछ दुकानें हटाने और बड़ी मीनार को दूसरी ओर स्थानांतरित करने पर सहमति बनी।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.